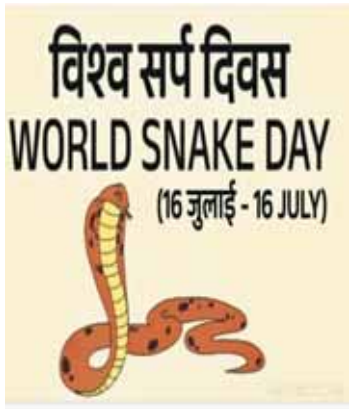

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 55/ अंक 02/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, बुधवार 16 जुलाई 2025 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

सच्ची सफलता वही है, जो ईमानदारी और मेहनत से प्राप्त की जाए।

कैबिनेट बैठक में पीएम धन धान्य योजना को मिल सकती है मंजूरी

नई दिल्ली। किसानों के लिए आज का दिन बड़ा हो सकता है।सूत्रों के मुताबिक, 'प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना 2025 को आज कैबिनेट की बैठक में मंजूरी मिल सकती है।यह योजना खासतौर पर उन जिलों के लिए है, जहां खेती की उपज कम होती है। इसका सीधा फायदा देश के 1.7 करोड़ छोटे और सीमांत किसानों को मिल सकता है। इस योजना की घोषणा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2025 के दौरान की थी। इसका मकसद है खेती में नई तकनीक को बढ़ावा देना, एक जैसी फसलें उगाने की बजाय फसल विविधता लाना, जलवायु के अनुसार खेती को प्रोत्साहित करना और गांव स्तर पर भंडारण, सिंचाई और कर्ज की सुविधा मजबूत करना। सरकार ने इस योजना के लिए 1.37 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।यह पैसा केंद्र और राज्य मिलकर खर्च करेंगे, ताकि खेती का ढांचा पंचायत और ब्लॉक स्तर पर मजबूत हो सके। सरकार पीएम धन धान्य योजना को देश के 100 जिलों में लागू करेगी।ये वे जिले होंगे जहां खेती की पैदावार औसतन कम है। इन इलाकों में सरकार राज्य सरकारों के साथ मिलकर खेती बढ़ाने की नीतियां बनाएगी, ताकि किसानों को सीधे फायदा मिल सके। इस योजना का फोकस एक हेक्टेयर या उससे कम जमीन वाले किसानों पर है।यानी छोटे और सीमांत किसान इसके मुख्य लाभार्थी होंगे।योजना में महिला किसानों को भी खास प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे ज्यादा महिलाएं खेती की ओर बढ़ें।

प्रदेश में निवेश आकर्षित करना दुबई और स्पेन यात्रा का उद्देश्य

मध्य प्रदेश में निवेश का यज्ञ चल रहा है: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में निवेश का यज्ञ चल रहा है, जिसमें बड़े पैमाने पर निवेशकों से समर्थन मिल रहा है। प्रदेश सरकार आकर्षक औद्योगिक और निवेश नीतियों के माध्यम से प्रदेश में निवेश आकर्षित करने का निरंतर प्रयास कर रही है। विगत एक वर्ष में प्रदेश के संभागों में रीजनल इंडस्ट्री कोनक्लेव और देश के प्रमुख औद्योगिक नगरों में रोड शो आयोजित किए गए हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में फरवरी माह में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया गया था, जिसमें 30 लाख करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ। निवेश आकर्षित करने का यह सिलसिला लगातार जारी है और हाल ही में सूरत, लुधियाना और जोधपुर में भी सफल रोड शो का आयोजन किया गया है। इसी क्रम में विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से 13 से 19 जुलाई के बीच दुबई और स्पेन की यात्रा की जा रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार महिला, युवा, किसान और गरीब कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विदेश प्रवास से पहले, नई दिल्ली में मीडिया के लिए जारी संदेश में यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि दुबई और स्पेन की विदेश यात्रा के माध्यम से विदेशी निवेशकों को प्रदेश में निवेश संभावनाओं और आकर्षक निवेश नीतियों से अवगत कराया जाएगा। इस यात्रा के दौरान दुबई और स्पेन के निवेशकों के बीच राज्य की औद्योगिक निवेश के संबंध में ब्रांडिंग की जाएगी, जिससे मध्यप्रदेश विदेशी निवेश में शीर्ष राज्य बने। प्रदेश में सभी प्रकार के उद्योग- भारी उद्योग, मध्यम, लघु और सूक्ष्म उद्यम, आइटी, इत्यादि तथा पर्यटन, वन, खनन, स्वास्थ्य, शिक्षा जैसे क्षेत्रों में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। साथ ही प्रदेश के विभिन्न अंचलो- चंबल, महाकौशल, विंध्य, मालवा, बुंदेलखंड की विशेषताओं के आधार पर अनुकूल प्लानिंग के साथ विदेशी सरकारों के सौजन्य से विदेशी निवेशकों से चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की समृद्धि बढ़ाने और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह विदेशी दौरा किया जा रहा है।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में मप्र फिर होगा गौरवान्वित: सीएम

इंदौर ने आठवीं बार स्वच्छता रैंकिंग में प्राप्त किया शीर्ष स्थान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि स्वच्छता सर्वेक्षण पुरस्कार में मध्य प्रदेश एक बार फिर गौरवान्वित होगा। उन्होंने बताया कि आगामी 17 जुलाई को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा मध्यप्रदेश के आठ शहरों को स्वच्छता की विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने सम्मानित किया जाएगा, जिसके लिए सभी स्वच्छताकर्मी, महापौर, पार्षद, अधिकारी और कर्मचारीगण, तथा आमजन बधाई के पात्र हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता का जो संकल्प लिया है, उसमें मध्यप्रदेश कदम से कदम मिलाकर चल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नई दिल्ली में विदेश प्रवास से पहले मीडिया को जारी संदेश में यह विचार व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने बताया कि इंदौर शहर को स्वच्छता के लिए सुपर स्वच्छ लीग श्रेणी में आठवीं बार सम्मानित किया जाएगा। इंदौर पूर्व में सात बार देश के स्वच्छतम शहर का पुरस्कार प्राप्त कर चुका है। विगत वर्षों में श्रेष्ठ प्रदर्शन और भविष्य की संभावनाओं के आधार पर स्वच्छ लीग पुरस्कार इस वर्ष इंदौर को दिया जाएगा। उज्जैन को 3 से 10 लाख जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में स्वच्छ लीग पुरस्कार प्राप्त होगा, जो गर्व का विषय है। बीस हजार से कम आबादी वाले नगरों की श्रेणी में बुधनी नगर भी सम्मानित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजधानी भोपाल प्राकृतिक सुंदरता के अलावा स्वच्छता के क्षेत्र में भी आदर्श बना है और इस आधार पर देश की सर्वश्रेष्ठ राजधानी के रूप में सम्मानित होगा। विभिन्न श्रेणियों में ग्वालियर, देवास, शाहगंज और जबलपुर भी पुरस्कृत किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों का आह्वान किया कि स्वच्छता सर्वेक्षण के मापदंड के आधार पर अपने घर, मोहल्ले, कॉलोनी और नगर को स्वच्छ रखें और इस आदर्श जीवन शैली को दुनिया के बीच प्रदर्शित करने का प्रयास करें।

सांध्यप्रकाश विशेष

हाईवे पर गड्ढे, महिला कलेक्टर ने एनएचएआई अधिकारी पर रोज के हिसाब से जुर्माना लगाया!

महीसागर (गुजरात)। यहां की महिला कलेक्टर अर्पित सागर गुजरात में अपने कड़क अंदाज के लिए सुर्खियों में आ गई। अहमदाबाद-गोधरा हाईवे पर गड्ढे होने पर उन्होंने एनएचएआई अधिकारी पर जुर्माना ठोंक दिया। उन्होंने यह कार्रवाई 'जीरो टॉलरेंस' की नीति के तहत की। अर्पित सागर कुछ महीने पहले ही महीसागर जिले में कलेक्टर पदस्थ हुई हैं। पहली बार कलेक्टर बनीं आईएएस अर्पित सागर अपने एक सख्त फैसले की वजह से चर्चा में आ गई। कहा जा रहा है कि इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ, जब कलेक्टर ने एनएचएआई के परियोजना निदेशक पर दंड लगाया गया। मूलतः उत्तर प्रदेश की रहने वाली अर्पित सागर ने राष्ट्रीय राजमार्ग-47 अहमदाबाद-गोधरा पर गड्ढों के लिए नेशनल हाईवे ऑथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) के अधिकारी पर जुर्माना लगाया। उन्होंने यह कार्रवाई महीसागर रोड सेफ्टी कमेंटी के मुखिया की हैसियत से की है। हाईवे पर गड्ढे होने के कारण उन्होंने 18 जून से लेकर 7 जुलाई तक के लिए प्रत्येक दिन के लिए 500 रुपए जुर्माना लगाया। ऐसी कार्रवाई करने वाली वे गुजरात की पहली आईएएस हैं।

प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए दुबई की तरह स्पेन यात्रा भी होगी सार्थक

भोपाल.। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्य प्रदेश के विकास की दृष्टि के उनकी तीन दिवसीय दुबई यात्रा काफी सकारात्मक रही है। जिसका लाभ राज्य सरकार की प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार संबंधी योजनाओं के क्रियान्वयन में स्पष्ट रूप से नजर आएगा। दुबई के साथ व्यापार बढ़ाने के लिए भविष्य में इस प्रकार की और भी यात्राएं संभावित हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में दुनिया के कई देशों के साथ मिलकर भारत सरकार कार्य कर रही है, जिसका लाभ मध्य प्रदेश समेत सभी राज्यों को मिल रहा है। प्रदेश में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश के विकास की यात्रा को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए निवेशकों को आकर्षित करने स्पेन पहुंचे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्पेन की राजधानी मैड्रिड में बुधवार को मीडिया को जारी संदेश में दुबई की तरह स्पेन यात्रा में भी बैठक, चर्चा और संवाद से सकारात्मक परिणाम मिलने की आशा व्यक्त की । मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार पर्यटन, खनन, फूड पार्क, फूड इंडस्ट्री, ऑटो, फॉर्मा, टेक्सटाइल सहित सभी क्षेत्रों के लिए निवेशकों से चर्चा और बैठकें कर रही है। उद्योगपतियों और निवेशकों के लिए प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। विदेश यात्रा के पहले पड़ाव दुबई में सभी सेक्टर्स में सकारात्मक परिणाम मिले हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सफल दुबई यात्रा के लिए अधिकारियों, निवेशकों और प्रवासी भारतीय समुदाय का आभार व्यक्त किया।

यूपी सरकार ने मुख्य सचिव के सेवा विस्तार के लिए केंद्र को पत्र लिखा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और आगामी निवेशक शिखर सम्मेलन का हवाला देते हुए मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के लिए सेवा विस्तार मांगा है। उत्तर प्रदेश सरकार ने केंद्र को पत्र लिखकर भारतीय प्रशासनिक सेवा में 1988 बैच के अधिकारी मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के सेवा विस्तार का अनुरोध किया है, जो 31 जुलाई, 2025 को सेवानिवृत्त होने वाले हैं । सिंह को दुर्गा शंकर मिश्रा (आईएएस 1984 यूपी) की सेवानिवृत्ति के बाद 30 जून 2024 को राज्य के शीर्ष नौकरशाह के रूप में नियुक्त किया गया था , जिन्हें ढाई साल का सेवा विस्तार मिला था। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने बुनियादी ढाँचे और औद्योगिक विकास में सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका के साथ-साथ राज्य को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य में उनके योगदान का भी उल्लेख किया है। राज्य ने इस साल के अंत में होने वाले वैश्विक निवेशक सम्मेलन सहित प्रमुख आगामी कार्यक्रमों पर भी प्रकाश डाला है।

संसद का मानसून सत्र 21 से, आठ नए विधेयक होंगे पेश, भारी हंगामे के आसार

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होने जा रहा है, जिसमें सरकार आठ नए विधेयकों को पेश करने की तैयारी में है। इनमें मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को बढ़ाने से संबंधित विधेयक भी शामिल है। मणिपुर में 13 फरवरी को लागू हुआ राष्ट्रपति शासन 13 अगस्त को समाप्त हो रहा है, और सरकार इसे और विस्तार देने पर विचार कर रही है। इसके लिए हर छह महीने में संसद की मंजूरी आवश्यक होती है। सत्र में मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक 2025, जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक 2025, भारतीय संस्थान प्रबंधन (संशोधन) विधेयक 2025, कराधान विधि (संशोधन) विधेयक 2025, भू-विरासत स्थल एवं भू-अवशेष (संरक्षण एवं रखरखाव) विधेयक 2025, खान एवं खान (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक 2025, राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक 2025, और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक 2025 पेश किए जा सकते हैं।

वैश्विक संकेतों के बीच बाजार फिसला, सेंसेक्स 100 अंक नीचे, निफ्टी 25,150 के नीचे

मुंबई। अमेरिकी मुद्रास्फीति में तेजी के बीच वैश्विक शेयर बाजारों में नरम रुख देखा जा रहा है। बुधवार को शुरुआती कारोबार में भारतीय शेयर बाजार के सूचकांक- सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। विशेषज्ञों के मुताबिक अमेरिकी टैरिफ नीति को लेकर अनिश्चितता के माहौल में निवेशक एहतियात बरत रहे हैं। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 103.16 अंक गिरकर 82,467.75 अंक पर आ गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 56.75 अंक गिरकर 25,139.05 अंक पर आ गया। सेंसेक्स की जिन कंपनियों में सर्वाधिक गिरावट दिखी उनमें- महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, इटरनल, बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व प्रमुख हैं।

बड़ा फैसला, ईरान यात्रा को लेकर भारतीयों को सतर्क रहने की सलाह

नई दिल्ली। ईरान में स्थित भारतीय दूतावास ने मंगलवार देर रात भारतीय नागरिकों के लिए एक विशेष ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। इस एडवाइजरी में भारतीयों को ईरान की गैर-जरूरी यात्राओं से बचने की अपील की गई है, विशेषकर वर्तमान सुरक्षा परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से यह जानकारी साझा की। अपने बयान में दूतावास ने कहा, बीते कुछ हफ्तों में ईरान में जो सुरक्षा संबंधी घटनाएं हुई हैं, उनको देखते हुए भारत सरकार सभी नागरिकों को सलाह देती है कि वे फिलहाल ईरान की अनावश्यक यात्राओं से परहेज करें। जो भारतीय नागरिक इस समय ईरान में मौजूद हैं और भारत लौटना चाहते हैं, उन्हें सलाह दी गई है कि वे कमर्शियल फ्लाइट्स या नौका फेरी सेवाओं का उपयोग करके देश से बाहर निकलें।

आरक्षण चार्टिंग प्रक्रिया में आज से परिवर्तन, अब 8 घंटे पहले जारी होगा रिजर्वेशन चार्ट

भोपाल। पश्चिम मध्य रेलवे में अब ट्रेन के प्रस्थान समय से आठ घंटे पहले रिजर्वेशन चार्ट जारी किया जाएगा। यात्रियों को अपने टिकट की कन्फर्मेशन स्थिति के बारे में पहले से पता चल सकेगा। यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना बेहतर ढंग से बनाने में मदद मिलेगी। नई व्यवस्था से यात्रियों को पहले से पता चलेगा टिकट कन्फर्म या नहीं। ट्रेनों की आरक्षण सूची 15-16 जुलाई की रात 12 बजे जारी हो जाएगी। वेटिंग लिस्ट में शामिल यात्रियों को इससे मिलेगी बड़ी सुविधा।

यह नई व्यवस्था 15-16 जुलाई की मध्यरात्रि से लागू होगी और भोपाल मंडल सहित देशभर में एकसाथ प्रभावी होगी। अब तक यह चार्टिंग प्रक्रिया ट्रेन चलने के 4 घंटे पहले की जाती थी, लेकिन नई प्रणाली में यह समय सीमा बढ़ाकर 8 घंटे कर दी गई है। इससे वेटिंग और आरएसी यात्रियों को उनकी सीट की स्थिति पहले ही पता चल सकेगी, जिससे वे वैकल्पिक योजना बना सकेंगे।

बर्थ की स्थिति 8 घंटे पहले मालूम चल सकेगी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि पूर्व में यह चार्टिंग प्रक्रिया ट्रेन प्रस्थान से 4 घंटे पूर्व तैयार की जाती थी जो कि अब 8 घंटे पूर्व तैयार किया जाएगा जिससे प्रतीक्षा सूची और आरएसी यात्रियों को अपनी बर्थ की स्थिति 8 घंटे पहले मालूम चल सकेगी।

चार्टिंग की नई समय-सारणी ऐसी होगी

-जिन ट्रेनों का प्रस्थान सुबह 5 बजे से दोपहर 14 बजे के बीच है, उनका पहला चार्ट पूर्ववर्ती दिन रात्रि 21 बजे तक तैयार किया जाएगा।

-जिन ट्रेनों का प्रस्थान दोपहर 14 बजे से रात्रि 23.59 बजे के बीच या मध्यरात्रि 00 बजे से सुबह 5 बजे के बीच है, उनका पहला चार्ट अब 8 घंटे पूर्व तैयार किया जाएगा।

-दूसरे आरक्षण चार्ट तैयार करने के संबंध में मौजूदा प्रावधानों में कोई बदलाव नहीं होगा।

-यह नई व्यवस्था रिमोट लोकेशन (दूरस्थ स्टेशनों) पर चार्टिंग प्रक्रिया के लिए भी अनिवार्य रूप से लागू होगी।

कंगना ने कहा 'मुझे मंत्री बनने की उम्मीद थी, सांसद बनकर मुझे मजा नहीं आ रहा

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश की मंडी संसदीय क्षेत्र की सांसद और बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत अपने एक इंटरव्यू को लेकर फिर चर्चा में हैं। इस इंटरव्यू में उन्होंने राजनीति में अपनी भूमिका, मंत्री पद की अपेक्षा और सांसद के तौर पर आ रही चुनौतियों पर खुलकर बात की। हाल ही में एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि जैसा मेरा प्रोफाइल है और जिस पेशे से मैं आती हूं, मैं एक फिल्म निर्माता, निर्देशक और लेखिका हूं। मेरे पास देश का चौथा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री है। मैंने एक बहुत ही मुश्किल सीट जीती। मेरे योगदान को देखते हुए मुझे लग रहा था कि मैं मंत्री बनूंगी और कोई विभाग मिलेगा। क्योंकि, कैबिनेट में कई मंत्री फर्स्ट टाइमर हैं। कंगना ने कहा कि उन्हें बतौर सांसद काम करने में मजा नहीं आ रहा। भाजपा ने टिकट देते कहा था कि 60 से 70 दिन काम करना है। इसके बाद अपना काम करती रहना। कंगना ने ईमानदार रहते हुए राजनीति में बने रहने को महंगा शौक बताया और कहा कि अपने संसदीय क्षेत्र में जनता के बीच जाने में उनकी पूरी सैलरी खर्च हो जाती है। कंगना ने यह भी कहा कि उन्हें आशा थी कि उन्हें मंत्री बनाया जाएगा, क्योंकि उनका योगदान काफी ज्यादा था।

कार्यकर्ताओ से रूबरू होगे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल, ग्वालियर से होगी शुरूआत

भोपाल। नवनियुक्त भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने पद ग्रहण करते ही संगठन को और मजबुत करने की कवायदें शुरू कर दी है। कार्यकर्ताओं से रूबरू होने के लिए उन्होने तीन चरण का एक प्लान तैयार किया है। इस दौरान वे प्रदेशभर के कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे और बैठको में शामिल होकर कार्यकर्ताओं को राजनैतिक गुर सिखाएंगे। 17 जुलाई से प्रदेश अध्यक्ष का दौरा शुरू होगा। इस बार ग्वालियर को केन्द्र बनाया गया है जहां से बैठक की शुरूआत होगी। संभाग स्तर पर होने वाली इन बैठको में भाजपा पदाधिकारी व चुने गए प्रतिनीधि हिस्सा लेंगे। ग्वालियर में होने वाली इस बैठक में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित भाजपा के कई कद्दावर नेता शिरकत करेगे। गौरतलब है कि आने वाले समय में हेंमत खंडेलवाल को अपनी टीम का चयन करना है। चुंकि खंडेलवाल अपने भाषणों में यह कह चुके है कि भाई-भतीजावाद नहीं चलेगा। कोई मेरा नजदीकि है तो वह गलतफहमी ना पाले, इस तरह के वाक्यों के बाद यह तय माना जा रहा है कि नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष अपनी टीम में ऐसे कार्यकर्ताओ को शामिल करना चाहते है जो जमीन से जुड़े हो,और भाजपा की नीति रीति से पूरी तरह अवगत है। उम्मीद की जा सकती है कि संभागिय बैठकों के बाद खंडेलवाल नई टीम की घोषणा करेगें। इस दौराना वे उन कार्यकर्ताओं को चुन लेंगे जो भाजपा के लिए समर्पित होंगे। प्रदेश अध्यक्ष के ग्वालियर में आगमनस से पहले ग्वालियर के कार्यकर्ताओं में उत्साह है। यहां पर स्थानिय मंडलो के द्वारा बैठके लेकर प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही है। इसके साथ ही भाजपा के कार्यकर्ता अपने पुराने कार्यकर्ताओं को भी वापस पार्टी में लाने के प्रयास कर रही है। जो किसी कारणों से पार्टी से दुरियां बना चुके है। उन्हें वापस पार्टी की बैठकों में लाने के प्रयास तेज हो गए है।

भोपाल: देहात पुलिस की अवैध खनन पर बड़ी कार्रवाई, 9 डंपर और एक पोकलेन जब्त

भोपाल। देहात में अवैध खनन के खिलाफ पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। इतखेड़ी थाना पुलिस ने छापा मारकर मौके से 9 डंपर और एक पोकलेन मशीन को जप्त किया है। यह खनन वन विभाग की जमीन पर अवैध तरीके से चल रहा था। सूत्रों की मानें तो इस अवैध धंधे में कुछ अधिकारियों की मिलीभगत भी सामने आ रही है, जिसके चलते लंबे समय से खनन का खेल बेधड़क चल रहा था। पुलिस को सूचना मिलने के बाद टीम ने दबिश दी और खनन सामग्री सहित भारी वाहन जब्त कर लिए। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। अधिकारियों की भूमिका को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। जल्द ही इस मामले में और बड़े नामों का खुलासा हो सकता है।

महिला अधिकार मंच की राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्योति सिंह को महिला शस्त्रीकरण सम्मान

भोपाल। प्रजापिता राजयोग ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्विधायलय माउंट आबू द्वारा समृद्ध समाज में अध्यात्म की भूमिका चार दिवसीय सम्मेलन सरोवर में आयोजित किया गया। जिसमे देश के कोने कोने से वरिष्ठ समाजसेवी उपस्तिथ हुए हर वर्ष की भाती इस वर्ष भी महिला अधिकार मंच भोपाल के समस्त ज़िले के पदाधिकारी को आमंत्रित किया गया और समाज में शांति का संदेश दिया और महिला अधिकार मंच के उद्देश्य व कार्यो को विस्तारपूर्वक बताया गया ! महिला अधिकार मंच भोपाल मप्र की राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्योति सिंह को मुख्य अतिथि के रूप में मंच दिया और ज्योति सिंह को मंच के पवित्र उद्देश्य व निःशुल्क और नी स्वार्थ कार्यों के लिए प्रजापति राजयोग ब्रह्मकुमारी द्वारा राष्ट्रीय सम्मेलन में महिला शस्त्रीकरण गौरवपूर्ण सम्मान स्वरूप मोमेंटो व ब्रह्मकुमारी चित्र देकर सम्मान प्रदान किया गया।महिला अधिकार मंच राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्योति सिंह ने कहा सर्वप्रथम मैं उस परमात्मा का धन्यवाद करती हूँ, जिसने हमें इस पावन अवसर पर, आध्यात्मिकता की साक्षात प्रतिमूर्ति ब्रह्मकुमारी दीदियों के सानिध्य का सौभाग्य प्रदान किया।

बावड़ियां कलां मंदिर में विधि विधान के साथ श्री झूलेलाल चालीहा साहिब का पाठ प्रारंभ

भोपाल। सिन्धी पर्व श्री झूलेलाल चालीहा साहिब का प्रारंभ अति उत्साह, विधि- विधान ओर परंपरागत तरीके से पूज्य सिन्धी पंचायत गुलमोहर ई -8 एक्सटेंशन बावड़ियां कलां भोपाल द्वारा झूलेलाल मंदिर में किया गया। इस पर्व में अनेक गणमान्य लोगो ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सर्वप्रथम श्री झूलेलाल साई जी की ज्योत साहिब प्रज्वलित पंचायत के अध्यक्ष श्री संजय कुमार रामतानी महासचिव श्री देवानंद जेठानी मुख्य सलाहकार श्री डी एम मोटवानी कोषाध्यक्ष श्री सुनील नरियानी सह कोषाध्यक्ष श्री निक्की मूलचंदानी सिन्धी समाज के पूजनीय ब्राह्मण श्री आनंद शर्मा के सानिध्य में ओर अन्य पदाधिकारी की उपस्थिति में की गई। पंचायत के अध्यक्ष संजय कुमार रामतानी ने बताया कि बावड़ियां कलां में स्थित श्री झूलेलाल मंदिर सिंधी समाज का मानता वाला मंदिर है, यहां जो भी धर्मप्रेमी नियमित झूलेलाल चालीहा साहिब के 40 दिन अखंड श्री झूलेलाल साहिब की पूजा अर्चना सच्चे मन से करेगा भगवान श्री झूलेलाल उनकी सभी आशा, मुराद पूरी करेंगें ओर मनचाहा फल देंगे। पंचायत के महासचिव श्री देवानंद जेठानी ने भोपाल वासियों को निवेदन किया है कि सभी धर्म प्रेमी इन 40 दिवसीय श्री झूलेलाल चालीहा साहिब में बावड़ियां कलां स्थित मानता पूरी करने वाले श्री से झूलेलाल मंदिर में जरूर आए ओर सिंधी समाज के इष्ट देवता श्री झूलेलाल साहिब जी के दर्शन कर श्री झूलेलाल जी का आशीर्वाद ओर लाभ प्राप्त करें।

मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग में इंटर्नशिप कार्यक्रम सम्पन्न

भोपाल। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग में प्रतिवर्ष संचालित होने वाले विधि संकाय के विद्यार्थियों के लिये एक माह की इंटर्नशिप मंगलवार को सम्पन्न हुई। यह प्रशिक्षण 16 जून से प्रारंभ हुआ था। इंटर्नशिप में देश के प्रतिष्ठित विधि विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में अध्ययनरत विधि संकाय के विद्यार्थियों को मानव अधिकार एवं आयोग की कार्य-प्रणाली सहित विभिन्न विषयों पर रिसोर्स पर्सन द्वारा प्रशिक्षण दिलाया गया। इंटर्नशिप में मुख्य रूप से महाराष्ट्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी नागपुर, कॅरियर कॉलेज ऑफ लॉ भोपाल, रेनेसां लॉ कॉलेज इंदौर, एलएनसीटी यूनिवर्सिटी भोपाल, के.सी. कॉलेज मुम्बई, ईश्वर सरन डिग्री कॉलेज इलाहाबाद प्रयाग, इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ भोपाल, पीआईएमआर डीएवीवी इंदौर, बरकतउल्लाह यूनिवर्सिटी, आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर, गवर्मेंट पीजी स्टेट लॉ कॉलेज भोपाल और भाभा यूनिवर्सिटी भोपाल के विद्यार्थियों ने भाग लिया। मानव अधिकार आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष श्री राजीव कुमार टंडन ने कहा कि सभी विद्यार्थियों ने पूर्ण लगन से प्रशिक्षण प्राप्त किया है, जो सराहनीय है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की मैं कामना करता हूँ। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त करने पर बधाई दी। श्री टंडन ने कहा कि प्रतिवर्ष विधि विभाग के विद्यार्थियों का दो सत्रों में इंटर्नशिप कार्यक्रम कराया जाता है। मानव अधिकार आयोग के पूर्व सदस्य सरबजीत सिंह ने ह्यूमन राइट्स के संदर्भ में पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रशिक्षण दिया। आयोग के उप पुलिस अधीक्षक राजेश गुरु ने आयोग की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। शोध अधिकारी संजय कुमार विश्वकर्मा ने कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का भ्रमण एवं अध्ययन कराया।

फैकल्टी अनुशासनहीनता, महिला प्राध्यापक के उत्पीड़न और हथियार लहराने की घटनाओं का किया विरोध

आरजीपीवी में अभाविप का 4 घंटे तक चला जोरदार प्रदर्शन

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अभाविप राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी परिसर में 4 घंटे तक जोरदार प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन विश्वविद्यालय परिसर में लगातार हो रही गंभीर घटनाओं के विरोध में था, जिनमें महिला गेस्ट फैकल्टी के साथ दुर्व्यवहार, फैकल्टी सदस्यों द्वारा अनुशासनहीनता और परिसर में पिस्टल जैसे हथियार लहराने की घटनाएं शामिल हैं। परिषद ने इन घटनाओं को न केवल छात्र-शिक्षक संबंधों के लिए खतरा बताया, बल्कि विश्वविद्यालय की गरिमा पर सीधा आघात भी करार दिया।

अभाविप के विरोध के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन हरकत में आया और सह प्राध्यापक डॉ. मनीष अहिरवार एवं श्री उदय चौरसिया से स्पष्टीकरण माँगा गया है। ज्ञात हो कि उदय चौरसिया द्वारा एक साथ दो डिग्रियाँ करने के मामले में भी अब विश्वविद्यालय द्वारा जांच शुरू की जा रही है। साथ ही ढ्ढञ्ज द्वारा थाना गांधी नगर को भेजे गए आधिकारिक पत्र में यह पुष्टि की गई है कि डॉ. मनीष अहिरवार द्वारा परिसर में पिस्टल लाया गया था, जो अत्यंत गंभीर अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है। इन घटनाओं को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने 15 जुलाई को एक आदेश जारी कर 121वीं कार्यपरिषद की आपात बैठक 17 जुलाई को दोपहर 3 बजे आयोजित करने की घोषणा की है। इस बैठक में हालिया घटनाओं पर विचार-विमर्श कर आवश्यक अनुशासनात्मक निर्णय लिए जाने की संभावना है। अभाविप का कहना है कि यह बैठक स्वयं परिषद के संघर्ष और आवाज़ का परिणाम है। अभाविप के महानगर मंत्री शिवम् जाट ने कहा कि कार्यपरिषद की यह बैठक परिषद की मांगों और छात्रों की आवाज़ का नतीजा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि बैठक में दोषियों के खिलाफ ठोस और निर्णायक कार्रवाई की जाएगी, अन्यथा अभाविप आंदोलन को और अधिक तेज करेगी। वहीं, प्रांत सह मंत्री हिमांशु शर्मा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जब घटनाएं और प्रमाण दोनों सामने हैं, तो केवल बैठक से कुछ नहीं होगा, बल्कि ठोस परिणाम सामने आने चाहिए। अभाविप तब तक शांत नहीं बैठेगी जब तक कार्रवाई नहीं होती। परिषद ने यह चेतावनी भी दी है कि यदि कार्यपरिषद की बैठक में दोषियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को प्रदेशव्यापी स्तर पर विस्तारित किया जाएगा। अभाविप का स्पष्ट कहना है कि वह विश्वविद्यालयों को डर, शोषण और सत्ता के दुरुपयोग से मुक्त कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

शिव तत्व विचार

श्रावण मास में शिवजी के दर्शन करते समय एक बात और सीखने योग्य है। शिवजी के जीवन में विलास नहीं है-संन्यास है, भोग नहीं है-योग है क्योंकि भगवान शिव के चित्त में काम नहीं, राम है। शिवजी ने कामदेव को भी भस्म किया है अर्थात् अपनी विषय प्रिय इंद्रियों का दमन किया है। विषय विष से भी अधिक घातक होते हैं। विष शरीर को मारता है और विषय आत्मा तक को दूषित कर देते हैं। विष खाने से केवल एक जन्म, एक शरीर नष्ट होता है, लेकिन विषय का चस्का लग जाने पर तो जन्म-जन्मान्तर नष्ट हो जाते हैं। संयमपूर्ण जीवन जीने से आयु भी बढ़ती है और योग के साथ रहने से चित्त भी प्रसन्न रहता है। विषय आयु को तो नष्ट करता ही है साथ ही चित्त में अशांति और भोगों को पुनः प्राप्त करने की इच्छा भी उत्पन्न करता है। भोग ही रोग को जन्म देते हैं इसलिए भगवान शिव का पावन चरित्र हमें भोगी बनकर नहीं, योगी बनकर जीने की सीख प्रदान करता है। आज का दिन शुभ मंगलमय हो।

राष्ट्रीय संघर्ष समिति ने रखी बैठक, प्रधानमंत्री एवं सरसंघचालक से पेंशनरों ने लगाई गुहार

संत हिरदाराम नगर। पेंशनरों द्वारा 4 एवं 5 अगस्त को राष्ट्व्यापी धरना प्रदर्शन आंदोलन जंतर मंतर नई दिल्ली में होने जा रहा है। इसको लेकर संत हिरदाराम नगर में राष्ट्रीय संघर्ष समिति द्वारा बैठक आयोजित की गई और मध्यप्रदेश से अधिकर से अधिक संख्या में पेंशनरों को शामिल होने के लिए कहा गया। ताकि केंद्र सरकार द्वारा तत्काल उक्त चार सूत्रीय मांगों का निराकरण किया जा सके। समिति के लोगों ने बताया कि प्रधानमंत्री एवं सरसंघचालक मोहन भागवत को पत्र के द्वारा पेंशनरों द्वारा चार सूत्रीय मांगो के निराकरण के लिए गुहार की गई। इस अवसर पर राष्ट्रीय संघर्ष समिति भोपाल के प्रदेश समन्वयक आर. ए. धारकर ने कहा कि राष्ट्रीय संघर्ष समिति गत कई वर्षो से निम्न चार सूत्रीय मांगों के निराकरण आंदोलन कर रही है जिसमें पहला न्यूनतम पेंशन 7500 एवं महंगाई भत्ता, दूसरा पेंशन धारक पति-पत्नी को निःशुल्क अच्छी चिकित्सा उपलब्ध कराई जाए, तीसरा माननीय सर्वाच्च न्यायालय के आदेशानुसार उच्च पेंशन का पेंशनर्स को बिना किसी भेदभाव के दिया जाए और चौथा 1995 के पूर्व सेवानिवृत पेंशनरों को सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए उन्हें भी रूपए 5000 हर महीने पेंशन दी जाए। उपरोक्त मांगों के निराकरण के लिए प्रधानमंत्री, श्रममंत्री, वित्तमंत्री एवं सांसदों से चर्चा कर यह अवगत कराया गया कि महंगाई के इस दौर में पेंशनरों को सिर्फ रूपए 200 से लेकर रूपए 2500 पेंशन मिल रही है पेंशनारों द्वारा अपने सेवा काल में अपने वेतन से नियम अनुसार पेंशन फंड में अंशदान भी जमा किया गया है ताकि वृद्धावस्था में उन्हें अपना जीवन यापन करने के लिए अच्छी पेंशन मिल सके इतनी कम पेंशन में दो वृद्ध जनों का गुजारा होना असंभव है धन अभाव के कारण वृद्धजन अपनी गंभीर बीमारियों का इलाज करवाने में असमर्थ है और वह स्वर्गवासी होते जा रहे है जिससे पेंशनरों में आक्रोश व्याप्त है।

परिवर्तन यात्रा के समापन पर महिला किसानों की भागीदारी को सराहा

नई तकनीक से कृषि में आएगा क्रांतिकारी परिवर्तन : मंत्री कृष्णा गौर

भोपाल। नई तकनीकें न केवल समय की बचत करती हैं, बल्कि जीवन को सरल और समृद्ध भी बनाती हैं। मंगलवार को पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर एक निजी उपकरण कंपनी द्वारा संचालित %परिवर्तन यात्रा% के समापन अवसर पर निवास कार्यालय, भोपाल में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि मशीनीकरण अब कृषि का अभिन्न अंग बन चुका है, जो किसानों की उत्पादकता बढ़ाने और उनकी जीवनशैली को बेहतर बनाने में सहायक है। उन्होंने विशेष रूप से महिला किसानों की सराहना करते हुए कहा कि आज वे भी आधुनिक मशीनों को अपनाकर खेती को आसान और सशक्त बना रही हैं। पावर टूल्स और कृषि उपकरणों की निर्माता कंपनी ने परिवर्तन यात्रा के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीकी जागरूकता फैलाने और कृषि के आधुनिकीकरण में अहम योगदान दिया है। परिवर्तन यात्रा के तहत 5100 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करते हुए 35 जिलों में 1500 से अधिक किसानों से सीधा संवाद किया गया। इस पहल ने किसानों में नई तकनीकों को लेकर विश्वास और उत्साह उत्पन्न किया है। कार्यक्रम में भोपाल के पूर्व सांसद श्री आलोक संजर, उपकरण निर्माता कंपनी के एमपी एएसएम श्री अनीमेश वाघेला, एवं भोपाल के अधिकृत डीलर भी उपस्थित रहे। राज्यमंत्री ने कंपनी को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि ऐसे प्रयास किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएंगे और प्रदेश को तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बनाएंगे।

प्लास्टिक सर्जरी केवल सौंदर्य बढ़ाने तक ही सीमित नहीं, गंभीर बीमारियों में भी आशा की किरण

गांधी चिकित्सा महाविद्यालय के बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग में विश्व प्लास्टिक सर्जरी दिवस मनाया

भोपाल। प्लास्टिक सर्जरी न केवल सौंदर्य वृद्धि तक सीमित है बल्कि यह उन मरीजों के लिए आशा की किरण है जो गंभीर चोटों जलने या कैंसर जैसी स्थितियों से जूझ रहे हैं। यह बात राजधानी भोपाल स्थित गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में मंगलवार को प्लास्टिक सर्जरी दिवस के अवसर पर आयोजित प्लास्टिक सर्जरी जागरूकता कार्यक्रम में जीएमसी के डीन डॉ. कविता एन सिंह ने कही। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन में प्लास्टिक सर्जरी की भूमिका को लेकर जागरूकता फैलाना था। यह कार्यक्रम बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी विभाग द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर की मुख्य अतिथि रहीं डॉ. कविता एन. सिंह डीन ने विभाग के प्रयासों की सराहना की और इसे मरीजों के प्रति समर्पण का प्रतीक बताया। कार्यक्रम के संयोजक अध्यक्ष डॉ. अरुण भटनागर विभागाध्यक्ष बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी जिन्होंने प्लास्टिक सर्जरी के विभिन्न पहलुओं जैसे कि माइक्रो सर्जरी जन्मजात विकृतियों का सुधार कैंसर के बाद पुनर्निर्माण और हाथ की सर्जरी पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान फैकल्टी रेजिडेंट डॉक्टर और छात्रों ने जागरूकता सत्र लाइव सर्जरी केस डिस्कशन और मरीजों की सफलता की कहानियों को साझा किया। पोस्टर विजुअल डिस्प्ले और इंटरएक्टिव सत्रों के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि प्लास्टिक सर्जरी केवल सौंदर्य से संबंधित नहीं है बल्कि यह जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रम का समापन एक प्रश्नोत्तर सत्र और यह संकल्प के साथ हुआ कि प्लास्टिक सर्जरी के क्षेत्र में नवाचार शिक्षा और सहानुभूति के साथ कार्य करते रहेंगे। डॉ. आनंद गौतम और डॉ. हरिशंकर ने भी प्लास्टिक सर्जरी को लेकर जानकारी दी। डॉ. आनंद गौतम ने बताया, हमारे यहां कटे हुए हाथ से लेकर शरीर से अलग हुए हिस्सों को जोड़ने की भी सर्जरी हो रही है। यह सर्जरी प्रदेश के सरकारी अस्पताल में सिर्फ हमीदिया अस्पताल में उपलब्ध है। उन्होने बताया कि बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग में कैंसर सर्जरी में जो मास, हड्डी, चमड़ी को निकाल दिया जाता है। उसकी जगह में दोबारा मांस, चमड़ी और हड्डी का काम भी किया जाता है। डॉ. हरिशंकर ने बताया किबताया, चोट के दौरान चेहरे व जबड़े की हड्डियां टूटती हैं, उनको जोड़ने के लिए प्लेट और स्क्रू भी विभाग में लगाए जाते हैं। इसके अलावा, यहां कॉस्मेटिक सर्जरी में ब्रेस्ट इंप्लांट लगाने का काम व कैंसर के बाद ब्रेस्ट निकालने के बाद नया ब्रेस्ट बनाने का काम भी प्लास्टिक सर्जरी विभाग में किया जाता है।

कॉलेजों में शुरू हुआ प्रवेश, अभी भी 3 लाख से ज्यादा सीटें खाली,अब सीएलसी राउंड से उम्मीद

भोपाल। मध्य प्रदेश की सरकारी और निजी कॉलेजों में स्नातक (यूजी) की प्रवेश प्रक्रिया 15 मई से शुरू की गई है, लेकिन प्रदेश के कॉलेज में अभी भी मजह 2.15 लाख प्रवेश हुए हैं, जबकि 3.4 लाख सीटें खाली हैं। प्रवेश प्रक्रिया के सभी राउंड समाप्त हो चुके हैं। स्थिति को देखते हुए उच्च शिक्षा विभाग अब अतिरिक्त चरण सीएलसी राउंड शुरू कर रहा है। हालांकि 15 मई से जब प्रवेश प्रक्रिया शुरू की गई थी उस दौरान कहा गया था कि इस वर्ष कोई अतिरिक्त राउंड नहीं किया जाएगा। लेकिन कॉलेज के खराब स्थिति को देखते हुए उच्च शिक्षा विभाग ने अब यह निर्णय लिया है। सीटों को भरने के लिए 16 से 31 जुलाई तक अतिरिक्त सीएलसी राउंड आयोजित किया जा रहा है। 16 जुलाई से प्रतिदिन प्रवेश पोर्टल पर महाविद्यालयवार रिक्त सीटों का प्रदर्शन किया जायेगा। विद्यार्थी सीधे महाविद्यालय में उपस्थित होकर प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे। विद्यार्थी 16 जुलाई से प्रतिदिन अपराह्न 3 बजे तक पंजीयन/विकल्प चयन कर सकेंगे, इसके बाद हेल्प सेंटर द्वारा शाम 4 बजे तक सत्यापन के बाद 5 बजे मेरिट जारी की जाएगी। इसके 24 घंटे में विद्यार्थियों को प्रवेश शुल्क जमा करना होगा। विद्यार्थियों को निर्धारित अवधि में प्रवेश शुल्क जमा न करने की दशा में, पुनः री चॉइस करनी होगी। एनसीटीई कोर्स (बीएड, एमएड, बीपीएड, एमपीएड, बीएड एमएड (एकीकृत तीन वर्षीय) एवं बीएलएड तथा बीएड (अंशकालीन तीन वर्षीय) संचालित करने वाले शासकीय अशासकीय महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए भी अतिरिक्त चरण की समय सारणी जारी की है।

स्वाद,परंपरा और संस्कृति की थीम पर आयोजित होगा सिन्धी मेला समिति का कुकिंग कॉम्पीटिशन

भोपाल। भारतीय सिंधु सभा और सिंधी मेला समिति हर साल करती है उन प्रतिभाओं का सम्मान जिन्होंने शिक्षा,खेल,कला,या किसी अन्य क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियां प्राप्त कर समाज को गौरव बढ़ाया है।यह सिर्फ भोपाल ही नहीं बल्कि पूरे मध्य प्रदेश से समाज के लोग हिस्सा लेते हैं।

सिंधी व्यंजन की परंपरा को बरकरार रखने के उद्देश्य से राजधानी भोपाल की सबसे बड़ी अग्रणी संस्था सिन्धी मेला समिति द्वारा भोपाल के 21 से अधिक सेंटरों पर कुकिंग कंपटीशन का आयोजन करने जा रही है इस आयोजन की तैयारी को लेकर रविवार को ईदगाह हिल्स स्थित कबीर की कुटिया में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में सिंधी मेला समिति के समस्त पदाधिकारी एवं सिंधी समाज के गणमान्य लोगों ने भाग लिया इस बैठक को संबोधित करते हुए सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष श्री मनीष दरयानी एवं महासचिव नरेश तलरेजा ने बताया सिंधी मेला समिति समाज के हर वर्ग के लिए हर तरह के सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन करती आ रही है और इसी परंपरा को आगे बढ़ते हुए भोपाल की महिलाओं की स्पर्धा की कुकिंग कंपटीशन होने जा रहा है इस वर्ष इस आयोजन का 17वा साल है। इस प्रतियोगिता में चयनित महिलाओं को 2अगस्त मानस भवन में मुख्य समारोह आयोजित कर बेस्ट कुकिंग अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा और सभी को पुरस्कार वितरण किया जाएगा। इसी के साथ भारतीय सिंधु सभा और सिंधी मेला समिति हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी प्रतिभा शालीन बच्चों का पुरस्कार वितरण समारोह 17 अगस्त को रविंद्र भवन में करेगी।

इस बैठक में अध्यक्ष मनीष दरयानी और महासचिव नरेश तलरेजा के साथ कन्हैयालाल दलवानी, घनश्याम पंजवानी, कार्यक्रम के संयोजिका माया पंजवानी, सहसंयोजीका भावना ललवानी ,सहसंयोजक हरीश विधानी के साथ सीमा सबनानी,सरला दलवानी ,शकुन देवराखियानी और भी समाज के गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। संत हिरदाराम नगर, संत कंवर राम कॉलोनी ,सिंधी कॉलोनी टीलारामपुरा, बावड़िया कला पंचवटी ,विजय नगर ,गांधीनगर ईदगाह हिल्स , चुनाभट्टी,कोटरा सुल्तानाबाद , शक्ति नगर सहित यह आयोजन भोपाल के साथनर्मदा पुरम संभाग के विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया जाएगा।

हरित भविष्य की ओर बढ़ते कदम, प्लास्टिक मुक्त भारत के लिए औषधीय पौधरोपण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कुंजल वेलफेयर सोसाइटी और विश्व युवक केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में द ओरिएंटल स्कूल में प्लास्टिक के विकल्पों पर किया जागरुक

भोपाल। प्लास्टिक प्रदूषण एक गंभीर वैश्विक समस्या है जो पर्यावरण, वन्य जीवों और मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा है। इसी खतरे को गहराई से महसूस करते हुए कुंजल वेलफेयर सोसाइटी और विश्व युवक केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में द ओरिएंटल स्कूल में प्लास्टिक के विकल्पों पर एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में स्कूल के सैकड़ों छात्रों ने भाग लिया, जिसमें उन्हें प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों और विकल्पों के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना के साथ हुई, जिसके बाद अतिथियों का स्वागत किया गया। छात्रों ने हरित पहलुओं पर आधारित गीत और नृत्य प्रस्तुत किए, जिससे कार्यक्रम का माहौल और भी आकर्षक हो गया। प्राचार्या श्रीमती सपना ए. अहाले ने अतिथियों का स्वागत किया और निदेशक प्रभा गौर ने उन्हें मोमेंटो देकर सम्मानित किया। सपना अहाले ने अपने उद्बोधन में संस्था के कार्यों की प्रशंसा की और प्लास्टिक के विकल्पों पर तेजी से कार्य करने पर बल दिया। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों को अपने व्यक्तिगत जीवन में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग ना करने की सलाह दी।

कार्यक्रम में प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों पर आधारित एक लघु फिल्म दिखाई गई, जिसमें प्लास्टिक के दुष्प्रभावों को विस्तार से दिखाया गया। विशेषज्ञ ने छात्रों के साथ प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया, जिसमें छात्रों ने अपने सवाल पूछे और विशेषज्ञ ने उनके सवालों का जवाब दिया। प्लास्टिक प्रदूषण के समाधान और विकल्पों पर आधारित दूसरी लघु फिल्म में प्लास्टिक के विकल्पों के बारे में बताया गया। खुली चर्चा में छात्र-छात्राओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया और उन्होंने प्लास्टिक के उपलब्ध आसान विकल्पों के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने पन्नी के स्थान पर कपड़े/जूट/पेपर बैग, प्लास्टिक बोतल की जगह स्टील की बोतल, सिंगल यूज प्लास्टिक कटलरी की जगह स्टील या अन्य धातु के बर्तन का समर्थन किया। विशेषज्ञ ने पर्यावरण संरक्षण और नो टू सिंगल यूज प्लास्टिक की शपथ दिलाई। कार्यक्रम के दौरान आंवला, हड़, बहेड़ा, अर्जुन, अमलतास, पलाश, हरसिंगार, कचनार, नीम, पीपल, सहजन आदि जैसे विभिन्न प्रजातियों का एक औषधीय उद्यान तैयार किया गया। पर्यावरणविद् एवं जल विशेषज्ञ श्री शैलेश कुमार ने लगाए गए पौधों के औषधीय गुणों के बारे में बताया, जिससे छात्रों को इन पौधों के महत्व के बारे में पता चला। इस दौरान सैकड़ों पौधे रोपित किए गए और अन्य वितरित किए गए।

विश्व पर्यावरण दिवस 2025 अभियान के अंतर्गत कुंजल वेलफेयर सोसाइटी और विश्व युवक केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ जागरूकता बढ़ाना और स्थायी समाधानों को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम के परिणामस्वरूप छात्रों को फिल्म के माध्यम से प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों और विकल्पों के बारे में जागरूक किया गया। छात्रों ने विशेषज्ञ की निगरानी में औषधीय पौधों का रोपण किया। कार्यक्रम अतिथियों की गरिमामय उपस्थिति में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ जिसमें रितु सेन, स्वाति राव, उर्मिला खातरकर, नेहा गुप्ता, मोनिका राठौर, शाद अली खान, मनीष श्रीवास्तव, प्रियल, अनुभूति, श्रद्धा, मानसी, तनु, प्रीती, अंजली वनवासी सहयोगी रहे।

एक जिला-एक उत्पाद: मध्यप्रदेश को मिला रजत पदक

मप्र के उत्पादों को मिला वैश्विक बाजार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में एक जिला-एक उत्पाद योजना के अंतर्गत प्रदेश के उत्पादों की वैश्विक बाजारों में उपस्थिति दर्ज हो रही है। मध्यप्रदेश ने अपनी विशिष्टता और योजनाओं के उत्कृष्ट क्रियान्वयन का प्रमाण प्रस्तुत करते हुए एक जिला एक उत्पाद पुरस्कार 2024 में राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश श्रेणी में रजत पुरस्कार प्राप्त किया। नई दिल्ली स्थित प्रतिष्ठित भारत मंडपम में एक भव्य समारोह में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने पुरस्कार प्रदान किया। यह पुरस्कार राज्य में एक जिला एक उत्पाद योजना के प्रभावशाली क्रियान्वयन, स्थानीय उत्पादों के ब्रांड निर्माण, रोजगार सृजन, और ग्रामीण व शहरी उद्यमिता को बढ़ावा देने के प्रयासों को मान्यता देने के लिए प्रदान किया गया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता और भारत सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों एवं विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि भी इस अवसर पर उपस्थित थे। मध्यप्रदेश की ओर से यह प्रतिष्ठित पुरस्कार उद्योग विभाग, वाणिज्य एवं निवेश प्रोत्साहन नीति विभाग की उप सचिव, श्रीमती रूही खान ने प्राप्त किया। एक जिला-एक उत्पाद योजना में म.प्र. के उत्पादों को वैश्विक बाजार मिल रहा है। प्रदेश स्थानीय से ग्लोबल की ओर बढ़ रहा है। स्थानीय स्तर पर निर्यातकों का बड़ा समूह तैयार हो रहा है। कई उत्पादों को जी.आई. टैग मिला है जिसमें इन उत्पादों की वैश्विक मांग बढ़ी है। हस्तशिल्प एवं कृषि और खाद्य उत्पादों की पहचान बढ़ने के साथ कारीगरों और निर्माताओं के जीवन स्तर में भी सुधार हो रहा है।

ओडीओपी योजना में विशेष उत्पादों को उनके भौगोलिक, जैविकीय, प्राकृतिक या उत्पादन की विशेषताओं के कारण शामिल किया गया है। सभी जिलों में ओडीओपी योजना संचालित है, जिनमें हरी सब्जी, मोटे अनाज, क्राफ्टकला हथकरघा, हस्तशिल्प, उपकरण शामिल है। स्थानीय कलाकारों और उत्पादों को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। अलग-अलग जिलों के 19 विशिष्ट उत्पादों को अब तक जीओ-ग्राफिकल इंडीकेशन्स (जीआई) टैग प्रदान किये गये है। इसमें चंदेरी साड़ी, बाग प्रिंट, नागपुरी संतरा, रतलामी सेंव, कड़कनाथ मुर्गा, चित्रौर चावल, बुटिक प्रिंट, स्टोन क्राफ्ट, लेदर टॉय, बेल मेटल वेअर, महेश्वरी साड़ी, महोबा देशवारी पान, मुरैना गजक, सुंदरजा आम, शरबती गेहूँ, गोंड पेंटिंग, रॉट आयरन क्राफ्ट, हेन्डमेड कारपेट, वारासिवनी की हेंडलूम साड़ी शामिल है। इनमें से 7 उत्पाद ओडीओपी योजना में भी शामिल है। मध्यप्रदेश ने ÷एक जिला-एक उत्पाद÷ के अंतर्गत विश्व के प्रमुख बाजारों में अपनी पहचान बनाई है। वैश्विक बाजार तक पहुँचाने की दिशा में ठोस कदम भी उठाए हैं। राज्य के विभिन्न जिलों के उत्पादों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है। बुरहानपुर के उच्च गुणवत्ता वाले केले, रायसेन का सुगंधित बासमती चावल, और बालाघाट का प्रसिद्ध चिनौर चावल इन उत्पादों में प्रमुख हैं। मध्यप्रदेश के उत्पादों की पहचान अब सीमित नहीं रही, बल्कि ये राज्य की आर्थिक प्रगति, रोजगार अवसरों और निर्यात क्षमता को मजबूती दे रहे हैं।

एक जिला-एक उत्पाद योजना अब एक जनभागीदारी आधारित आंदोलन बन चुकी है। इसमें कारीगरों, महिला समूहों, एफपीओ, स्टार्टअप्स और स्थानीय उद्यमियों की सक्रिय भूमिका रही है। राज्य सरकार ने एक जिला-एक जिला उत्पाद को स्थानीय से वैश्विक बनाने की दिशा में अनेक कदम उठाए हैं। उत्पाद आधारित प्रशिक्षण, ब्रांडिंग और पैकेजिंग सुधार, डिजिटलीकरण और निर्यात को प्रोत्साहित करने हेतु लॉजिस्टिक सहयोग भी राज्य शासन द्वारा दिया जा रहा है।मध्यप्रदेश न केवल संस्कृति और शिल्प की धरती है, बल्कि एक उभरता हुआ औद्योगिक और निर्यातक राज्य भी है। मध्यप्रदेश सरकार की यह उपलब्धि ÷स्थानीय हाथों से वैश्विक मंच तक÷ की परिकल्पना को साकार कर रही है और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक सशक्त कदम है। प्रदेश में इतने विविध उत्पाद हैं जिन्हें विश्व स्तर पर ले जा सकते हैं। ÷एक जिला, एक उत्पाद÷ एक अनूठी पहल है और किसी अन्य देश में ऐसा नहीं है। प्रत्येक जिले की अपनी अलग विरासत है। उत्पादों की ब्रांडिंग और गुणवत्ता पर काम किया जा रहा है। पैकेजिंग और ब्रांडिंग में सुधार किया जा रहा है ताकि उत्पादों को उनकी उच्च गुणवत्ता के लिए दुनिया भर में सम्मान मिले। ओडीओपी पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद करेगा।ओडीओपी उत्पादों को आगे बढ़ाने के तरीके सीखने और अनुकरण करने में मदद के लिए एक सर्वोत्तम प्रथाओं का संग्रह तैयार किया गया है। केंद्र, सरकार ने 750 से अधिक जिलों से 1,200 से अधिक अनूठे उत्पादों की पहचान की है, जो कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, हथकरघा, हस्तशिल्प आदि क्षेत्रों में हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य मूल्य संवर्धन, विपणन को बढ़ावा देना और स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजारों से जोड़ना है।

सिंगापुर, न्यूयॉर्क, वैंकूवर, मिलान, कुवैत, बहरीन और जापान में ओडीओपी वॉल्स स्थापित किए गए हैं। ओडीओपी उत्पाद अब सिंगापुर के मुस्तफा सेंटर और सेंटर पॉइंट मॉल जैसे खुदरा दुकानों पर उपलब्ध हैं। ओडीओपी पुरस्कारों के लिए 1 अप्रैल से 11 जून 2024 के बीच राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल के माध्यम से कुल 641 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें जिलों से 587, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से 31 और विदेशों में भारतीय मिशनों से 23 प्रविष्टियां शामिल थीं।

विधानसभा अध्यक्ष तोमर से एमपीसीडीएफ के प्रबंध संचालक डॉ. गोवाणी ने की भेंट

सहकारी दुग्ध संघों की प्रगति और योजनाओं से कराया अवगत

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

एमपी स्टेट कोआपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड (एमपीसीडीएफ) भोपाल के प्रबंध संचालक डॉ. संजय गोवाणी ने मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर से सौजन्य भेंट कर पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया।

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड द्वारा एमपीसीडीएफ एवं दुग्ध संघों का प्रबंधन एवं संचालन हाथ में लेने के बाद माननीय अध्यक्ष मध्यप्रदेश विधानसभा को एमपीसीडीएफ एवं संबद्ध दुग्ध संघों की योजनाओं और प्रगति से अवगत कराया गया कि दुग्ध उत्पादकों को दूध मूल्य का भुगतान महीने की 5 तारीख, 15 तारीख और 25 तारीख को निर्धारित किया गया। सांची ब्राण्ड की विश्वसनीयता को बनाये रखने के लिये ग्वालियर तथा जबलपुर दुग्ध संघों के दुग्ध उत्पादकों की लंबित राशियों का भुगतान किया गया। इसके परिणाम स्वरूप ग्वालियर दुग्ध संघ और जबलपुर दुग्ध संघ का दुग्ध संकलन बढा है। अब तक 628 नई दुग्ध सहकारी समितियों का गठन किया गया जिनके माध्यम से लगभग 15000 दुग्ध उत्पादको को सहकारी डेयरी प्रणाली से जोड़ा गया। एमपीसीडीएफ तथा सहकारी दुग्ध संघों की गतिविधियों के एण्ड टू एण्ड डिजीटाईजेशन की ओर कदम बढ़ाते हुए दुग्ध संघों में ईआरपी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इससे रीयल-टाइम डेटा विश्लेषण और निर्णय लेने की क्षमता में वृद्धि होगी।

दुग्ध संकलन हेतु इंदौर दुग्ध संघ से मोबाइल एप प्रारंभ किया गया है जिसके माध्यम से दुग्ध उत्पादकों को उनके द्वारा प्रदाय किये गये दूध की मात्रा, गुणवत्ता तथा मूल्य की जानकारी तत्काल प्राप्त हो सकेगी। इससे भुगतान प्रक्रिया भी तेज ओर पारदर्शी होगी एवं दुग्ध संकलन प्रक्रिया अधिक सुव्यवस्थित तथा प्रभावी बनेगी।

अधिकारी-कर्मचारियों के लिए राहत भरी खबर

सामान्य भविष्य निधि खाते के वार्षिक लेखा विवरण अब देख सकेंगे ऑनलाइन

भोपाल। मध्य प्रदेश के अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए महत्वपूर्ण खबर है। महालेखाकार कार्यालय ग्वालियर द्वारा वर्ष 2024-25 के सामान्य भविष्य निधि खाते के वार्षिक लेखा विवरण अब ऑनलाईन उपलब्ध करा दिए गए हैं। ऐसे में अधिकारी कर्मचारियों को राहत मिलेगी। अधिकारी कर्मचारियों अपना जीपीएफ स्टेटमेंट आसानी से वेबसाइट से डाउनलोड कर सकेंगे। जिससे ना केवल पारदर्शिता बढ़ेगी बल्कि समय की भी बचत होगी। शासकीय सेवक अब अपने जीएफ जानकारी आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर डाउनलोड कर सकेंगे। इसमें सीरीज, खाता क्रमांक और पासवर्ड की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इन विवरण को भरकर वार्षिक लेखा विवरण सीधे डाउनलोड किया जा सकेगा। अगर जीपीएफ विवरण में किसी प्रकार की विसंगति या त्रुटि पाई जाती है तो कर्मचारी ऑनलाइन शिकायत निवारण प्रणाली का उपयोग कर सकते हैं। शिकायत दर्ज करने के लिए उन्हें ऑफिशल वेबसाइट पर जाना होगा। साथ ही अकाउंट जनरल टाइप पर क्लिक करना होगा। फिर ऑनलाइन सर्विस/रजिस्ट्रेशन ग्रीवेंस का विकल्प चुनना होगा।वहां पर अपनी जानकारी दर्ज करने और संबंधित दस्तावेज को अपलोड करने के साथ एक महीने के भीतर उनके समस्या का निराकरण कर दिया जाएगा। महालेखाकार स्वयं इसका निरीक्षण करेंगे। इसके लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया गया है। कर्मचारी अपनी शिकायत की समस्या के लिए लैंडलाइन नंबर 0751 - 2432457 पर कॉल कर सकते हैं। इसके अलावा व्हाट्सएप नंबर 8827409410 पर कॉल किया जा सकता है। वही इस डिजिटल पहल के कई लाभ भी हैं। इससे पारदर्शिता में वृद्धि होगी। कागजी कार्रवाई से मुक्ति मिलेगी। शिकायत निवारण की तेज प्रक्रिया से कर्मचारियों को राहत मिलेगी। कर्मचारियों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाया जाएगा। समय और संसाधन की भी बचत होगी।

किसी प्रकार की विसंगति या त्रुटि पाई जाती है तो कर्मचारी ऑनलाइन शिकायत निवारण प्रणाली का उपयोग कर सकते हैं

कर्मकार मंडल के श्रमिकों को बेहतर सूचनाएं प्राप्त हो: पटेल

पंचायत मंत्री ने की पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग सहित अन्य विभागों की समीक्षा

भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने बड़वानी जिले के सेंधवा के नगरपालिका भवन में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की विभागीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, जल गंगा संवर्धन अभियान, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छता अभियान, वाटर शेड, श्रम विभाग, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन, श्रमोदय विद्यालय, पोषण शक्ति अभियान, आजीविका मिशन सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत सीईओ ने जलगंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत डगवेल रिचार्ज संरचनाएँ, कपिल धारा कूप निर्माण, मेढ़बंधान ,पशु शेड एवं बकरी शेड निर्माण आदि के संबंध में जानकारी दी।

गोई एवं डेब नदियों के उद्गम स्थल पर भी वृक्षारोपण के कार्य की जानकारी दी। साथ ही आगामी दिनों में शुरू हो रहे एक बगिया माँ के नाम परियोजना के संबंध में भी बताया। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि यह परियोजना महिलाओं के रोजगार उन्मुखीकरण को लेकर प्रदेश सरकार की एक नवीन पहल है। जरूरी है कि सकारात्मक एवं जन उपयोगी परिणाम आये। बैठक के दौरान बताया गया कि 30 ट्राइबल हीलर को आयुष विभाग के माध्यम से आयुष वाटिका भी लगाई जा रही हैं। श्रम विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि कर्मकार मण्डल के श्रमिकों को बेहतर सूचनाएं प्राप्त हो। बैठक में सांसद श्री गजेन्द्र सिंह पटेल, विधायक श्री श्याम बरडे, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री बलवन्त सिंह पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मंत्री प्रहलाद पटेल ने किया पंच-सरपंच से संवाद

भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने मंगलवार बड़वानी जिले के सेंधवा में स्थित लाइन्स कान्वेंट स्कूल के मीटिंग हॉल में पंच सरपंच संवाद कार्यक्रम में क्षेत्र के पंच एवं सरपंचों से संवाद किया। मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा पंचायती राज व्यवस्था न केवल ग्रामीण विकास के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह एक ऐसी प्रणाली है जो भारतीय लोकतंत्र को और अधिक मजबूत और प्रभावी बनाती है। यह स्थानीय स्तर पर शासन की गुणवत्ता को बढ़ाता है, लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करता है और समाज के कमजोर वर्गों को अपनी आवाज़ उठाने का अवसर प्रदान करता है। पंचायती राज का महत्व देश के समग्र विकास में महत्वपूर्ण है। मंत्री पटेल ने कहा कि ग्रामीण विकास के अपने पैमाने हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना भारत सरकार की एक महत्वाकांयोजना है, जिसका उद्देश्य ग्राम स्तरों तक सड़क पहुँच सुनिश्चित करना है। मंत्री पटेल ने कहा कि पंचायतों में सामुदायिकता का भाव होना चाहिए और पंचायतों के लिए पाँच वर्ष के लिए कौन-से कार्य करना है यह सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि तालाब, सड़क, बांध बनाने के लिए तकनीकी को ध्यान में रखकर बनाया जाए। पंचायतों में बेहतर रिकॉर्ड रखने का कार्य दूसरी संस्था नहीं कर सकती है। मंत्री पटेल ने कहा कि नये पंचायत भवन 3 मंजिला बनाये जा रहे हैं, जिसे ग्राम पंचायत द्वारा ही बनाया जाएगा। हर पंचायत के हैंडपंप का ऑडिट हो रहा है जहाँ भी हैण्डपम्प सूख गए हैं उसे हटाकर उनके स्थान पर रिचार्ज पिट का निर्माण किया जाएगा जिससे वर्षा का जल संग्रहित किया जा सके। मंत्री पटेल ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से ÷एक बगिया माँ के नाम'' परियोजना शुरू की जा रही है, जो कि मनरेगा के माध्यम से पूरे प्रदेश में संचालित की जाएगी। इस परियोजना के अंतर्गत स्व-सहायता समूहों की 30 हजार से अधिक पात्र महिलाओं की निजी भूमि पर 30 लाख से अधिक फलदार बागवानी पौधे लगाए जाएँगे। ये बगीचे उनकी आर्थिक समृद्धि का आधार बनेंगे। इस योजना के तहत, लाभार्थियों को पौधे, उर्वरक, गड्ढे खोदने के लिए श्रम सहायता, पौधों की सुरक्षा के लिए कंटीले तारों से बाड़ और सिंचाई के लिए पानी के टैंक उपलब्ध कराए जाएँगे। इसके अलावा, चयनित महिलाओं को बाग़ विकास का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इस दौरान सांसद गजेन्द्र सिंह पटेल, विधायक श्याम बरडे, जिला पंचायत अध्यक्ष बलवन्त सिंह पटेल, अजय यादव सहित जन-प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

शालाओं के बच्चों द्वारा पौधरोपण के मामले में बालाघाट प्रदेश में प्रथम

26 हजार 913 से अधिक पौधे लगाए गए

भोपाल। पर्यावरण संरक्षण के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक बनाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शालाओं में दर्ज छात्र-छात्राओं के माध्यम से एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत पौधे लगाने के निर्देश दिये गए हैं। शालाओं के बच्चों द्वारा पौधरोपण किए जाने के मामले में बालाघाट जिला मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान पर है। कलेक्टर श्री मृणाल मीणा के मार्गदर्शन में बालाघाट जिले में इस अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस अभियान में लगाए गए पौधो की सुरक्षा के साथ ही उनके फोटो माय लाइफ ऐप पर अपलोड करने के निर्देश दिये गए हैं। इस ऐप पर फोटो अपलोड करने के बाद विद्यालय के प्राचार्य द्वारा पौधे लगाने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किये जा रहे हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय ने बताया कि विभाग के निर्देशों के अनुरूप जिले की शालाओं में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं की सहभागिता से एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया जा रहा है। छात्र-छात्राओं द्वारा माँ के नाम पर शाला परिसर, अपने घर एवं खेतों में पौधे लगाए जा रहे हैं। बालाघाट जिले में 15 जुलाई तक इस अभियान के अंतर्गत 1255 शालाओं के छात्र-छात्राओं द्वारा 26 हजार 913 पौधे लगाये जा चुके है। इस ऐप पर दर्ज जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश में बालाघाट जिला शालाओं के बच्चों द्वारा पौधरोपण के मामले में प्रथम स्थान पर है, जबकि बैतूल जिला 1541 शालाओं के बच्चों द्वारा लगाए गए 25 हजार 324 पौधरोपण के साथ द्वितीय स्थान पर है।

इस अभियान के अंतर्गत बालाघाट जिले के स्कूलों में सेंट मेरी स्कूल बालाघाट प्रथम, सांदीपनि विद्यालय बोलेगांव द्वितीय और सांदीपनि विद्यालय कटंगी तृतीय स्थान पर है। शालाओं के बच्चों द्वारा एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत लगाये जा रहे पौधों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

पीएम किसान योजना सैचुरेशन के लिए शुरू होगा अभियान

भोपाल। आयुक्त भू-अभिलेख ने बताया है कि पीएम किसान योजनासैचुरेशन के लिये प्रदेश में अभियान चलाया जाएगा, जिसमें अधिक से अधिक किसानों से संपर्क कर सेचुरेशन से शेष रह गए किसानों से कार्यवाही पूर्ण कराई जाएगी और लाभ वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। अभियान के बेहतर संचालन के लिये तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है। प्रदेश में लगभग 5 लाख किसानों द्वारा ई-केवायसी एवं आधार बैंक खाता डीबीटी के लिये इनेवल करने की कार्यवाही कर ली गई है। योजना में 20 लाख से अधिक किसानों द्वारा फार्मर रजिस्ट्री बनाए जाने की कार्यवाही की जाना प्रस्तावित है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत पात्र कृषक परिवारों को वर्ष में कुल 6 हजार रूपये की राशि प्रदान की जा रही है। योजना की अनिवार्य कार्यवाही ई-केवायसी, आधार, बैंक खाता, डीबीटी केलिए इनेवल एवं फार्मर रजिस्ट्री जैसी अनिवार्य कार्यवाही पूर्ण करने के उपरांत ही हितग्राहियों को राशि प्राप्त होती है। योजना की 20वी किस्त का वितरण माह जुलाई 2025 में किया जाना प्रस्तावित है।

महंगी लग्जरी कार और बाइक से हो रही थी अवैध शराब की तस्करी

भोपाल। नजीराबाद और गुनगा थाना क्षेत्रों में पुलिस ने दो अलग अलग मामलों में अवैध शराब की तस्करी का भंडाफोड़ किया है। नजीराबाद में एक फोर्ड एंडेवर कार से 17 पेटी देशी शराब जब्त की गई, जबकि चालक मौके से फरार हो गया। भोपाल के ग्रामीण इलाकों में अवैध शराब की तस्करी रोकने के लिए पुलिस लगातार सक्रिय है, लेकिन तस्कर अब नए तरीके अपनाकर पुलिस को चकमा देने की कोशिश कर रहे हैं। ताजा मामला भोपाल के नजीराबाद और गुनगा थाना क्षेत्र से सामने आया है, जहां पुलिस ने दो अलग अलग कार्रवाइयों में महंगी लग्जरी कार और बाइक से की जा रही शराब तस्करी का खुलासा किया है। नजीराबाद थाना पुलिस ने सोमवार मंगलवार की रात मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए सफेद रंग की फोर्ड एंडेवर कार से 17 पेटी अवैध देशी शराब जब्त की है। थाना प्रभारी अरुण शर्मा के मुताबिक, यह वाहन ग्राम गूजरतोड़ी जोड़, नायसमंद के पास संदिग्ध अवस्था में खड़ा था। पुलिस के पहुंचते ही कार में बैठा व्यक्ति वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। कार की तलाशी में कुल 17 पेटियां देशी मदिरा मिलीं, जिसकी कीमत लगभग 69,700 रुपये आंकी गई है। पुलिस ने वाहन और शराब जब्त कर आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। फरार आरोपी की तलाश जारी है।

गुनगा में बाइक से ले जा रहे थे कच्ची शराब, दो युवक गिरफ्तार

वहीं दूसरी ओर गुनगा थाना पुलिस ने बाइक से कच्ची शराब की तस्करी कर रहे दो युवकों को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी हरिशंकर वर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पीपलखेड़ा रोड पर एक प्लेटिना मोटरसाइकिल को रोका, जिसमें पीछे दोनों ओर प्लास्टिक की बोरीयां बंधी हुई थीं। जांच करने पर बोरीयों में चार प्लास्टिक कैन में कुल 60 लीटर हाथ भट्टी से बनी कच्ची शराब पाई गई। आरोपियों के पास शराब ले जाने के कोई दस्तावेज नहीं थे। पूछताछ में दोनों आरोपियों की पहचान प्रदीप कंजर (21 वर्ष) और देवेन्द्र कंजर (23 वर्ष) के रूप में हुई है, जो ग्राम तरावली कलां, बिजोरी टपरा के निवासी हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया है। इन दोनों मामलों से साफ है कि अब तस्कर लग्जरी कार और दोपहिया वाहनों का इस्तेमाल कर ग्रामीण इलाकों में तस्करी को अंजाम दे रहे हैं, ताकि पुलिस को गुमराह किया जा सके। पुलिस ने इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित थानों में मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सभी विद्युत कंपनियों में अंशदायी कैशलेस स्वास्थ्य योजना स्वीकृत: ऊर्जा मंत्री तोमर

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि प्रदेश के सभी 6 विद्युत कंपनियों में अंशदायी कैशलेस स्वास्थ्य योजना स्वीकृत कर दी गई है। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी ने प्रदेश की समस्त विद्युत कंपनियों में कार्यरत अभियंता व कार्मिकों के लिए बहुप्रतीक्षित पॉवर कंपनी अंशदायी कैशलेस स्वास्थ्य योजना (एमपीपीसीएचएस) के क्रियान्वयन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। मंत्री श्री तोमर ने बताया है कि इस योजना का लाभ प्रदेश की 6 विद्युत कंपनियों में कार्यरत नियमित कार्मिकों, संविदा कार्मिकों व विद्युत कंपनियों के पेंशनरों और उनके परिजन को मिलेगा। इनकी संख्या लगभग एक लाख 82 हजार है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी को प्रदेश की विद्युत कंपनियों में पॉवर कंपनी अंशदायी कैशलेस स्वास्थ्य योजना लागू करने की जिम्मेदारी दी गई है। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने जानकारी दी कि पॉवर कंपनी अंशदायी कैशलेस स्वास्थ्य योजना के कार्यान्वयन के लिये 15 जुलाई को ई-टेंडर जारी कर दिया गया है। इस योजना के कार्यान्वयन सहायता एजेंसी (आईएसए) चयन के लिये भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) द्वारा लाइसेंस प्राप्त किसी मौजूदा तृतीय पक्ष प्रशासक (टीपीए) या उसकी होल्डिंग कंपनी या उसकी सहायक कंपनी या उसकी समूह कंपनी, जिन्हें इस क्षेत्र में कार्य करने का वृहद् अनुभव हो, से टेंडर आमंत्रि?त किए गए हैं। पॉवर कंपनी अंशदायी कैशलेस स्वास्थ्य योजना के लिए प्री-बिड मीटिंग 24 जुलाई को होगी।

विद्युत कंपनियों के लिए पॉवर कंपनी अंशदायी कैशलेस स्वास्थ्य योजना के क्रियान्वयन करने को इच्छुक कंपनियां 18 अगस्त तक टेंडर प्रक्रि?या में अपनी निविदा जमा कर सकेंगी। आगामी 20 अगस्त को ई-टेंडर खोले जाएंगे। पॉवर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक श्री सिंह ने बताया है कि योजना एक अक्टूबर 2025 तक प्रारंभ करने का लक्ष्य है।

उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने उच्च शिक्षा विभाग की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए

भोपाल। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने मंत्रालय में, उच्च शिक्षा विभाग के विभिन्न विभागीय विषयों एवं गतिविधियों की समीक्षा की। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय में लंबित विभिन्न प्रकरणों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के निलंबन से संबंधित गंभीर एवं अनावश्यक रूप से लंबित विभागीय प्रकरणों को, सामान्य प्रशासन के नियमानुरूप समय पर निराकृत करने के निर्देश भी दिए। परमार ने जनभागीदारी समिति के नियमों का पुनर्वलोकन कर, वर्तमान परिदृश्य अनुरूप समसामयिक बनाने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। मंत्री श्री परमार ने सार्थक ऐप पर अनुचित रूप से फर्जी उपस्थिति दर्ज करने वाले प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी और अतिथि विद्वानों पर कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। श्री परमार ने क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक कार्यालयों के सुदृढ़ीकरण के लिए आवश्यक कार्ययोजना बनाकर क्रियान्वयन करने को कहा। श्री परमार ने उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने की दृष्टि से, महाविद्यालयों में एकल संकाय को बहुसंकाय में उन्नयन करने की कार्यवाही को यथाशीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन एवं आयुक्त उच्च शिक्षा श्री प्रबल सिपाहा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

संपादकीय

ईंधन स्विच, अहमदाबाद हादसे के बाद जागा विमानन तंत्र

अहमदाबाद में पिछले माह हुए बोइंग विमान हादसे की प्रारंभिक जांच रपट ने शासन एवं प्रशासनिक अमले की आंख खोल दी है। जांच रपट में कहा गया था कि हादसे के वक्त विमान के दोनों ईंधन नियंत्रण स्विच बंद हो गए थे। विमानन नियामक डीजीसीए ने अब इस पर गंभीरता दिखाते हुए एअरलाइन कंपनियों से अपने बोइंग 787 और 737 विमानों में ईंधन स्विच प्रणाली की जांच करने को कहा है। कुछ विमानन कंपनियों ने तो इन दिशा-निर्देशों से पहले ही अपने विमानों की जांच शुरू कर दी थी। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि विमानन नियामक व संबंधित कंपनियों ने जो सतर्कता एवं गंभीरता हादसे के बाद दिखाई है, क्या वह पहले अनुपस्थित थी। अगर नहीं, तो इसकी जरूरत अब क्यों पड़ी? फिर क्या अनिवार्य तौर पर एहतियात बरतने की यह प्रणाली भविष्य में भी सुचारु रहेगी? यह सवाल इसलिए भी अहम है कि आमतौर पर किसी हादसे के सबक का असर प्रबंधकीय तंत्र पर ज्यादा दिन तक नहीं रहता और व्यवस्था फिर उसी ढर्रे पर चलने लगती है। यानी प्रारंभिक जांच रपट में सवाल तो उठाए गए हैं, लेकिन उनका जवाब आगे की जांच पर छोड़ दिया गया है। जांच रपट में एक और हैरान कर देने वाला खुलासा किया गया है कि हादसे का शिकार हुए विमान की ईंधन नियंत्रण स्विच प्रणाली की उड़ान से पहले जांच नहीं की गई थी, क्योंकि यह कभी अनिवार्य नहीं था और वर्ष 2023 से ईंधन नियंत्रण स्विच से संबंधित कोई दोष भी सामने नहीं आया। जबकि अमेरिकी नियामक संघीय विमानन प्रशासन ने (एफएए) ने वर्ष 2018 में 787 और 737 सहित बोइंग विमानों के कुछ माडल में ईंधन स्विच प्रणाली में खराबी की आशंका का संकेत दिया था। मगर हादसे की प्रारंभिक जांच रपट में कहा गया है कि इस सूचना में कोई ऐसा संकेत नहीं था, जिससे यह मुद्दा सुरक्षा संबंधी चिंता का विषय लगे।

ऐसे में इस प्रणाली की जांच के महत्त्व का अंदाजा लगाया जा सकता है। बहरहाल, उम्मीद की जानी चाहिए कि डीजीसीए के ताजा दिशा-निर्देशों पर गंभीरता से अमल होगा और विमान यात्रा को पूरी तरह सुरक्षित बनाने की दिशा में बेहतर उपाय किए जाएंगे।

कहानी संवाद: अंतरराष्ट्रीय विश्वमैत्री मंच का अभिनव आयोजन- 'दो कहानी- दो समीक्षक'

अंतरराष्ट्रीय विश्व मैत्री मंच द्वारा कहानियों पर केंद्रित कहानी संवाद का अभिनव आयोजन गूगल मीट पर किया गया। इस आयोजन में दो प्रतिष्ठित कहानीकारों सुषमा मुनींद्र और डॉ स्वाति तिवारी ने कहानी पाठ किया एवं दो समीक्षको सुप्रसिद्ध कहानीकार मनीष वैद्य और विवेक मिश्र ने समीक्षक के रूप में सहभागिता की प्रारंभ में मंच की अध्यक्ष संतोष श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के रूपरेखा पर प्रकाश डाला।

गूगल मीट पर आयोजित इस कहानी संवाद कार्यक्रम में अध्यक्षता कर रही अंतर्राष्ट्रीय विश्वमैत्री मंच की संस्थापक अध्यक्ष संतोष श्रीवास्तव ने अपने वक्तव्य में कहा कि - कहानी संवाद एक ऐसा अभिनव प्रयोग है जो सांस्कृतिक और संवेदनशील हस्तक्षेप के रूप में उभरा है। यह कथा साहित्य की उस परंपरा का निर्वहन करता है जिसे हमारे वरिष्ठ कथाकारों ने निष्ठा और कर्मठता से आगे बढ़ाया है। इसे निरंतर बनाए रखने के लिए ही अंतरराष्ट्रीय विश्व मैत्री मंच प्रतिमाह कहानी संवाद का आयोजन करता है।

यहाँ कहानी केवल पढ़कर सुनाई नहीं जाती बल्कि एक विमर्श रचती है। संवाद का स्वरूप लेखक और पाठक दोनों की सहभागिता से होता है। कहानी उन आवाजों को सामने लाती हैं जिन्हें समाज अक्सर अनसुना कर देता है।

गीता, सुहागी को देख रही थी। सुहागी पुरषोत्तम को। पुरषोत्तम गीता को। तमन्ना थी बाबू के मरते ही इस बैसाखी वाली को काबू में करेगा। मालूम न था बाबू मर जाएगा पर तमन्ना, तमन्ना ही रह जाएगी।

ऐसा भी क्या घर, जहाँ पति पत्नी केवल एक पता यानी एड्रेस यानी मकान नम्बर भर शेयर कर रहे हैं। बाकी सब अलग हैं। जहाँ बच्चा बोर्डिंग में और पिता वृद्धावस्था में वृद्धाश्रम हैं।

(डॉ स्वाति तिवारी की कहानी स्त्री मुक्ति का यूटोपिया का एक अंश)

सुषमा मुनीन्द्र के पास कहानी का मुहावरा है- मुख्य अतिथि कथाकार मनीष वैद्य

मुख्य अतिथि मनीष वैद्य ने सुषमा मुनीन्द्र की कहानी 'बैसाखी वाली लड़की' की विवेचना करते हुए कहा कि-

सुषमा मुनीन्द्र के पास कहानी का मुहावरा है। इनकी भाषा जनभाषा, जनता की भाषा अर्थात लोकभाषा होती है। यही कारण है कि इनकी कहानियाँ हमें बहुत नजदीक महसूस होती हैं। पाठक बहुत गहराई से कहानियों से जुडे जाता है। कहानी दो स्त्रियों के साझे फैसले पर रची गई है जो स्त्री सशक्तीकरण का प्रमाण है। अगर स्त्रियाँ एक दुसरे का साथ दें तो स्त्री सशक्तिकरण के लिए किसी नारे ,झंडे और बैनर की जरूरत नहीं है। यह कहानी जर्जर परिवेश से शुरू होती है पर एक मजबूत फलक पर समाप्त होती है। ये बडे फलक की कहानियाँ हैं।

स्वाति तिवारी ने कहानियों में जीवन मूल्यों , संबंधों की शुचिता को मनोवैज्ञानिक स्तर पर लिखा है -विशिष्ट अतिथि, कथाकार विवेक मिश्र

विशिष्ट अतिथि, विवेक मिश्र ने डॉ स्वाति तिवारी की कहानी, स्त्री मुक्ति का यूटोपिया की समीक्षा करते हुए बहुत सारे प्रश्न वर्तमान समाज के सामने रखे। आपने कहा कि - अच्छी कहानी वो होती है जो पाठक को समाधान परोसती नहीं बल्कि खुद सोचने पर मजबूर करती है जैसे स्त्री मुक्ति का यूटोपिया। इस कहानी में पाठक खुद तय करता है कि जीवन मूल्यों , संबंधों की शुचिता परिवार काआधारहै। कहानी की नायिका पहले आधुनिक जीवन से प्रभावित होती है लेकिन अंत में वह उस आधुनिकता के यूटोपिया से खुद ही अपने पारिवारिक मूल्यों से उपर रख लौट आती है अपने सम्बन्धों की स्नेहिल ऊर्जा कीतरफ। महा नगरीय बदलते जीवन में मनुष्य क्या खो रहा है यह इस कहानी में उभर कर सामने आता है।

आज परिवार का स्वरुप बदल रहा है। आपसी संवेदना हम खोते जा रहे हैं। मुक्ति अपने आप में ही एक यूटोपिया है। मुक्ति का अर्थ सब के लिए अलग-अलग है। ये सच है कि उपभोक्ता वाली संस्कृति हमारा उपयोग कर एक मशीन में तब्दील कर देती है। ऐसे समय में अगर मनुष्यता बचानी है तो मानवीय मूल्य बचाने होंगे।'

कहानी संवाद कार्यक्रम में कहानियों को सुनना, समझना और उन पर बात करना एक स्वस्थ परम्परा है।

एक समय ऐसा भी आया जब कहानी संवाद ने कहानी की कार्यशाला का रूप ले लिया। दर्शक दीर्घा में उपस्थित अधिकाँश ने कमेंट बॉक्स में पडी गई कहानियों और उनकी समीक्षाओं पर खुलकर अपनी बात कही। डॉ दुर्गा रानी सिन्हा एवं डॉ सुशीला टाकभौरे ने दोनों कहानियों पर अपनी-अपनी, संक्षिप्त और समीक्षात्मक टिप्पणी भी दी।

अंतर्राष्ट्रीय विश्वमैत्री मंच की मध्य प्रदेश इकाई की अध्यक्ष शेफालिका श्रीवास्तव ने कहानी संवाद में उपस्थित सभी साहित्य सुधिजनों का आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम का सञ्चालन मध्य प्रदेश इकाई के महासचिव मजफ्फर सिद्दीकी ने किया। परोक्ष और अपरोक्ष रूप से कार्यक्रम को सफल बनाने में जिन्होंने भी सहयोग किया उन सभी का आत्मीय आभार अंतर्राष्ट्रीय विश्वमैत्री मंच की मध्य प्रदेश इकाई की निदेशक महिमा श्रीवास्तव वर्मा ने अपने ही एक अलग अंदाज में व्यक्त किया। कार्यक्रम में साहित्यकार डॉ मीनाक्षी स्वामी ,कथाकार मीनाक्षी दुबे ,वरिष्ठ साहित्यकार राज बोहरे , इंदौर लेखिका संघ की अध्यक्ष विनीता तिवारी ,डॉ. तेजप्रकाश व्यास ,प्रमिला वर्मा ,शकुंतला मित्तल , डॉ। सुमन चौरे इत्यादि उपस्थित थे।

आपका भी तो संकल्प होगा

श्रीकांत आप्टे

देखिए पांडेजी, दहेज को हम पाप समझते हैं और दहेज के पैसे को हाथ लगाना महापाप इन वचनों के साथ चौबेजी ने सामने रखी प्लेट से एक बर्फी मुंह में रखी। पांडेयजी यानी लड़की के बाप ने हाथ जोड़ते हुए समोसे की प्लेट आगे कर दी।

कभी काजू कतली ट्राई की आपने बढ़िया होती है। हमारे यहां सबको काजू कतली ही पसंद है। कोई बर्फी को हाथ ही नहीं लगाता। चौबेजी ने पांडेजी की औकात नापी।

पांडेजी ने खीसे निपोरे।पास बैठी श्रीमती पांडे ने पति रक्षार्थ कहा , मैंने इन्हें कहा भी था काजू कतली लाने को। आजकल सभी काजू कतली पसंद करते हैं। इन्होंने कहा कि चेंज के लिए बर्फी ठीक रहेगी। बातचीत के दंगल में पॉइंट बराबर कर दिए थे श्रीमती पांडे ने।चौबेजी समझ गये कि पांडेजी चाहे लल्लू हों, बीबी तेजतर्रार है। नाश्ते के स्टैंडर्ड से चौबेजी समझ गये थे कि पार्टी में दम नहीं है।

श्रीमती चौबे भी सोच रहीं थी कि दो मीठे, दो नमकीन बस। न फ्रूटस् न ड्रायफ्रूटस् । ये भी कोई नाश्ता है लड़के वालों के सामने रखने के लिए। इंजीनियर लड़का देखने चले हैं और नाश्ते की तमीज नहीं। लेकिन मिसेस पांडे डायलॉगबाजी खूब कर लेती हैं। डायलॉगबाजी में लड़की भी कम न होगी।

दहेजलोभियों ने समाज का माहौल ही दूषित कर दिया है। हम कहते हैं पैसा नहीं, लड़की के गुण देखो।परिवार का स्टेटस देखो। चौबेजी ने कहा। पांडेजी ने हाथ जोड़कर कहा, आपके जैसे उच्च विचारों वाले आजकल मिलते कहां हैं।मौका मुनासिब हो तो पांडेजी भी लल्लू दिखाई देने में माहिर हैं। पांडेजी मन ही मन बोले, बेटा तुम्हारे जैसे बहुत बगुलाभगत हमने देखे हैं। उन्हें हम कहां रखते हैं तुम्हें पता नहीं। लड़की निरीक्षण कार्यक्रम संपन्न हो चुका था।

जबसे लड़का विवाह योग्य हुआ है तब से चौबेजी विवाह मंडी के नियमित चक्कर लगा रहे हैं। बीस, पच्चीस लड़कियों के यहां चाय, नाश्ता डकार चुके हैं लेकिन अभी तक बात बनी नहीं है। लड़के से छोटी एक लड़की भी है चौबेजी की जो एक-दो साल में विवाह योग्य हो जाएगी। चौबेजी का प्लान है कि लड़के को दहेज में मोटी रकम मिले तो लड़की के दहेज की रकम का जुगाड़ बैठ जाएगा। लड़की की शादी अच्छे घर में कर पायेंगे।

दहेज निगोसिएशन के मामले में परिवार और ससुराल पक्ष दोनों में चौबेजी की धाक है। एक्सपर्ट माना जाता है उन्हें । भतीजा कहता है कि मेरे लिए लड़की वालों से बातचीत के लिए ताऊजी आपको चलना ही होगा। सलहज कहती है , आपके साले साहब के बस की नहीं है बातचीत। जीजाजी, हम तो आपको ले जाएंगे।सीए है हमारा मुन्नू।

चौबेजी एक दिन बाजार में मिल गये। मैंने पूछा, कहीं बात बनी या नहीं लड़के की शादी की। बताने लगे भाईसाहब, पच्चीस लड़कियां देख चुके अब तक। मैंने कहा, चौबेजी लड़की है, कोई भाजी- भटा नहीं कि देखा और मना कर दिया।

मैंने चौबेजी से पूछ ही लिया। मेरा प्रश्न सुनकर चौबेजी हंसने लगे। फिर बोले, भाईसाहब, आप तो जानते ही हो कि हम दहेज को समाज का कोढ़ मानते हैं। लड़की वालों से दहेज की बात ही नहीं करते। हम पूछते ही नहीं कि आप लड़की को क्या देंगे शादी में। जो देंगे वो हमें नहीं,उनकी लड़की को ही देंगे। लड़की के पिता की भी तो कुछ कामनाएं होती हैं। संकल्प होता है मन में कि लड़की को शादी में क्या-क्या देना है। हम उनसे बस उनका संकल्प पूछते हैं। दहेज न बाबा न। लेकिन लड़की को देने का जो उनका संकल्प है उसके आड़े आने वाले भला हम कौन होते हैं। ठीक है न भाईसाहब? उनका और हमारा संकल्प मिल गया तो शादी तय समझिए। मैंने पूछा , आपके और उनके संकल्प के मिलने और न मिलने का क्या चक्कर है ? कहने लगे, वाह भाईसाहब, लड़कों और लड़कियों की बराबरी वाला मॉडर्न जमाना है। लड़के के मां-बाप को लड़के की शादी के लिए मन में संकल्प करने का क्या कोई अधिकार नहीं?

मैंने कहा, यानी आप दहेज लेंगे: वे बोले, भाईसाहब, आप निष्कर्ष निकालने में बहुत जल्दबाजी करते हैं।÷ थोड़ा रुककर समझाने के अंदाज में बोले, मान लीजिए कि लड़की के बाप का संकल्प है कि शादी में लड़की को नकदी, जेवर, कार- वार मिलाकर कुल तीस लाख देगा। यही संकल्प लड़के वालों का भी हुआ तो शादी तय समझो। लेकिन लड़के वालों का संकल्प है कि चालीस लाख से एक पैसा भी कम नहीं लेंगे और लड़की का बाप चालीस लाख के लिए मान गया तो समझो कि लड़के वालों पर दस लाख दहेज लेने का पाप चढ़ गया काहे से कि तीस लाख का संकल्प तो लड़की के बाप का था ही।

टूटती लक्ष्मण रेखा, हरण होता सिस्टम

सरयूसुत मिश्रा

पर्यावरण मंजूरी के लिए गठित एंड एनवायरमेंट इंपेक्ट एसेसमेंट अथॉरिटी (सिया) का ही पर्यावरण प्रदूषित हो गया है. अथॉरिटी के अध्यक्ष और विभाग के प्रमुख सचिव के बीच टकराव हाई वोल्टेज ड्रामा तक पहुंच गया.. !!

अध्यक्ष के ऑफिशियल कक्ष में ताला लगा दिया गया. जब वह कार्यालय पहुंचे तो बताया गया कि, प्रमुख सचिव के निर्देश पर ताला लगाया गया है. फिर उन्होंने मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव से इसकी शिकायत की. सीएम विदेश प्रवास पर है. जिस भी प्रयास से खुला लेकिन ताला खुल गया.

ईमानदारी और बेईमानी का बेताल ताले के पीछे है. कमरे पर ताला लगने के पहले अध्यक्ष के अधिकारों पर ताला लगा दिया गया था. इसी से विवाद की शुरुआत हुई.

सिया के अध्यक्ष सेवानिवृत्त एक आईएएस अधिकारी हैं. और प्रमुख सचिव इसी कैडर के सीनियर अफसर हैं. अध्यक्ष ने प्रमुख सचिव पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है. इसके लिए बाकायदा मुख्य सचिव को पत्र लिखकर जांच और एफआईआर करने की उनके द्वारा मांग की गई.

उनका आरोप है, पर्यावरण मंजूरी सिर्फ केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय व राज्य की सिया अथॉरिटी द्वारा ही दी जा सकती है लेकिन एप्को भी ऐसा कर रहा है. एप्को में ही सिया का कार्यालय काम करता है. ताला खुल गया है लेकिन अधिकारों का विवाद सिस्टम के सिर पर अभी भी चढ़ा हुआ है.

दोनों एक दूसरे को गलत साबित कर रहे हैं. सिया चेयरमैन कहते हैं कि पीएस का भ्रष्टाचार उजागर किया इसलिए ताला लगवाया. जबकि प्रमुख सचिव अपनी सफाई में यह कहते हैं कि, इलेक्ट्रिकल फॉल्ट के कारण दफ्तर बंद कराया गया था.

सिया में माइनिंग प्रकरणों की पर्यावरण मंजूरी देने का दायित्व निभाया जाता है. माइनिंग शब्द आते ही धरती से सोना कमाने का भाव आता है. जो भी इसमें सोना कमाना चाहता है उसे सिस्टम के हर कोने तक सोना-सोना ही करना पड़ता है.

इस विवाद में कौन सच्चा है और कौन झूठा यह जानना तो टेढ़ी खीर है. इतना तय है कि, माइनिंग के सिस्टम में कोई भी काम बिना मनी लांड्रिंग के नहीं होता, ऐसी जनधारणा बनी हुई है. माइनिंग का काम सीधा 'मनी माइनिंग' से जुड़ा हुआ है. सारे विवाद के पीछे अगर इसकी जड़ को तलाशा जाएगा तो करप्शन का पॉल्यूशन दिखाई पड़ेगा.

पूरा प्रशासनिक सिस्टम ऐसे विवादों से भरा होता है. कहीं विवाद सतह पर आ जाते हैं तो कहीं नीचे बने रहते हैं. हालत यह है कि पूरा सिस्टम इसमें ही व्यस्त रहता है, कि विवाद सतह पर नहीं आए. विवादों का सामने आना सुधार की गुंजाइश पैदा करता है. जब सब कुछ मिली भगत से होने लगता है तो फिर विवाद उभर कर नहीं दिखते लेकिन टारगेटेड आरोप प्रत्यारोप सामने आते हैं.

सरकारी सिस्टम की पूरी प्रक्रिया नियम कायदों की लक्ष्मण रेखा में बंधी हुई है. अब तो सारा सिस्टम लक्ष्मण रेखा को तोड़कर अपना काम निकालने में महारत हासिल कर चुका है. हर विभाग में ऐसे सिद्धहस्त लोग पाए जाते हैं, जो बिना फंसे फंसाए नियमों के साथ खेलते हुए कमाई का लक्ष्य हासिल कर सकते हैं.

मतभेदों के बावजूद शासन प्रशासन में एकजुटता की भावना भ्रष्टाचार की प्रणाली से ही अपना जीवन पाती है. मध्य प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी राजनीति के साथ तालमेल में अग्रणी दिखती है. ऐसे अफसर बहुत कम देखने को मिलेंगे जो सच को सच कहने का साहस दिखा सकते हैं. मुंह देखी बातें अघोषित रूप से शासन के कार्य संचालन नियम बन गए हैं . ब्यूरोक्रेसी को स्टील फ्रेम के रूप में बनाया गया था ताकि राजनीतिक अस्थिरता और भ्रष्टाचार के दौर में भी शासन व्यवस्था को जन सेवा के लक्ष्य से बांधे रखा जाए. सब एक दूसरे को नापसंद करते हैं फिर भी पसंदगी की बयार बहाई जाती है.

मुख्यमंत्री, मंत्री, सचिवों और प्रमुख सचिवों के बीच मनभेद होते हैं लेकिन मतभेद दिखाई नहीं पड़ते. मंत्रियों की हालत सबसे ज्यादा चिंतनीय होती है. वह जिस विभाग का नेतृत्व करता है वह उसके नियंत्रण में नहीं होता. इसका प्रमुख सचिव या सचिव, सरकार के कप्तान के नियंत्रण में काम करते हैं. परिपक्व और अनुभवी मंत्री इन परिस्थितियों को भी इसलिए गुजार देते हैं क्योंकि पद से बड़ा पावर इस जगत में दूसरा नहीं हो सकता.

अफसरों-अफसरों के बीच और मंत्रियों-अफसरों के बीच विवाद अक्सर होते रहते हैं. प्रसिद्ध व्यंगकार शरद जोशी अपनी रचना 'हम भ्रष्टन के भ्रष्ट हमारे' में जो दृश्य कल्पित किए हैं, वह शायद आज के हालातों को सोचकर लिखे गए थे. जब उनको लिखा गया था तब भी वह सही थे. अब धीरे-धीरे उनकी सत्यता जमीन पर चीख चीखकर साबित हो रही है.

मध्य प्रदेश में तो ऐसा भी रिकॉर्ड है, जब जांच में भ्रष्टाचार के आरोपी सीनियर अफसर को अदालत से केस वापस लेकर मुख्य सचिव का पद दिया गया. प्रशासन का यह सबसे बड़ा पद अब अपनी गरिमा के लिए संघर्ष कर रहा है. एक ऐसे भी मुख्य सचिव रहे हैं, जो पद से रिटायर हुए तब उनके घर पर प्रवर्तन निदेशालय द्वारा छापा डाला गया. बाद में न्यायालय से उन्हें राहत मिली. इतने बड़े पदों पर न केवल बेदाग होना जरूरी है बल्कि दिखना भी जरूरी है.

मीडिया में उछलने के कारण भ्रष्टाचार के आरोपों पर चर्चा हो रही है. धीरे-धीरे इस चर्चा को दबा दिया जाएगा. करप्शन का पॉल्यूशन तो फैलता जाएगा लेकिन उस पर विवाद को नियंत्रित कर लिया जाएगा. माइनिंग के कारण पर्यावरण को हो रहे नुकसान को जानने के लिए कोई बड़ा विज्ञान समझने की जरूरत नहीं है. आए दिन दुर्घटनाएं होती है.माइनिंग माफियाओं के ट्रैक्टर और ट्रकों के नीचे सिस्टम कुचल दिया जाता है. अगर कोई ईमानदारी से अपना काम करना चाहे तो उसके दम को घोंट दिया जाता है. उसकी हत्या कर दी जाती है. यह अनादिकाल से चल रहा है, इसके बाद भी सिस्टम ईमानदारी को अपनी ताकत बताता है.

पर्यावरण मंजूरी के लिए राज्य की अथॉरिटी को सिया कहा जाता है. सिया ने कभी नहीं सोचा होगा कि, ऐसा भी दौर आएगा, जब वहां ईमानदारी की बात होगी. प्रसिद्ध भजन सिस्टम पर सटीक अटैक करता है. 'रामचंद्र कह गए सिया से ऐसा कलयुग आएगा, हंस चुगेगा दाना दुनका और कौवा मोती खाएगा.

विश्व सांप दिवस: सांप को परिवर्तन, नवीनीकरण, व्यक्तिगत विकास , ज्ञान और पुनर्जन्म का प्रतीक माना गया है

योग गुरु महेश अग्रवाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल नें बताया कि पूरे विश्व में 16 जुलाई को सांप दिवस मनाया जाता है ताकि सांपों के प्रति समाज में फैली गलत धारणाओं को तोड़ा जा सके और उनके महत्व को समझा जा सके। सांप को परिवर्तन, नवीनीकरण, व्यक्तिगत विकास, ज्ञान और पुनर्जन्म का प्रतीक माना जाता है। हिंदू धर्म में सांप का धार्मिक महत्व बहुत गहरा है, जहां उन्हें न केवल पूजनीय माना जाता है, बल्कि भगवान शिव और विष्णु से भी जोड़ा जाता है। सांप अपनी पुरानी त्वचा को छोड़कर नई त्वचा धारण करता है, जो परिवर्तन और नवीनीकरण का प्रतीक है। सांप को ज्ञान और आध्यात्मिक विकास का प्रतीक माना जाता है, जो भगवान शिव के गले में विराजमान है। सांप की चाल बहुत ही लचीली होती है, जो जीवन में लचीले होने का संदेश देती है। आपको अपने सोच, बात-व्यवहार, मैनेजमेंट, फैसले इत्यादि में लचीला होना चाहिए। सांप को सुरक्षा और मार्गदर्शन का प्रतीक माना जाता है, जो खतरों को भांपने और मार्गदर्शन करने में मदद करता है। सांप को एक आत्मिक प्राणी माना जाता है जो विनम्रता और जमीन से जुड़े रहने का प्रतीक है। सांप को हीलिंग और जीवन ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है, जो आध्यात्मिक रूप से महत्वपूर्ण है। सांपों के प्रति सांस्कृतिक सम्मान के कारण, भारत में सांपों के संरक्षण के लिए कई प्रयास किए गए हैं। सांपों का धार्मिक महत्व भारत की संस्कृति और परंपराओं का एक अभिन्न अंग है, और उन्हें न केवल डरने वाली बल्कि पूजनीय प्राणियों के रूप में देखा जाता है। साँपों को शक्ति, सुरक्षा और उर्वरता का प्रतीक माना जाता है, और कुछ समुदायों में उन्हें दिव्य शक्तियों का वाहक भी माना जाता है। भगवान शिव को अक्सर गले में साँप लपेटे हुए दिखाया जाता है, जो उनके नियंत्रण और शक्ति का प्रतीक है। भगवान विष्णु को शेषनाग नामक एक विशाल सर्प पर शयन करते हुए दर्शाया गया है, जो उनकी सुरक्षात्मक प्रकृति और ब्रह्मांडीय शक्ति का प्रतीक है। नाग, या साँप, को हिंदू धर्म में देवताओं के रूप में भी पूजा जाता है, और उन्हें अक्सर मंदिरों और पवित्र स्थानों पर चित्रित किया जाता है। नागपंचमी यह त्योहार सांपों को समर्पित है, और इस दिन सांपों की पूजा की जाती है, जिससे सुरक्षा और आशीर्वाद मांगा जाता है।

सांप एक ऐसा प्राणी है जिसे देखकर अधिकतर लोग डरते हैं लेकिन इस जीव का हिंदू धर्म के अतिरिक्त कई अन्य धर्मों में भी बहुत अधिक आध्यात्मिक महत्व है। हिंदू धर्म में सर्प न केवल भगवान शिव के गले में विराजमान है बल्कि हमारे शरीर में मौजूद कुंडलिनी को भी सर्प रूप में ही दिखाया गया है जो कि सभी ऊर्जाओं का स्रोत माना गया है। इसके अतिरिक्त हिंदू धर्म में भी नागों के एक लोक नागलोक का वर्णन मिलता है जो दर्शाता है कि ये जीव एक चेतनामयी एवं जागरुक प्राणी है। हिंदू धर्म में नागलोक का वर्णन है जिसके देवता नागा माने जाते हैं जिनकी प्रकृति विनाश और सृजन दोनों की होती है। ये दोहरा व्यक्तित्व जीवन के चक्र का प्रतीक है। सर्प करता है मार्गदर्शन इसके अतिरिक्त आपने कई जगह सांप के चित्र को द्वार रक्षकों अथवा पौराणिक कथाओं में इन्हें किसी जगह को सुरक्षित रखने के लिए जिम्मेदार देखा होगा।

सर्प का पूरा शरीर पृथ्वी पर रेंगता रहता है, जिस कारण वह पृथ्वी तत्व के बेहद करीब है। इस कारण सांप को एक आत्मिक प्राणी माना गया है जो विनम्रता और जमीन से जुड़े रहने का प्रतीक है। सांप को हीलिंग का भी प्रतीक माना गया है। वैसे, तो सांप के जहर जानलेवा होते हैं लेकिन भारत में प्राचीन समय में कई गंभीर बीमारियों में इस जहर का इस्तेमाल ईलाज में किया जाता था। साँप जीवन ऊर्जा के मूल स्रोत का भी प्रतिनिधित्व करता है। यह ऊर्जा हर इंसान के अंदर होती है और जब तक कोई व्यक्ति आत्मज्ञान का मार्ग नहीं चुनता तब तक इसे सुप्त अवस्था में माना जाता है। कुंडलिनी को सर्प शक्ति, आदि ऊर्जा के रूप में वर्णित किया गया है, जो विद्युतीय, उग्र और आध्यात्मिक प्रकृति की है। यह व्यक्ति के शरीर के भीतर स्थित ब्रह्मांडीय शक्ति है, जो व्यक्ति को ईश्वर से जोड़ती है। जब यह ऊर्जा जागृत और प्रकट होती है, तो इसे जागरण की अवस्था या मात्रा के अनुसार देवी, काली, दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी आदि कहा जाता है।

इस अवसर पर योग गुरु अग्रवाल नें भुजंगासन (कोबरा मुद्रा) के अभ्यास के बारे में बताया कि पैरों की उंगलियों से नाभि तक शरीर को ज़मीन पर टिकाएँ और हाथों की हथेलियों को भी ज़मीन पर मजबूती से टिकाकर सिर को साँप की तरह ऊपर उठाएँ। इसे भुजंगासन कहते हैं। भुजंगासन के अभ्यास से शरीर की अग्नि बढ़ती है, सभी रोग नष्ट होते हैं और कुंडलिनी शक्ति जागृत होती है। विधि - पेट के बल लेट जाएँ, दोनों पैर सीधे, पंजे एक साथ और तलवे ऊपर और शिथिल हों। हाथों की हथेलियों को ज़मीन पर, कंधों के नीचे और थोड़ा सा बगल में, उंगलियाँ एक साथ और आगे की ओर रखते हुए रखें। भुजाएँ इस प्रकार होनी चाहिए कि कोहनियाँ पीछे की ओर हों और शरीर के किनारों से सटी हों। माथे को ज़मीन पर टिकाएँ और आँखें बंद कर लें। नाभि क्षेत्र को ज़मीन पर रखते हुए धड़ के ऊपरी हिस्से को धीरे-धीरे ऊपर उठाएँ। पैरों की उंगलियों से नाभि तक शरीर का निचला हिस्सा आराम की अवस्था में रहे। सिर को धीरे-धीरे साँप के फन की तरह ऊपर उठाएँ। सिर को ऊपर उठाते समय पहले गर्दन की मांसपेशियों का और फिर धड़ को ऊपर उठाने के लिए पीठ की मांसपेशियों का उपयोग करें। फिर बाजुओं की मांसपेशियों का उपयोग करके धड़ को और ऊपर उठाएँ और पीठ को मोड़ें। सिर को धीरे से पीछे की ओर झुकाएँ ताकि ठुड्डी आगे की ओर हो और गर्दन का पिछला भाग संकुचित हो। अंतिम स्थिति में, जघन अस्थि ज़मीन के संपर्क में रहे और नाभि ज़मीन को छूती रहे या अधिकतम 3 सेमी ऊपर उठी रहे। यदि नाभि बहुत ऊपर उठी हो, तो मोड़ घुटनों में होगा, पीठ में नहीं। बाहें सीधी हो भी सकती हैं और नहीं भी; यह पीठ के लचीलेपन पर निर्भर करेगा। अंतिम स्थिति में जब तक आरामदायक हो, तब तक बने रहें।प्रारंभिक स्थिति में लौटने के लिए, बाजुओं को मोड़कर धीरे-धीरे ऊपरी पीठ को ढीला छोड़ें, और नाभि, छाती, कंधों और अंत में माथे को ज़मीन पर टिकाएँ। पीठ के निचले हिस्से की मांसपेशियों को आराम दें। यह एक चक्र है। श्वास - धड़ को ऊपर उठाते हुए श्वास लें। अंतिम स्थिति में सामान्य रूप से श्वास लें या यदि थोड़ी देर के लिए रोके रखा है तो श्वास रोककर रखें। धड़ को नीचे करते हुए श्वास छोड़ें। आसन अवधि - अंतिम स्थिति में समय की अवधि धीरे-धीरे बढ़ाते हुए, पाँच चक्रों तक अभ्यास करें। क्रम - पीठ और रीढ़ की हड्डी के प्रभावी सामान्य स्वास्थ्य के लिए शलभासन और धनुरासन के साथ अभ्यास करने पर यह आसन अधिकतम लाभ देता है।

योग गुरु अग्रवाल नें बताया कि प्राणायाम का उद्देश्य में भी सर्प का उदाहरण दिया जाता है प्राणायाम के कई उद्देश्य है, उनमें से एक है सम्पूर्ण स्वास्थ्य देते हुए लम्बी उम्र प्रदान करना। प्राणायाम द्वारा हम श्वास की गति को नियंत्रित कर सुखी हो सकते हैं। प्रकृति में भी देखते हैं कि जो पशु-पक्षी तेज गति से जल्दी-जल्दी श्वास-प्रश्वास करते हैं, उनकी उम्र कम होती हैं। निम्नलिखित तालिका से हम समझ सकते हैं। कछुआ 1 मिनिट में श्वास प्रश्वास 4 से 5 बार /उम्र लगभग 200 से 400 वर्ष, सर्प 1 मिनिट में श्वास प्रश्वास 8 से 10 बार/उम्र लगभग 120 से 150 वर्ष, मनुष्य 1 मिनिट में श्वास प्रश्वास 15 से 16 बार /उम्र लगभग 100 वर्ष, घोड़ा 1 मिनिट में श्वास प्रश्वास 24 से 26 बार/उम्र लगभग 40 वर्ष , बिल्ली 1 मिनिट में श्वास प्रश्वास 30 बार /उम्र लगभग 20 वर्ष, कुत्ता 1 मिनिट में श्वास प्रश्वास 30 से 32 बार/उम्र लगभग 14 से 15 वर्ष इस प्रकार सिद्ध होता है कि श्वास की गति को नियंत्रित कर हम अपने बहुमूल्य जीवन को बढ़ा सकते हैं। योग गुरु अग्रवाल नें योग आसनों के नाम - एक रहस्यमय तार्किक दृष्टिकोण के बारे में बताया कि हठयोग के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के योगासनों का वर्णन आता है। हमारे आचार्यों ने विभिन्न प्रकार के आसनों के नाम भिन्न-भिन्न प्रकार से रखे। उन्होंने इन्हें बड़े अर्थपूर्ण नाम दिए। कुछ आसनों के नाम पक्षियों से संबंधित हैं जैसे बकासन (बगुला), मयूरासन (मोर), कुक्कुटासन (मुर्गा), हंसासन (हंस)। कुछ के नाम कीड़ों से जोड़े गए हैं। वृश्चिकासन (बिच्छू), शलभासन (टिड्डा)। कुछ के नाम जानवरों पर आधारित हैं श्वानासन (कुत्ता), उष्ट्रासन (ऊँट), सिंहासन (सिंह), गोमुखासन (गाय), वातायन (घोड़ा), आदि कुछ के नाम पेड़-फूल आदि पर रखे जैसे वृक्षासन (पेड़), ताड़ासन (ताड़), पद्मासन (कमल) आदि। कुछ जलचर और उभयचर प्राणियों के नाम पर भी हैं जैसे मत्स्यासन (मछली), कूर्मासन (कछुआ), भेकासन मेढ़क), मकरासन (मगर) ज़मीन में रेंगने वाले प्राणी सर्प को सर्पासन व भुजंगासन नाम दिया। हनुमानासन, वीरासन, महावीरासन, बुद्धासन जैसे आसनों के नाम भगवान की छवि से लिए और महान ऋषियों जैसे कपिल (कपिलासन), वशिष्ठ (वशिष्ठासन), विश्वामित्र, भागीरथ आदि नाम उनकी याद के लिए हमारे संस्कार में डाले। आखिर क्या कारण रहा कि हमारे महाज्ञानी ऋषि-मुनियों ने ये नाम उनसे जोड़े। यहाँ यह तर्क बड़े सरल ढंग से किया जा सकता है कि जब हम उस आसन की अंतिम स्थिति में पहुँचते हैं तो वह आसन उसके स्वरूप में वैसा ही दिखता है जैसा आसन का नाम है। जब हम भिन्न-भिन्न प्राणियों के समान उनकी आकृति ग्रहण करते हैं तो साधक के मन में उनके प्रति सम्मान व प्रेम उत्पन्न होना चाहिए एवं प्राणियों से घृणा नहीं होनी चाहिए। कारण वह जानता है कि सारी सृष्टि में छोटे जीव से लेकर बड़े-बड़े महात्माओं तक वही विश्वात्मा श्वास लेता है, जो असंख्य रूपों को ग्रहण करता है। वह निराकार रूप ही उसका सबसे महान रूप है। वैसे यहाँ तर्क यह भी है कि ईश्वर ने प्रत्येक प्राणी को एक न एक गुण विशेष रूप से प्रदान किया है, यहाँ तक कि पेड़-पौधे तक में कोई न कोई गुण विशेष रहता है। चूँकि मनुष्य अपने अंदर अधिक से अधिक गुण समाहित करना चाहता है, अतः उसका उद्देश्य आसन से वह प्राप्त करना है एवं उस आसन से जो उसके लाभ हैं वह भी प्राप्त करना चाहता है। एक कारण और तार्किक है कि हमें वे आचार्य प्रकृति से निकटस्थ करना चाहते हैं ताकि प्रकृति के गुणों को भी आत्मसात् कर सकें।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

बालारपुर मुख्य मार्ग से लगकर हो रहा नाली निर्माण नहीं देखी जा रही गुणवत्ता

दमोह। जनपद पंचायत दमोह की ग्राम पंचायत बलारपुर में मुख्य सड़क से लग कर नाली निर्माण कार्य किया जा रहा है जो पूरी तरह से जहां पर ग्राम सचिव,सरपंच,के द्वारा जो नाली निर्माण कार्य किया जा रहा है मुझे नहीं लगता कि यह उपयंत्री की ड्राइंग एस्टीमेट के आधार पर किया जा रहा होगा क्योंकि ना तो उसमें लोहे का जाला डाला जा रहा है और ना ही सही मसाले का उपयोग किया जा रहा है और यहां तक तो ठीक है जो मजदूर और मिस्त्री काम कर रहे हैं वह दूसरी ग्राम पंचायत के निवासी बताए गए अब आप ही बताइए कहां तक ग्राम पंचायत स्तर पर लोगों को रोजगार मिल पाएगा पंचायत सचिव प्रमोद बचकैया नें बताया की नाली निर्माण कार्य 4 लाख 50 हजार की लागत से किया जा रहा है और एस्टीमेट की जानकारी उपयंत्री अमित अहिरवार देंगे जब इस संबंध में अमित अहिरवार सेक्टर उपयंत्री सें बात की तो उनके द्वारा कहा गया की नाली का सही निर्माण नहीं हो रहा है तो वैधानिक कार्रवाई कर राशि की वसूली की जाएगी।

उत्तम ट्रेडर्स पेटेगांव का उर्वरक विक्रय लाइसेंस निरस्त

मंडला। जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश अनुसार जिले के खाद एवं उर्वरक विक्रय केन्द्रों का सतत निरीक्षण किया जा रहा है। इस की में उत्तम ट्रेडर्स ग्राम पेटेगांव जिला-मण्डला के विरुद्ध की गई जांच में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित फर्म का उर्वरक विक्रय लाइसेंस निरस्त कर दिया गया है। उप संचालक कृषि अश्वनी झारिया ने बताया कि 8 जुलाई को जनसुनवाई में उत्तम ट्रेडर्स पेटेगांव के बारे में शिकायत आई थी। कलेक्टर के निर्देश पर अनुविभागीय कृषि अधिकारी मधु अली के नेतृत्व में चार सदस्यीय जांच दल गठित किया गया था। जांच में पाया गया कि मे. उत्तम ट्रेडर्स पेटेगांव द्वारा बिना क्रय देयक के उर्वरक खरीद कर बिना विक्रय देयक के उर्वरक विकृय किया गया है। यह कृत्य उर्वरक नियंत्रण अधिनियम 1985 का उल्लंघन है, अधिनियम की धारा 31 की उपधारा 2 का प्रयोग करते हुए संबंधित फर्म का लाइसेंस निरस्त कर दिया गया है। जांच प्रतिवेदन के आधार पर दण्डात्मक कार्रवाई की गई है।

गर्भवती, धात्री महिलाओं के लिए टूल किट का वितरण किया

सतना। बिरला कॉरपोरेशन लिमिटेड यूनिट सतना सीमेन्ट वर्क्स, सतना अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति सदैव कटिबद्ध है। इसी के परिपालन में संस्थान द्वारा समय-समय पर अनेकों सामाजिक एवं विकास कार्यो का निष्पादन किया जाता रहा है। सतना सीमेन्ट के प्रेसीडेंट कौशल मिश्रा का यही ध्यैय है कि सीमेन्ट प्लांट की प्रगति के साथ-साथ प्लांट के आसपास के गांवों का भी समग्र विकास हो और ग्रामीण किसान की आजीविका सुदृ? हो उनके मार्गदर्शन में ग्राम सगमनिया में अंकुरम कार्यक्रम के तहत 20 गर्भवती, धात्री महिलाओं के लिए सब्जी बीज एवं आंगनवाडी साईडिंग बठियाकलां के लिए टूल किट का वितरण किया गया इस अवसर पर श्री पुनीत शर्मा बाल विकास परियोजना अधिकारी सतना एवं श्रीमती साधना सिंह सुपरवाईजर सीएसआर क्लस्टर हेड श्री रंजीत प्रसाद, श्री विजय चौवे मैनेजर सीएसआर सतना सीमेंट वर्क्स ग्राम के सरपंच श्री मंजीत वेन एवं प्रियांशी संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पारंपरिक माटी कला प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

बैरसिया (भोपाल)। मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल तथा निर्मूर्ति आदर्श शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में पारंपरिक माटी कला कौशल उन्नयन कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद पंचायत विकास खंड बैरसिया में किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सामुदायिक प्रशिक्षण केन्द्र पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद पंचायत बैरसिया के अध्यक्ष श्री कुंवर सिंह गुर्जर द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष श्री श्यामल सिंह गुर्जर, जनपद सदस्य श्रीमती अमिता चौहान, श्री नीरज सोनवाने, श्री बलराम लोधी, श्री किरण तोमर सहित पंचायत प्रतिनिधि एवं महिला स्व-सहायता समूह की सदस्याएं मौजूद रहीं। मुख्य अतिथि के रूप में म. प्र. राज्य आजीविका मिशन से श्रीमती रेखा सिंह (पी.टी.एस.), एवं प्रशिक्षण विशेषज्ञ श्री एस.एन. शर्मा तथा निर्मूर्ति समिति से श्री जयप्रकाश सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम 15 जुलाई 2025 से प्रारंभ होकर 30 जुलाई 2025 तक चलेगा। इसमें बैरसिया क्षेत्र की महिलाओं को पारंपरिक माटी कला का प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वावलंबी बनाने का प्रयास किया जाएगा।

मप्र के अनुदान प्राप्त महाविद्यालयों के प्राध्यापकों को सातवें वेतनमान का लाभ दें- हाई कोर्ट

जबलपुर। म प्र के शासकीय अनुदान प्राप्त महाविद्यालय के प्राध्यापक संघ की रिट याचिका पर सुनवाई करते हुवे हाई कोर्ट ने प्रदेश सरकार को सातवें वेतनमान का लाभ देने का आदेश पारित किया है।

अनुदान प्राप्त प्रध्यापक संघ के प्रांताध्यक्ष डॉ.ज्ञानेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि न्यायमूर्ति माननीय विवेक जैन की अदालत में संघ की याचिका पर सुनवाई हुई तो प्राध्यापकों की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता श्री एल.सी. पटने ने जोरदार पैरवी करते हुए तर्क रखे और अदालत को बताया कि म.प्र. सरकार,समकक्ष शासकीय महाविद्यालयों में कार्यरत प्राध्यापकों को सातवें वेतनमान से भुगतान कर रही है पर वेतन संदाय अधिनियम 1978 की धारा 33(ब्) का उलंघन करते हुवे अनुदान प्राप्त प्राध्यापकों को नहीं।

पटने ने यह भी कहा कि अनुदान प्राप्त प्रध्यापकों के मसले में सुप्रीम कोर्ट पहले ही निर्णय पारित कर चुकी है कि सन 2000 के पहले कार्यरत प्राध्यापकों को सरकार को शासकीय महाविद्यालयों में कार्यरत प्राध्यापकों के समान वेतन और भत्ते देना होंगे। प्रध्यापक संघ के प्रांतीय कोषाध्यक्ष डॉ.शैलेश जैन ने बताया कि जस्टिस जैन ने वकील एल.सी. पटने के तर्कों से सहमत होते हुवे पारित आर्डर में म.प्र. सरकार

को अशासकीय महाविद्यालयों कार्यरत अनुदान प्राप्त प्राध्यापकों को सातवें वेतनमान का लाभ देने को कहा है। शासन की तरफ से पैरवी कर रही डिप्टी एडवोकेट जनरल सुप्रिया सिंह के तर्कों से असहमति दर्शाते हुए पारित आदेश में शासन को रिटायर हो चुके प्रध्यापकों को 9 माह के भीतर एक मुश्त भुगतान करने को कहा है एवम कार्यरत स्टाफ के 25 प्रतिशत भुगतान चार माह में और शेष राशि एक वर्ष में देने की बात स्पष्ट तौर पर लिखी है।यदि शासन ऐसा नहीं करता है तो 1एक वर्ष पश्चात उसे देय राशि पर 6 प्रतिशत ब्याज का भुगतान भी करना होगा। उच्च न्यायालय के इस फैसले से मध्यप्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों में कार्यरत अनुदान प्राप्त प्राध्यापकों में हर्ष की लहर है।

मझगुवां माल में पंचायत भवन और देवरीलीलाधर में कौशल उन्नयन केंद्र का हुआ लोकार्पण

दमोह। मझगुवॉं माल पंचायत की बहुप्रतीक्षित मांग थी, कि यहाँ पर पंचायत भवन नहीं है, बड़ी पंचायत है तो यह मांग उनकी पूरी हुई है। यह पंचायत भवन 24 लाख रूपये की राशि से बनके तैयार हुआ हैं, उसका लोकार्पण भी किया हैं और देवरी लीलाधर में सांस्कृतिक मंच की डिमांड लोगों ने की थी, वह बनकर तैयार हो गया हैं, उसका भी लोकार्पण किया हैं, गांव वालों की जो डिमांड है वह धीरे-धीरे पूरी कर रहे हैं और आने वाले समय में और भी डिमांड ग्रामवासियों ने रखी हैं, पूरी की जायेगी। इस आशय के विचार प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने आज मझगुवां माल में पंचायत भवन एवं देवरीलीलाधर में कौशल उन्नयन केन्द्र का लोकापर्ण करते हुये व्यक्त किये।

राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह? लोधी ने कहा यहाँ का पुल बरसात के समय में डूब जाता है तो पुल इतना ऊंचा करना है, कि बरसात के समय डूबे ना, यह डिमांड पूरी करनी है और यहाँ पर सामुदायिक भवन की लोगों ने डिमांड की है, इसके लिये 25 लाख की राशि से आने वाले समय में सामुदायिक भवन भी यहाँ बनाया जायेगा। उन्होंने कहा दो स्कूल जर्जर हैं, उन स्कूलों में अभी बरसात के समय दिक्कत हैं, उन स्कूलों की मरम्मत गौण खनिज की राशि से करवाई जायेगी। एक चबूतरा, रंगमंच की डिमांड थी इसके लिये 3 लाख रूपये का पत्र विधायक निधि से दी है। कार्यक्रम को भारत सिंह, संग्राम सिंह ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर भारत सिंह संग्राम सिंह ममता ठाकुर अमर सिंह अमन सिंह प्रताप सिंह गुलाबचंद देव सिंह रूपलाल सीताराम हर प्रसाद तिवारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन मौजूद रहे।

6.63 लाख फर्जी समग्र आईडी, करोड़ों का घोटाला इंदौर बना फर्जीवाड़े का गढ़ : सज्जन वर्मा

इंदौर। नगर निगम द्वारा 4 जुलाई को जारी रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है शहर में 6.63 लाख फर्जी समग्र आईडी पाई गई हैं। इस गंभीर मामले को लेकर पूर्व मंत्रीसज्जन वर्मा, पूर्व पार्षददिलीप कौशल, और नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने संयुक्त प्रेस वार्ता कर भाजपा सरकार पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए।

पूर्व मंत्री वर्मा ने कहा कि समग्र आईडी एक अत्यंत महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जिसके माध्यम से नागरिकों को राशन पर्ची और 24 से अधिक सरकारी योजनाओं का लाभ मिलता है। इंदौर में इतने बड़े पैमाने पर फर्जी समग्र आईडी होना यह दर्शाता है कि भाजपा सरकार ने सुनियोजित तरीके से लाखों फर्जी लाभार्थी तैयार कर करोड़ों रुपये की सरकारी योजनाओं में घोटाला किया है।

वर्मा ने याद दिलाया कि पूर्व कलेक्टर मनीष सिंह की रिपोर्ट में भी 13502 फर्जी समग्र आईडी के आधार पर 2.60 लाख फर्जी मतदाताओं को हटाने की बात स्वीकार की गई थी, जिसे उच्च न्यायालय में शपथ पत्र के साथ प्रस्तुत किया गया था। यह मामला अब सिर्फ इंदौर तक सीमित नहीं रहा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस मुद्दे को लोकसभा में उठाया और इंदौर से शुरू हुए इस फर्जी मतदाता सूची घोटाले ने अब कर्नाटक (27 लाख), महाराष्ट्र (47 लाख), बिहार तक पहुंचकर राष्ट्रीय रूप ले लिया है।

सवाल यह है कि फर्जी समग्र आईडी के आधार पर राशन, लाडली लक्ष्मी, संबल योजना, आयुष्मान भारत, स्कूटी योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना समेत कई योजनाओं में कितना धन अवैध रूप से वितरित किया गया श्री वर्मा ने मांग की है कि इस पूरे घोटाले की जांच की जाए और दोषियों पर एफआईआर दर्ज की जाए।

पूर्व पार्षद कौशल ने बताया कि नगर निगम नेच्ङ्खष्ट के नाम पर कई पात्र नागरिकों की आईडी भी बंद कर दी है, जिससे अब वे भटक रहे हैं और धन खर्च कर आईडी पुनः चालू कराने के प्रयास कर रहे हैं जबकि यह प्रक्रिया निशुल्क होनी चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष श्री चिंटू चौकसे ने इस मामले को बेहद गंभीर बताते हुए कहा कि कांग्रेस पार्षद दल बैठक बुलाकर और संगठन स्तर पर भाजपा के इस भ्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन की रूपरेखा तैयार करेगा।

महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने का मौका, सरकार दे रही मुफ्त सिलाई मशीन, जानें कैसे करें आवेदन

भोपाल। अब महिलाएं घर बैठे रोजगार शुरू कर सकती हैं, वो भी बिना कोई लागत लगाए। केंद्र सरकार ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुफ्त सिलाई मशीन योजना की शुरुआत की है। इस योजना के अंतर्गत पात्र महिलाओं को फ्री में सिलाई मशीन दी जाती है ताकि वे घर से ही अपना छोटा व्यवसाय शुरू कर सकें और आय अर्जित कर सकें।

योजना का मुख्य उद्देश्यः इस योजना का मूल उद्देश्य है देश की आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं को सशक्त बनाना। विशेष रूप से उन महिलाओं को लाभ पहुंचाना है जो किसी कारणवश घर से बाहर जाकर काम नहीं कर सकतीं लेकिन घर पर रहकर कुछ करना चाहती हैं। इससे न सिर्फ उनकी आमदनी में बढ़ोतरी होती है, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी मजबूत होता है।

किसे मिलेगा लाभः यह योजना खासकर ग्रामीण और जरूरतमंद महिलाओं के लिए शुरू की गई है। इसमें विधवा, तलाकशुदा, विकलांग या निर्धन महिलाओं को प्राथमिकता दी जाती है। सरकार चाहती है कि हर महिला अपने पैरों पर खड़ी हो और किसी पर निर्भर न रहे।

कौन महिलाएं आवेदन कर सकती हैं?

इस योजना का लाभ लेने के लिए कुछ महत्वपूर्ण पात्रता शर्तें रखी गई हैंः आवेदिका भारतीय नागरिक होनी चाहिए।

आयु सीमाः 20 से 40 वर्ष के बीच, वार्षिक पारिवारिक आय 1.5 लाख रुपये से कम होनी चाहिए।

यदि महिला विधवा, तलाकशुदा या दिव्यांग है, तो उसे प्राथमिकता दी जाएगी पहले से किसी अन्य सरकारी रोजगार योजना का लाभ न लिया हो फॉर्म भरने से पहले रखें ये दस्तावेज तैयार आवेदन के लिए नीचे दिए गए दस्तावेज जरूरी हैं।

आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो, मोबाइल नंबर , बैंक खाता विवरण, विधवा/ तलाकशुदा प्रमाण पत्र (यदि लागू हो), विकलांगता प्रमाण पत्र (यदि आवश्यक हो)

आवेदन प्रक्रिया /फॉर्म कैसे भरें?

यदि आप इस योजना का लाभ उठाना चाहती हैं, तो नीचे दी गई आसान प्रक्रिया को अपनाएंः 1. सबसे पहले अपने राज्य की सरकारी वेबसाइट पर जाएं, 2. वहां से वेबसाइट से आवेदन फॉर्म डाउनलोड करें, 3. फॉर्म को सावधानीपूर्वक और सही जानकारी के साथ भरें, 4. ऊपर बताए गए सभी आवश्यक दस्तावेजों को संलग्न करें, 5. तैयार फॉर्म को अपने नजदीकी महिला कल्याण केंद्र या सरकारी कार्यालय में जमा करें, 6. फॉर्म जमा करने के बाद आपको रसीद दी जाएगी, जिससे भविष्य में ट्रैकिंग हो सके

आवेदन की अंतिम तिथिः यदि आप इस योजना का लाभ लेना चाहती हैं, तो ध्यान रखें कि आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 जुलाई है। इसके बाद आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

खुलेआम शासन की गाइडलाइन का हो रहा उल्लघंन मापदंडों से कई गुना निकला छात्रों के स्कूल बैग का वजन

जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यालय से 500 मीटर की दूरी पर स्थित निजी स्कूल पहुंचकर छात्रों के बैग का वजन किया

स्कूल बैग के अत्यधिक वजन से बच्चों की सेहत से खिलवाड़, सरकार का अभियान केवल कागजों में : विवेक त्रिपाठी

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने सरकार और स्कूल शिक्षा विभाग को जगाने के लिए वजन करने वाली मशीन लेकर निजी स्कूल पहुँचे उनके साथ कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव बरोलिया कुंदन पंजाबी और विक्रम चौधरी ने वहाँ पाया कि छात्रों को तय नियमो के विपरीत काफी भारी स्कूल बैग का बोझ उठाने के लिए मजबूर किया जा रहा हैं।

विवेक त्रिपाठी ने बताया कि 16 जून से प्रदेश में स्कूल बैग के वजन को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शुरू किया जाने वाला जागरूकता अभियान एक माह बीत जाने के बाद भी केवल कागजों और आदेशों में ही चल रहा है, जमीनी हकीकत में इस पर कोई अमल नहीं हो रहा। शिक्षा माफियाओ ने कमीशन के लालच में सिर्फ निजी स्कूल ही नही शासकीय स्कूल को भी निशाना बनाया हुआ है चाहे शिवराज सरकार के सीएम राइस स्कूल हो या निजी स्कूल के हालात हो इन में कोई अंतर नही है।

त्रिपाठी ने बताया कि राजधानी भोपाल के जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से महज 500 मीटर की

दूरी पर स्थित निजी स्कूल और शासकीय क्करूश्री स्कूल के छात्र ही शासन के निर्धारित मापदंडों से कई गुना अधिक वजन के स्कूल बैग ढोने को मजबूर हैं। छोटे-छोटे बच्चों के नाजुक कंधों पर अत्यधिक वजन लाद दिया गया है , जिसकी वजह से कई बच्चे पढ़ाई और खेलकूद की उम्र में ही डॉक्टर और अस्पताल के चक्कर लगाने को मजबूर हो रहे हैं। भाजपा सरकार और प्रशासन के साथ ही बाल आयोग भी मूक दर्शक बना हुआ है।

विवेक त्रिपाठी ने आरोप लगाया कि शिक्षा माफियाओं द्वारा किताबों की अनावश्यक खरीद में कमीशनखोरी के लालच में छात्रों के जीवन और स्वास्थ्य के साथ खुला खिलवाड़ किया जा रहा है। कम उम्र में बच्चों के स्वास्थ्य पर भारी असर पड़ रहा है, लेकिन शासन-प्रशासन आंखें मूंदे बैठा है। शासकीय स्कूलों में निःशुल्क मिलने वाली किताब वितरण में भी अगर शासन के नियमों का उलंघन होने लगे तो ये काफ़ी चिंताजनक है। अभिनव बरोलिया ने सरकार से मांग की कि स्कूल बैग के वजन को लेकर तत्काल सख्त कार्रवाई की जाए, और दोषी शिक्षा अधिकारियों, प्रबंधन और माफियाओं पर कठोर कार्यवाही हो ताकि बच्चों का भविष्य और स्वास्थ्य सुरक्षित रह सके। भोपाल कलेक्टर द्वारा गठित निरीक्षण कमेटी द्वारा क्या कार्यवाही अब तक कि गई है इसका विश्लेषण कब होगा इसका जवाब प्रशासन को देना चाहिए आखिर क्यों शिक्षा माफिया बे?ै? हो कर बच्चो को कोल्हू का बैल बनाने पर तुला है।

एक पेड मां के नाम अभियान अंतर्गत 11 किलो बीज पठार पर रोपकर, किया पौधरोपण

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)- क्षेत्र के विधायक एवं पूर्व मंत्री सुरेन्द्र पटवा एवं एसडीएम चंद्रशेखर श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में ग्राम उमरिया की पठारी पर मप्र जन अभियान परिषद से जु लगभग 100 लोगों ने पर्यावरण बचाने का संदेश देते हुए जामून, महुआ,करंज,बेहा, नीम के बीजों को फैलाकर धरती को हरा -भरा करने की पहल की इस दौरान भीलट बाबा मंदिर परिसर के आसपास पौधरोपण भी किया गया। कार्यक्रम में मप्र जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक कल्याण सिंह राजपूत विकासखण्ड समन्वयक निशा बहेकार, उपस्थित थे। कार्यक्रम अंबेडकर बुद्धिस्ट चैरिटेबल के अध्यक्ष सुनील सेरिया एवं नगर विकास प्रस्फुटन समिति महावीर कॉलोनी के अध्यक्ष भूपेन्द्र नागर, के सहयोग से किया गया। इस दौरान पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष सुरजीत सिंह बिल्ले, सुजीत यादव, राजेंद्र साहू गुड्डू भैया,बेनी सिंह चौहान,पुरुषोत्तम शर्मा, प्रेम नारायण सोनी सुनैना लोवंशी , सुनीता मालवीय, वीर सिंह चौहान, बारेलाल नायक,नगर ,बने सिंह परमार, घनश्याम सरसवाल,सहित लगभग 100 लोगों सहभागिता की।

कार्यालय नगर परिषद सुल्तानपुर जिला रायसेन म.प्र.

कमांक / 587 / पीएमएवाय/2/2025 सुल्तानपुर दिनांक- 10.07.2025

दावा आपत्ति का प्रथम प्रकाशन

म.प्र.शासन नगरीय विकास एवं आवास विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल के पत्र कमांक/एफयूडीएच /9/0009/2025/18-2 दिनांक 17.03.2025 के अनुसार जारी दिशा निर्देश के बिन्दू क्रमांक 3.5.16 के अनुसार तीनो सूची 1.1, 1.2 एवं 1.3 मे प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के हितग्राहियो का सत्यापन के पश्चात दिनांक 10.07.2025 से दिनांक 25.07.2025 तक निकाय कार्यालय, तहसील कार्यालय तथा सार्वजनिक स्थानो पर सूची का प्रकाशन किया गया है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद सुल्तानपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, (यांत्रिकी शाखा), भोपाल

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-785/याँ.वि./2025 भोपाल, दिनांक 15.07.2025

निम्न कार्य हेतु म.प्र. लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारो से आनलाईन निविदा आंमत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण website https://www.mptenders.gov.in पर है।

क्रं.	निविदा क्र.	कार्य का संक्षिप्त विवरण	अनुमानित लागत	निविदा क्रय करने का अंतिम	
				दिनांक	समय
1	2024_UAD_384427_3	CONSTRUCTION OF HALL AND OTHER CIVIL WORKS AT AMRAPALI BUDDHA VIHAR WARD 25 ZONE 21 third call	4,23,669	21.07.2025	05:30
3	2024_UAD_369784_8	CONSTRUCTION OF NAALA NEAR IRSHAD BHAI HOUSE NEAR MADARSA, BLUE STAR SCHOOL WARD 24 ZONE 21 EIGHTH CALL	407388	21.07.2025	05:30

नोट - संशोधन केवल वेबसाईट पर ही देखे जा सकेंगे, समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं होंगे।

कार्यपालन यंत्री (सिविल)
नगर निगम, भोपाल

नि.क्रं. -1925/025/026

शहरी बेरोजगारी बढ़कर 18.8 फीसदी, कृषि क्षेत्र में घटा महिलाओं का हिस्सा

सर्वे में सामने आए आंकड़े

नई दिल्ली शहरी इलाकों में बेरोजगारी दर जून, 2025 में बढ़कर 18.8 फीसदी के स्तर पर पहुंच गई।?मई में यह 17.9 फीसदी रही थी। ग्रामीण?बेरोजगारी दर भी 13.7 फीसदी से बढ़कर 13.8 फीसदी पहुंच गई।?हालांकि, इस अवधि में पूरे देश में बेरोजगारी दर 5.6 फीसदी पर स्थिर रही। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के मासिक आवधिक श्रमबल सर्वे (पीएलएफएस) के आंकड़ों के मुताबिक, महिलाओं में बेरोजगारी दर पिछले महीने घटकर 5.6 फीसदी पर आ गई, जो मई में 5.8 फीसदी रही थी।?इस दौरान कृषि क्षेत्र में ग्रामीण महिला श्रमिकों की हिस्सेदारी मई के 70.2 फीसदी से घटकर 69.8 फीसदी रही। वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) में जुटाए गए?नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए बेरोजगारी दर मई की तुलना में घटी है।?इसकी प्रमुख वजह खुद का काम करने वाले श्रमिकों की हिस्सेदारी में वृद्धि और बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या में कमी आना है। यह सर्वे देशभर के 89,493 परिवारों के 3,80,538 लोगों से बातचीत के आधार पर तैयार किया गया है।?इनमें ग्रामीण क्षेत्रों के 49,335 और शहरी इलाकों के 40,158 परिवार शामिल हैं।

15-29 साल के लोगों में भी बढ़ी बेरोजगारी

सर्वे के मुताबिक, 15-29 आयु वर्ग के लोगों में बेरोजगारी दर मई?के 15 फीसदी से बढ़कर 15.3 फीसदी पहुंच गई।?वहीं, 15-29 आयु वर्ग की महिलाओं में भी यह दर बढ़कर 17.4 फीसदी पहुंच गई, जो मई में 16.3 फीसदी थी।?इसमें ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्र शामिल हैं। इस आयु वर्ग के पुरुषों में बेरोजगारी दर 14.7 फीसदी रही, जो मई के 14.5 फीसदी की तुलना में अधिक है।?सर्वे से पता चला है कि 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों में श्रमबल भागीदारी दर (एलएफपीआर) जून में घटकर 54.2 फीसदी रह गई।?मई में यह 54.8 फीसदी रही थी। ग्रामीण?क्षेत्रों में यह दर 56.1 और शहरों में 50.4 फीसदी रही।

अस्थायी कर्मचारियों की भर्ती 9.7 फीसदी बढ़ी

देश में काम के आधार पर निश्चित अवधि वाली यानी अस्थायी नौकरियों की संख्या बढ़ी है। इस श्रेणी में कर्मचारियों की संख्या पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में 9.7 फीसदी बढ़ी है।?इंडियन स्टाफिंग फेडरेशन (आईएसएफ) की रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर तनाव और व्यापार युद्ध के बीच सतर्क धारणा के बावजूद 2024-25 में उद्योग ने 1.39 लाख नए अस्थायी कर्मचारियों को जोड़ा। फेडरेशन के उपाध्यक्ष मनमीत सिंह ने कहा, सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भर्ती करने वाले उद्योग ने 2024-25 की चौथी तिमाही में 2.3 फीसदी की वृद्धि दर्ज की।

वैश्विक तनाव के बीच ऊर्जा आपूर्ति स्थिर, भारत निभा रहा अग्रणी भूमिका

मुंबई, एजेंसी। मौजूदा भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर्याप्त है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने यह बात कही। पुरी ने वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच ऊर्जा सुरक्षा के बारे में चिंताओं पर बात की। उन्होंने कहा कि कई चीजें है जो कच्चे तेल की कीमतों पर असर डालती हैं। लोग कहते हैं कि अगर कहीं सैन्य संघर्ष होता है, तो इसका असर होगा। कई सैन्य संघर्ष होते हैं, फिर भी कीमतें 65 से 70 डॉलर प्रति बैरल के बीच रहती हैं।

ओपेक सेमिनार का किया जिक्र

केंद्रीय मंत्री ने वैश्विक ऊर्जा मंचों में भारत की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया, खासतौर पर यह बताते हुए कि देश ने हाल ही में पहली बार ओपेक सेमिनार में भाग लिया। उन्होंने कहा कि यह मूल रूप से ओपेक देशों की एक बैठक है। अब जबकि हम दुनिया में कच्चे तेल के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से एक हैं, तो हमारा वहां उपस्थित होना स्वाभाविक है। पेट्रोलियम मंत्री ने हाल ही में ऑस्ट्रिया, आइसलैंड और नॉर्वे की यात्रा पूरी की, जिसका उद्देश्य ऊर्जा साझेदारियों को मजबूत करना और इस क्षेत्र में नए अवसरों की तलाश करना था।आइसलैंड की यात्रा के दौरान पुरी ने जियोथर्मल ऊर्जा सहयोग की संभावनाओं पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आइसलैंड जियोथर्मल के मामले में बहुत मजबूत है और हम उनका लगातार सहयोग कर रहे हैं। वहां निजी क्षेत्र से बातचीत करने का फायदा यह होता है कि भविष्य में किए जा सकने वाले काम की पहचान हो सकेगी।पुरी ने इंडिया एनर्जी वीक के उल्लेखनीय विकास पर प्रकाश डाला, जिसकी शुरुआत तीन साल पहले हुई थी। अब यह अबू धाबी स्थित एडीआईपीईसी के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ऊर्जा मंच बन गया है। उन्होंने बताया, ÷एडीआईपीईसी तेल और गैस से संबंधित है, जबकि हम जैव ईंधन और हरित हाइड्रोजन सहित सभी प्रकार की ऊर्जा से संबंधित हैं। उन्होंने इस मंच का विस्तार जियोथर्मल ऊर्जा को शामिल करने की योजना का भी उल्लेख किया।

गौतम अडानी की चाल से फंस गया जेपी एसोसिएट्स की बिक्री में पेच

नई दिल्ली । कर्ज में डूबी कंपनी जेपी एसोसिएट्स के लेंडर्स की मुश्किलें बढ़ गई है। ऐसा अडानी एंटरप्राइजेज की बिना शर्त बोली के कारण हुआ है। जेपी एसोसिएट्स को खरीदने के लिए अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी ने बिना शर्त बोली लगाई है। सूत्रों के अनुसार इससे कर्जदाताओं के सामने एक अजीब स्थिति पैदा हो गई है। कर्ज चुकाने के लिए कर्जदाताओं को सभी बोलियों का मूल्यांकन करना होता है। लेकिन जेपी एसोसिएट्स के लिए बोली लगाने वाली दूसरी कंपनियों ने कुछ शर्तों के साथ बोलियां लगाई हैं। इसका मतलब है कि उनकी बोलियां कुछ खास परिस्थितियों पर निर्भर करती हैं। वैसे तो आईबीसी (इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड) कर्जदाताओं को बिना शर्त वाली बोली चुनने से नहीं रोकता है। अगर कोई और बिना शर्त वाली बोली नहीं है, तो वे ऐसा कर सकते हैं। आईबीसी एक कानून है जो कंपनियों को दिवालिया होने से बचाता है और कर्ज चुकाने में मदद करता है। लेकिन अडानी की बोली सबसे ज्यादा नहीं है। इसलिए कर्जदाता एक तरह से फंस गए हैं।

बेटे को लेकर फिर उमड़ा अमिताभ का प्यार, बोले- 'अभिषेक तुमने कर दिखाया'

मुंबई, एजेंसी। अमिताभ बच्चन अपने बेटे व अभिनेता अभिषेक बच्चन की तारीफ करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ते हैं। वो अक्सर अपना पुत्र मोह दिखाते हैं और सोशल मीडिया पर बेटे अभिषेक की तारीफ में कसीदे पढ़ते रहते हैं। अब एक बार फिर बिग बी ने अभिषेक की इस साल आई फिल्मों की तारीफ करते हुए एक पोस्ट किया है। बिग बी ने एक्स पर एक पोस्ट में अभिषेक की तारीफ की है। इसमें उन्होंने अभिषेक की इस साल आई फिल्मों और उनमें अभिषेक के अभिनय की तारीफ की है। बिग ने अपनी पोस्ट में लिखा, ÷अभिषेक, एक साल में तीन फिल्में बनाईं और तीनों अलग अलग भूमिकाएं। 'आई वॉन्ट टू टॉक', 'हाउसफुल 5' और 'कालीधर लापता'। तीनों में ऐसा प्रदर्शन जो सब से अलग किरदार। कहीं भी नहीं लगा कि ये अभिषेक बच्चन है। सब में यही लगा कि यही किरदार है। ऐसा आज के युग में देखना अलग बात, उसे स्वीकार करना और सक्षम निभाना ये गुण अभिषेक तुमने दुनिया को दिखा दिया। मेरा दिल से आशीर्वाद और ढेर सारा प्यार। अपनी पोस्ट में आगे बिग बी ने लिखा कि हां, तुम मेरे बेटे हो और मुझे तुम्हारी प्रशंसा करते हुए कोई नहीं रोक सकता। अभी तो साल का अंत भी नहीं हुआ है। ना जाने और क्या क्या फूल तुम खिलाओगे। अपनी पोस्ट में बिग बी ने कई सारे इमोजी का भी इस्तेमाल किया है। अमिताभ बच्चन अक्सर ही अभिषेक की तारीफ में सोशल मीडिया पर पोस्ट करते रहते हैं।

लॉर्ड्स टेस्ट में धीमी ओवर गति के कारण इंग्लैंड के अंक कटे, तालिका में तीसरे स्थान पर खिसका

लंदन , एजेंसी। इंग्लैंड की टीम बुधवार को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका में एक पायदान नीचे तीसरे स्थान पर खिसक गई। लॉर्ड्स में भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में धीमी ओवर गति के कारण उसके दो अंक काट दिए गए। बेन स्टोक्स की अगुआई वाली टीम पर टेस्ट के बाद मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना भी लगाया गया है। इंग्लैंड ने यह मैच 22 रन से जीता था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने इंग्लैंड पर यह जुर्माना लगाया। इंग्लिश टीम ने निर्धारित समय में दो ओवर कम किए थे। भारत अभी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। आईसीसी ने अपने बयान में कहा, %खिलाड़ियों और उनके सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता की न्यूनतम ओवर गति से जुड़ी धारा 2.22 के अनुसार खिलाड़ियों पर उनके द्वारा निर्धारित समय में प्रत्येक ओवर कम फेंकने पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। इसमें कहा गया है, %इसके अलावा आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की खेल शर्तों के अनुच्छेद 16.11.2 के अनुसार निर्धारित समय में प्रत्येक ओवर कम होने पर टीम का प्रत्येक ओवर के लिए एक अंक काट दिया गया है। इस तरह से इंग्लैंड के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के कुल अंकों में से दो अंक काट दिए गए हैं।% विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में इंग्लैंड के से 24 से घटकर 22 हो गए हैं। इस कारण उसका अंक प्रतिशत (पीसीटी) 66.67 प्रतिशत से घटकर 61.11 प्रतिशत हो गया। श्रीलंका को इसका फायदा मिला जिसका प्रतिशत 66.67 है और वह इंग्लैंड को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गया है।

सिल्वर्टन इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने सेबी के समक्ष डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई। सिल्वर्टन इंडस्ट्रीज लिमिटेड पर्यावरण अनुकूल विशेष कागज के निर्माण और डिस्ट्रीब्यूशन में संलग्न और अपने एकीकृत परिचालनों के माध्यम से विभिन्न प्रकार के अंतिम उपयोग उद्योगों को सेवाएं करती है। कंपनी के कागज आधारित उत्पादों की व्यापक श्रृंखला में लेखन और प्रिंटिंग कागज, क्राफ्ट पेपर; (कपस्टॉक पेपर, और अन्य विशिष्ट श्रेणी के कागज शामिल हैं। हमारे उत्पादों का उपयोग खुदरा, कॉर्पोरेट, शैक्षिक और सरकारी क्षेत्रों, पैकेजिंग, एफएमसीजी और सेकंडरी पैकेजिंग, खाद्य एवं पेय पैकेजिंग, त्वरित सेवा वाले रेस्टोरेंट के लिए सेकंडरी और तरल पैकेजिंग लेबल एवं स्टेशनरी सॉल्यूशन और (1) फार्मास्युटिकल क्षेत्र के लिए पैकेजिंग आदि में किया जाता है। सिल्वर्टन इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल कर दिया है।

ओरिएंट केबल्स (इंडिया) लिमिटेड ने 700 करोड़ रुपये तक के आईपीओ के लिए सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई। ओरिएंट केबल्स (इंडिया) लिमिटेड एक विनिर्माण कंपनी है जिसका मुख्य ध्यान नेटवर्किंग केबल और पैसिव नेटवर्किंग उपकरणों पर है। यह लगभग दो दशकों से कार्यरत है और ब्रॉडबैंड, दूरसंचार, डेटा सेंटर, नवीकरणीय ऊर्जा, स्मार्ट बिल्डिंग ऑटोमेशन/सुरक्षा, सिस्टम इंटीग्रेशन, स्वास्थ्य और ऑटोमोटिव सहित उच्च-विकासशील उद्योगों की आवश्यकताओं को पूरा करती है। कंपनी निम्नलिखित व्यापक क्षेत्रों के अंतर्गत विविध प्रकार के उत्पादों का निर्माण करती है÷ नेटवर्किंग केबल और समाधान; विशेष ऊर्जा, ऑप्टिकल फाइबर केबल और समाधान; और अन्य संबद्ध उत्पाद। ओरिएंट केबल्स (इंडिया) लिमिटेड ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल कर दिया है। कंपनी की योजना आरंभिक सार्वजनिक निर्गमों (आईपीओ) के माध्यम से कुल 7000 मिलियन (700 करोड़) तक के इक्विटी शेयरों (प्रत्येक का अंकित मूल्य 1) के प्रस्ताव आकार की तुलना में धन जुटाने की है। अमेजन पे ने रिवॉर्ड्स गोल्ड को पेश किया है, जो एक आसान रिवार्ड प्रोग्राम है, जिसमें प्राइम मेंबर्स को प्रत्येक योग्य लेनदेन पर 5 प्रतिशत कैशबैक और गैर-प्राइम ग्राहकों को 3 प्रतिशत कैशबैक मिलेगा। इस प्रोग्राम के लिए पात्रता हासिल करना आसान है÷ इन रिवॉर्ड को पाने के लिए अमेजन पे के माध्यम से खरीदारी या भुगतान के 25 लेनदेन पूरे करने होंगे। पात्रता हासिल करने के बाद, मेंबर्स विभिन्न श्रेणियों और मर्चेंट्स के साथ होने वाले हर लेनदेन पर 5 प्रतिशत तक का सुनिश्चित कैशबैक हासिल कर सकेंगे।

चमकने के लिए तैयार हो जाइए - मिआ बाए तनिष्क के आकर्षक ऑफर को हाथ से जाने न दें!

मुंबई। भारत के एक अग्रणी फाइन ज्वेलरी ब्रांड, मिआ बाए तनिष्क ने एक अभूतपूर्व ऑफर प्रस्तुत किया है। इस एक्सक्लूसिव ऑफर में चुनिंदा डायमंड ज्वेलरी के मेकिंग चार्जेस पर 100 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। मनचाही स्टाइलिश ज्वेलरी को बेहतरीन कीमत पर खरीद पाने का यह सुनहरा मौका मिआ बाए तनिष्क अपने ग्राहकों को दे रहा है। 3 जुलाई से 20 जुलाई 2025 तक इस सेल का लाभ उठाया जा सकता है। अपने ग्राहकों को मूल्य प्रदान करने के लिए मिआ प्रतिबद्ध है और इस ऑफर ने उसे फिर एक बार दर्शाया है। स्टोर में जाकर और ऑनलाइन खरीदारी करके, इस सेल का और लाभ देने वाले शॉपिंग अनुभव का आनंद लीजिए। इस आकर्षक ऑफर को हाथ से जाने न दें - 1 आभूषण की खरीदारी पर मेकिंग चार्जेस पर 30 प्रतिशत की छूट, 2 आभूषणों की खरीदारी पर मेकिंग चार्जेस पर 50 प्रतिशत की छूट और 3 आभूषणों की खरीदारी पर मेकिंग चार्जेस पर 100 प्रतिशत छूट मिलेगी। अगर आप अपना पुराना सोना एक्सचेंज कर रहे है तो एक्सचेंज पर मिल सकता है 100 प्रतिशत तक मूल्य। एक से बढ़कर एक आभूषणों की बहुत बड़ी रेन्ज में से आप अपनी पसंद चुन सकते हैं।

गोदरेज की एआई-पावर्ड फ्रंट लोड वॉशिंग मशीन, हर धुलाई में पाएं कपड़ों में नई चमक

मुंबई। गोदरेज की एआई-पावर्ड फ्रंट लोड वॉशिंग मशीन रेंज अत्याधुनिक तकनीक और आकर्षक डिज़ाइन के साथ कपड़े धोने के अनुभव को नए सिरे से परिभाषित कर रही है। यह मशीनें हर धुलाई के बाद कपड़ों को नया जैसा बना देती हैं, बेहतरीन वॉश परफॉर्मेंस और सुविधा के साथ। यह वाशिंग मशीन 6.5 किलोग्राम से 10 किलोग्राम तक की क्षमता में उपलब्ध है, जिसे विशेष रूप से भारतीय उपभोक्ताओं की भौगोलिक और जलवायु परिस्थितियों, पारिवारिक आकार और कपड़े धोने की आदतों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है। ये मशीनें एआई टेक्नोलॉजी से सुसज्जित हैं जो वॉश और रिंस प्रक्रिया को बुद्धिमानी से ऑप्टिमाइज़ करती हैं, स्मार्ट लोड डिटेक्शन और वॉटर लेवल एडजस्टमेंट के ज़रिए कपड़ों की बेहतरीन देखभाल करती हैं, साथ ही पानी और बिजली की भी बचत करती हैं।

आरबीआई ने औद्योगिक परिदृश्य का तिमाही सर्वेक्षण शुरू किया

नई दिल्ली, एजेंसी। कारोबारी धारणा का आकलन करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने विनिर्माण क्षेत्र का तिमाही औद्योगिक परिदृश्य सर्वेक्षण (आईओएस) शुरू किया है। केंद्रीय बैंक ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। इसके साथ ही आरबीआई ने तीन महीने के अंतराल पर होने वाले इंफ्रास्ट्रक्चर आउटलुक सर्वेक्षण (एसआईओएस) का 46वां दौर भी शुरू कर दिया है।

भारतीय विनिर्माण क्षेत्र के त्रैमासिक आईओएस के 111वें दौर में मांग की स्थिति, वित्तीय स्थिति, रोजगार की स्थिति और मूल्य स्थिति से संबंधित संकेतकों के एक सेट पर प्रतिक्रियाओं के आधार पर, चालू तिमाही (क्त2÷2025-26) के लिए व्यावसायिक भावनाओं और आगामी तिमाही (क्त3÷2025-26) के लिए अपेक्षाओं का आकलन किया जाएगा। आरबीआई ने कहा कि एसआईओएस के 46वें दौर में भारत में सेवा और बुनियादी ढांचा क्षेत्र की चुनिंदा कंपनियों की चालू तिमाही के लिए कारोबारी स्थिति का आकलन किया जाएगा। इसके साथ ही मांग की स्थिति, वित्तीय स्थिति, रोजगार की स्थिति और मूल्य स्थिति से संबंधित संकेतकों पर प्रतिक्रियाओं के आधार पर आगामी तिमाही के लिए उनकी अपेक्षाओं का आकलन किया जाएगा। दोनों सर्वेक्षणों में आगामी दो तिमाहियों के लिए प्रमुख मापदंडों पर दृष्टिकोण को भी शामिल किया गया है। सर्वेक्षण करने के लिए अधिकृत एजेंसी चयनित कंपनियों से संपर्क करेगी। आरबीआई ने कहा कि विनिर्माण, सेवा और बुनियादी ढांचा क्षेत्र की अन्य कंपनियां भी उसकी वेबसाइट से प्रश्नावली डाउनलोड करके इसमें भाग ले सकती हैं। केंद्रीय बैंक ने कहा कि सर्वेक्षणों के निष्कर्ष नियमित रूप से आरबीआई की वेबसाइट पर सारांश रूप में जारी किए जाते हैं, जहां उत्तरदाताओं की पहचान उजागर नहीं की जाती है।

जून में बेरोजगारी दर में बदलाव नहीं, मई की तुलना में 5.6 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रहा आंकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में बेरोजगारी दर इस साल मई की तुलना में जून में 5.6 प्रतिशत पर स्थिर रही। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों से इसकी पुष्टि हुई। इस वर्ष अप्रैल में, सांख्यिकी व कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने देश में नौकरियों के लिए पात्र लोगों में बेरोजगार लोगों के अनुपात की वास्तविक समय पर निगरानी करने के प्रयासों के तहत पहला मासिक आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) जारी किया। वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) में एकत्र किए गए नवीनतम आंकड़ों से पता चला है कि 2025 में जून और मई के दौरान सभी आयु वर्ग के व्यक्तियों के लिए बेरोजगारी दर (यूआर) 5.6 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रही, जो इस वर्ष अप्रैल में 5.1 प्रतिशत से थोड़ी अधिक है। जून 2025 में महिलाओं और पुरुषों में बेरोजगारी की दर देश स्तर पर 5.6 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रही। महिलाओं के लिए यूआर पिछले महीने घटकर 5.6 प्रतिशत रह गई, जबकि इस वर्ष मई में यह 5.8 प्रतिशत थी। देश भर में 15-29 आयु वर्ग के लोगों में बेरोजगारी दर मई 2025 में 15 प्रतिशत से बढ़कर जून में 15.3 प्रतिशत हो गई। शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी की दर जून में बढ़कर 18.8 प्रतिशत हो गई, जो पिछले महीने 17.9 प्रतिशत थी, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह दर आलोच्य महीने में 13.8 प्रतिशत थी, जो पिछले महीने 13.7 प्रतिशत थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए बेरोजगारी दर में कमी का कारण मई 2025 की तुलना में जून 2025 में स्वयं-खाते वाले श्रमिकों की हिस्सेदारी में वृद्धि और बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या में कमी है। सर्वेक्षण से यह भी पता चला कि 15-29 आयु वर्ग की महिलाओं में बेरोजगारी दर पिछले महीने बढ़कर 17.4 प्रतिशत हो गई, जबकि मई में यह 16.3 प्रतिशत थी। यह दर ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों को

सोने के दाम में 490 प्रति 10 ग्राम और चांदी में 1000 प्रति किलो की की गिरावट आई

मुंबई, एजेंसी। सावन के महीने में सोना या चांदी खरीदने के लिए बाजार जाने का सोच रहे है तो पहले ताजा भाव जान लीजिए। आज बुधवार को सोने के दाम में 490 प्रति 10 ग्राम और चांदी के रेट में 1000 प्रति किलो की की गिरावट आई है। नई कीमतों के बाद सोने 99 हजार के पार और चांदी के दाम 1.14 लाख पर ट्रेंड कर रहे है। आज बुधवार को सराफा बाजार की ओर जारी सोने और चांदी के अनुसार आज 16 जुलाई 2025 को 22 कैरेट सोने के दाम 91,150 , 24 कैरेट का भाव 99,430 और 18 ग्राम सोने का रेट 74,580 रुपए पर ट्रेंड कर रहे है। वहीं 1 किलो चांदी का रेट 1, 14,000 हजार रुपए चल रहा है।

18 कैरेट सोने का आज का भाव: दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 74 580/- रुपये। कोलकाता और मुंबई सराफा बाजार में 74, 460/- रुपये। इंदौर और भोपाल में सोने का भाव 74, 510 चल रहा है। चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 75, 000/- रुपये पर ट्रेड कर रही है।

22 कैरेट सोने का आज का भाव: भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 91, 050/- रुपये । जयपुर, लखनऊ, दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 91,000/- रुपये । हैदराबाद, केरल, कोलकाता, मुंबई सराफा बाजार में 91,150/- रुपये ट्रेंड कर रहा है।

24 कैरेट सोने का आज का भाव: भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 99,330 रुपये दिल्ली जयपुर लखनऊ और चंडीगढ़ सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 99, 430 /- रुपये। हैदराबाद, केरल, बैंगलुरू और मुंबई सराफा बाजार में 99, 280/- रुपये । चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 99,280/- रुपये पर ट्रेंड कर रहा है।

इंडस्ट्रियल एसोसिएशन पीलूखेड़ी की समिति का गठन

भोपाल। इंडस्ट्रियल एसोसिएशन पीलूखेड़ी की मीटिंग ओसवाल डेनिम में आयोजित की गई जिसमें पुनः आर के चौधरी यूनिट हेड लैप इंडिया को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया वहीं पर के के गिरी कोका-कोला यूनिट हेड एवं मयंक बाजपेई वाइस प्रेसिडेंट मानव संसाधन ओसवाल डेनिम के प्रस्ताव पर संरक्षक मदन गोपाल चौधरी ओसवाल यूनिट हेड को बनाया गया। रवि गुप्ता कोको कोला एचआर मैनेजर को महासचिव, उपाध्यक्ष मुंशी भगत भोपाल ग्लूज आर केमिकल,महेश जैसवाल विंध्याचल डिस्टलरीज मैनेजर सचिव, कोषाध्यक्ष महेंद्र श्रीवास्तव एमपी प्रेसीजन प्रबंध संचालक , उपकोषाध्यक्ष विनोद केवी कैंप प्रबंध संचालक , मीडिया प्रभारी शाहिद पठान, स्वास्थ्य एव सुरक्षा प्रभारी अजीत भौमिक एचपीसीएल यूनिट हेड, शुभम सिंह ओसवाल डेनिम, कार्यकारिणी समिति तनवीर अहमद प्राइम कंटेनर प्रबंध संचालक, इब्राहिम राजा अमीना मेहंदी प्रबंध संचालक,सिद्धार्थ जैन स्वराज इलेक्ट्रिकल्स प्रबंध संचालक, पंकज जैन फाइटो ड्रग्स प्रबंध संचालक, राजेश स्वर्णकर स्वर्ण फर्टिलाइजर प्रबंध संचालक, गौरव अग्रवाल मैनेजर पोलीफॉर्म पैकेजिंग राहुल अग्रवाल शिखरजी मेटल प्रबंध संचालक, संगठन सदस्य अनूप शर्मा महाकाल पशु हर प्रबंध संचालक, योगेश शर्मा बजरंग इंफ्रा एचआर मैनेजर, रॉबिन गवलानी आर डी कैंप प्रबंध संचालक, प्रतीक गर्ग , रूपल अग्रवाल न्यू वर्ल्ड प्रबंध संचालक, मुकेश विश्वकर्मा दृष्टि इंडस्ट्रीज नीरज यादव प्राइम कंटेनर्स संदीप भाटियाओसवाल ,सत्य प्रकाशओसवाल , ध्रुव नारायण सिंह आदि लोग उपस्थित रहे एवं संगठन के कार्यों पर चर्चा की गई प्रीति महा मीटिंग आयोजित की जाएगी इसका प्रस्ताव पारित किया गया

हर महीने 50000 रुपये से कम कमाने वाले 93 प्रतिशत वेतनभोगी क्रेडिट कार्ड पर निर्भर, स्वरोजगार वाले 85 फीसदी

नई दिल्ली, एजेंसी। अध्ययन के मुताबिक, 'अभी खरीदें और बाद में भुगतान करें' (बीएनपीएल) सेवाओं का इस्तेमाल 18 फीसदी स्वरोजगार और 15 फीसदी वेतनभोगी व्यक्ति करते हैं। यह अध्ययन 20,000 से अधिक वेतनभोगी और स्वरोजगार वाले व्यक्तियों के वित्तीय व्यवहार के विश्लेषण पर आधारित है। कम कमाई?करने वाले लोगों की क्रेडिट कार्ड पर निर्भरता बढ़ रही है। थिंक 360 डॉट एआई के एक अध्ययन में कहा गया है, हर महीने 50,000 रुपये से कम कमाने वाले लगभग 93 फीसदी वेतनभोगी इस प्लास्टिक मनी पर निर्भर हैं। वहीं, स्वरोजगार वाले 85 फीसदी व्यक्ति भी क्रेडिट कार्ड पर निर्भर हैं। मंगलवार को जारी अध्ययन के मुताबिक, 'अभी खरीदें और बाद में भुगतान करें' (बीएनपीएल) सेवाओं का इस्तेमाल 18 फीसदी स्वरोजगार और 15 फीसदी वेतनभोगी व्यक्ति करते हैं। यह अध्ययन 20,000 से अधिक वेतनभोगी और स्वरोजगार वाले व्यक्तियों के वित्तीय व्यवहार के विश्लेषण पर आधारित है। थिंक 360 डॉट एआई के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अमित दास ने कहा, भारत के विकसित होते कर्ज परिदृश्य में क्रेडिट कार्ड और बीएनपीएल अब वेतनभोगी पेशेवरों से लेकर अस्थायी कर्मियों तक सभी के लिए जरूरत बन गए हैं। फिनटेक कंपनियों के बढ़ते प्रभाव का उल्लेख करते हुए?अध्ययन में कहा गया है कि ये कंपनियां भारत की डिजिटल ऋण क्रांति का नेतृत्व कर रही हैं। फिनटेक कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022-23 में 92,000 करोड़ रुपये से अधिक के व्यक्तिगत कर्ज वितरित किए7

बेहतर मानसून से भारत का चीनी उत्पादन 15 प्रतिशत बढ़ेगा

बेहतर मानसून के पूर्वानुमान से गन्ने की खेती और उपज में बढ़ोतरी होने की संभावना है। इसके परिणामस्वरूप चीनी उत्पादन में 15 प्रतिशत की वृद्धि होगी। रेटिंग एजेंसी आईसीआरए की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि इस वर्ष महाराष्ट्र और कर्नाटक में गन्ने की खेती में बेहतर पैदावार होने की संभावना है। चीनी उत्पादन में वृद्धि के कारण चीनी कंपनियों के राजस्व में 6 से 8 प्रतिशत की वृद्धि होगी।

आईसीआरए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष गिरीशकुमार कदम ने कहा कि बेहतर मानसून और प्रमुख चीनी उत्पादक राज्यों में गन्ना रकबे और उपज में अपेक्षित सुधार होगा। इस बीच सकल चीनी उत्पादन 2020-25 के 29.6 मिलियन मीट्रिक टन से बढ़कर चीनी विपणन वर्ष 2026 में 34 मिलियन मीट्रिक टन हो जाएगा। हालांकि, रिपोर्ट में चिंता जताई गई है कि अगर इथेनॉल की कीमतें स्थिर रहीं तो चीनी मिलों के लिए लाभ मार्जिन में मामूली वृद्धि ही रहने की संभावना है। गिरीशकुमार कदम ने कहा कि भले ही चीनी विपणन वर्ष 2026 में इथेनॉल उत्पादन की ओर डायवर्जन बढ़ने की उम्मीद है, लेकिन सीजन के अंत तक देश में चीनी का अंतिम स्टॉक स्तर संतोषजनक बना रहेगा। इसके अलावा, घरेलू चीनी की कीमतें, जो वर्तमान में 39 से 41 रुपये प्रति किलोग्राम के दायरे में हैं। अगले सीजन की शुरुआत तक स्थिर रहने की उम्मीद है, जिससे मिलों के मुनाफे को समर्थन मिलेगा। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि चीनी क्षेत्र स्थिर रहने की संभावना है, जिसे राजस्व में अपेक्षित सुधार,

स्थिर लाभप्रदता और आरामदायक ऋण कवरेज मैट्रिक्स के साथ-साथ इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम (ईबीपी) सहित सरकार के नीतिगत समर्थन से मदद मिलेगी। हालांकि, आईसीआरए ने डिस्टलरी को लाभप्रदता को बनाए रखने के लिए इथेनॉल की कीमत में संशोधन की आवश्यकता पर जोर दिया है। इथेनॉल मिश्रण और इस क्षेत्र से संबंधित लाभप्रदता पर टिप्पणी करते हुए कदम ने कहा कि इथेनॉल मिश्रण की प्रवृत्ति उत्साहजनक बनी हुई है और भारत सरकार द्वारा निर्धारित 20त्न मिश्रण लक्ष्य हाल के महीनों में प्राप्त कर लिया गया है।

इसके अलावा, सरकार मिश्रण लक्ष्य को 20त्न से अधिक बढ़ाने के विकल्प पर विचार कर रही है, जिससे डिस्टिलरीज को मदद मिलेगी। हालांकि, उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी) में लगभग 11.5त्न की वृद्धि के बावजूद, जूस और बी-हैवी आधारित इथेनॉल की कीमतों में लगातार दो वर्षों से संशोधन नहीं किया गया है। इसलिए, डिस्टिलरीज और चीनी उद्योग की लाभप्रदता को बनाए रखने के लिए इथेनॉल की कीमतों में संशोधन महत्वपूर्ण बना हुआ है।

दिशा खुराना ने चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा पास की

अमरवाड़ा। शहर की होनहार -छात्रा दिशा खुराना ने शिक्षा के क्षेत्र में चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा पास कर बड़ी उपलब्धि का परचम लहराया है, यहां यह बात उल्लेखनीय है कि जहां कई छात्र-छात्रा बड़े शहरों में रहकर, लाखों रुपए खर्च करके, कोचिंग करके, जो सफलता हासिल नहीं कर पाते वही दिशा खुराना ने अपने घर में रहकर ऑनलाइन शिक्षा ग्रहण कर इस सफलता को हासिल कर कामयाबी की एक नई इबारत लिख दी द्य दिशा स्थानीय व्यवसाय संजय खुराना की बेटी है, उसने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता को दिया है, अमरवाड़ा क्षेत्र का नाम रोशन करने वाली दिशा को शहर वासियों ने बधाई दी और उसके उज्जवल भविष्य की कामना की।

श्रमदान कर किया पौधरोपण

छिंदवाड़ा। शासकीय आईटीआई, छिंदवाड़ा में प्राचार्य सी बी उईके, प्रभारी अधीक्षक आर सी रजक, जे एस राठौर एन सी एन अधिकारी कैप्टन स्वामी सूर्यवंशी एवं स्टाफ एनसीसी कैडेट्स एवं छात्रों ने एकजुट होकर श्रमदान कर समाज के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी का परिचय दिया।साथ ही संस्था प्राचार्य द्वारा संस्था के विकलांग प्रशिक्षणार्थियों को पुष्प गुच्छ एवं फूल माला से स्वागत किया गया और उन्हें अपने लक्ष्य सफल होने की शुभकामनाएं प्रदान की गई।स्वयं हाथों से श्रम कर पसीना बहाने का अनुभव विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण और कौशल विकास का सशक्त माध्यम बनता है। एनसीसी के छात्रों ने न केवल कार्य में भाग लिया, बल्कि स्वच्छता, अनुशासन और सामाजिक सहभागिता की मिसाल भी कायम की।

श्री धनवंतरि आयुर्वेद सेवा समिति की वार्षिक बैठक

छिंदवाड़ा। श्री धनवंतरि आयुर्वेद सेवा समिति की

प्रथम वार्षिक बैठक समिति कार्यालय श्री चौधरी चन्द्रभान सिंह पूर्व मंत्री के बाड़े अलका टाकीज के सामने सिवनी रोड, छिंदवाड़ा मे सम्पन्न हुई. बैठक का शुभराम्भ भगवान गणेश लक्ष्मी व आयुर्वेद के भगवान श्री धनवंतरि की पूजन के साथ किया गया. समिति अध्यक्ष चौधरी निरंजन सिंह ने बताया की आज समिति कार्यालय के उद्घाटन के साथ प्रथम वार्षिक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमे जिले भर से आये वैधजनो ने आयुर्वेद से सम्बंधित जानकारी का आदान प्रदान किया, कुछ सदस्यो की आजीवन सदस्यता की रसीद काटी गई। बैठक का समापन प्रसाद वितरण के साथ हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न हुआ, बैठक मे श्री धनवंतरि आयुर्वेद सेवा समिति अध्यक्ष चौ. निरंजन सिंह, उपाध्यक्ष सोहन लाल कहार, कोषाध्यक्ष देवकुमार पानकर, संरक्षक विजय अजमेरा, चौ चंद्रसेन पटेल, सचिव नीलेश राजा सिंह राजपूत, सह सचिव प्रसून ढोबलेकर व अन्य समिति सदस्य उपस्थित रहे.

विश्व हिंदू परिषद् बजरंग दल के द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर

छिंदवाड़ा। श्रावण मास के प्रथम सोमवार पर सौसर प्रखंड के मोहगाव हवेली मे स्थित अर्धनारीश्वर शिव मन्दिर प्रांगण में चरक आयुर्वेद सेंटर छिंदवाड़ा के विशेषज्ञों की

टीम ने निशुल्क स्वास्थ्य शिविर विहिप बजरंग दल के माध्यम से संपन्न किया स्वास्थ शिविर में विभिन्न स्थानों से आए लगभग 173 मरीजों ने अपना स्वास्थ परिक्षण कर निशुल्क दवा का लाभ प्राप्त किया वर्तमान मे बरसात के समय मे ग्रामीण क्षेत्रों में संक्रमण का खतरा बड़ जाता है इसी का ध्यान रखते हुए स्वास्थ शिविर का आयोजन किया गया

विशेषज्ञ डॉक्टर की टीम- डॉ विनोद यादव जी डॉ रामकुमार आमगोरिया, डॉ योग.दीपक चोरिया,सोनू चोरिया समाज सेवी अखिल सूर्यवंशी आदि डॉ उपस्थित थे। जिला मंत्री सुभाष गड़ेकर के मार्ग दर्शन और विहिप उपाध्यक्ष अनिल वंजारी, प्रखंड मंत्री गणेश प्रजापति की उपस्तिथि में सम्पन्न हुआ इस अवसर पर प्रखंड संयोजक लखन पवार,सह संयोजक मनोज पाल,दिव्यांशु कराडे, राज दुर्गे, अनुराग कोसे, नीलू जी,निखिल जी और सभी विहिप अधिकारियों के साथ सभी बजरंगियों का सहयोग रहा ।

पैंचवेली से छिंदवाड़ा का नाम हटा : मनीष पाण्डे

छिन्दवाड़ा: मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ के अथक व सतत प्रयासों से छिन्दवाड़ा का एक नाम व पहचान विश्व पटल पर बनी। नेताद्वय के कार्यकाल में भरपूर विकास हुआ, उन्नति हुई, रोजगार के द्वार खुले, सड़क व रेल मार्ग का विस्तार हुआ। स्टेट व नेशनल हाईवे के साथ ही लगभग 56 किमी लम्बे रिंग रोड के साथ ही गांव-गांव पक्की सड़कों से जुड़े, यह छिन्दवाड़ा-पांढुर्ना जिले का स्वर्णिम काल था। विपरित परिस्थितियों के साथ ही केन्द्र व राज्य में भाजपा की सरकार रही तब भी नेताद्वय ने विकास की रफ्तार को कम नहीं होने दिया। किन्तु केन्द्र व राज्य में भाजपा की सरकार, छिन्दवाड़ा संसदीय क्षेत्र से भाजपा के सांसद होने के बावजूद भी छिन्दवाड़ा का नाम मिटता जा रहा है। पेंचवेली ट्रेन से छिन्दवाड़ा का नाम हटाए जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष मनीष पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बयान जारी किए हैं।

देश के निर्माताओं को सब्जी और दाल के नाम पर खिलाया जा रहा घटिया भोजन

छात्र-छात्राओं ने की हड़ताल राजनीतिक दखल के कारण आदिवासी बच्चों की अनदेखी

छिंदवाड़ा। जिले के बिछुआ स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय सिंगारद्वीप से चौंकाने वाली तस्वीरें सामने आई हैं। यहां के छात्र-छात्राओं को न केवल बेहद खराब गुणवत्ता का भोजन परोसा जा रहा है, बल्कि खाने में इल्ली, कंकड़ और एक्सपायरी खाद्य सामग्री तक पाए गए हैं। छात्रों के अनुसार दाल पतली और सब्ज़ी में सिर्फ पानी दिया जा रहा है।

भोजन में निकली इल्ली और कंकड़, छात्र-छात्राओं में आक्रोश: विद्यालय के अधीक्षक, प्राचार्य और स्टाफ ने भी यह पुष्टि की है कि भोजन की गुणवत्ता लगातार खराब है। शिकायतें दर्ज की जा चुकी हैं, लेकिन अब तक ठेकेदार पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। छात्र-छात्राओं ने अधिकारियों से कई बार शिकायत की, लेकिन अब तक उन्हें सिर्फ निराशा ही मिली है।भोजन का ठेका सत्ताधारी दल के नेता से जुड़ी फर्म को !स्थानीय सूत्रों के अनुसार, विद्यालय में भोजन की आपूर्ति शिव इंटरप्राइजेस नामक निजी ठेकेदार द्वारा की जा रही है, जो सत्ताधारी दल से जुड़ा ठेकेदार।

छात्रावास में कार्यरत स्टाफ का आरोप है कि ठेकेदार की मनमानी चल रही है और अधिकारी उस पर कोई एक्शन लेने की स्थिति में नहीं हैं। छात्र बोले- जानवरों को भी न परोसा जाए ऐसा खाना, हम तो इंसान हैं छात्रों का कहना है कि उन्हें जिस स्तर का भोजन दिया जा रहा है, वह मानव स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। दूध और मसालों के डुप्लीकेट पैकेट, एक्सपायरी सामग्री, खराब अनाज जैसी चीजें उपयोग में लाई जा रही हैं। छात्रों ने मुख्यमंत्री से न्याय की गुहार लगाई है।

दोषियों को कड़ी सजा मिले

इस संबंध में प्राचार्य मोहन मर्सकोले का फोन बंद एवं सहायक संचालक सत्येन्द्र मरकाम ने फोन नहीं उठाया। इस प्रकरण की उचित स्तरीय जांच होनी चाहिये, जिससे भविष्य में स्वास्थ्य के प्रति खिलवाड़ न हो सके, दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देनी चाहिये।

सभी होस्टोलों के वाट्सअप नम्बर हो

चूकि मोबाईल का जमाना है प्रदेश सरकार को चाहिये कि वह अपना एक वाट्सअप नंबर जारी करे जिससे रोज खाने का सेम्पल छात्र-छात्रायें प्रशासन को वाट्सअप करें। भ्रष्टाचार रग रग में बसा है इसे खत्म करना बहुत मुश्किल है किन्तु पूरे प्रदेश के होस्टलों में ऐसी व्यवस्था हो जिससे खाने की थाली का फोटो प्रशासन एवं सरकार को भेजा जावे। इसका एक टोल फ्री नम्बर भी होना चाहिये। जब सरकार खाने का पूरा रूपया दे रही है तो घटिया भोजन नहीं दिया जाना चाहिये। मोबाईल फोन 24 घंटे के लिये होता है किन्तु अधिकांश अधिकारी कर्मचारी अपना मोबाईल बंद कर लेते है, उठाते नहीं है एवं कालबैक भी नहीं करते। सरकार ऐसे निर्देश जारी करे कि समय पर फोन नहीं उठा सके तो कालबैक करके बात कर सकें।

ऑनलाइन समन/वारंट की तामीली में प्रदेश में द्वितीय स्थान पर छिंदवाडा

छिंदवाड़ा। पुलिस अधीक्षक अजय पाण्डे के दिशा-निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष गुप्ता के द्वारा सतत मानीटरिंग की गई जिसमें माह जून-2025 में जिलें में कुल 773 समन/वारण्ट प्राप्त हुयें, जिसमें 772 समन/वारण्ट की तामीली समयावधि पर कराई गई, जिससे तामीली का प्रतिशत 99.87त्न रहा, जो ऑनलाईन समन/वारंट की तामीली मे प्रदेश में द्वितीय स्थान पर रहा । मध्यप्रदेश में न्याय व्यवस्था में तेजी लाने के प्रयास जारी हैं. इसी क्रम में वारंट और समन तामील करवाने का काम अब डिजिटली हुआ है, अब मध्यप्रदेश में वारंट व समन ई-मेल, वाट्सएप और मैसेज के जरिए संबंधित व्यक्ति तक भेजे जा रहे है , हाईटेक होते जा रहे जमाने में अब हर काम को सरल बनाने के लिए सरकार व प्रशासन भी तेजी से कदम बढ़ा रहा है. इसके तहत अब संबंधित लोगों तक वॉट्सएप, ई-मेल के जरिए समन और वारंट भेजे जा रहे है. इस व्यवस्था के अनुसार अदालतें अब अपने सॉफ़्टवेयर पर वारंट और समन अपलोड कर रही है. अपलोड होते ही ये दस्तावेज पुलिस के सॉफ़्टवेयर पर उपलब्ध होने पर ऑनलाइन के माध्?यम से समन और वारंट को तामील किये जा रहे है ।

न्याय प्रक्रिया होगी आसान : अभी तक समन व वारंट तामील कराने की प्रक्रिया जटिल थी. जिससे तामीली में काफी समय भी लगता था. लेकिन सारा काम ऑनलाइन होने से अदालतों का काम भी आसान होगा और पुलिस का भी. इसके साथ ही संबंधित व्यक्ति के लिए ये प्रक्रिया सरल होगी. नए नियमों के लागू होने से अदालत के फैसले जल्दी हो सकेंगे और तामील न होने की शिकायतें भी कम होंगी 7

राष्ट्रीय हिन्दू सेना चौरई द्वारा... गौ माता की रक्षा,गौ दुर्घटना से बचाव एवं गौ शाला निर्माण हेतु आक्रोश धरना प्रदर्शन

छिंदवाड़ा/चौरई। राष्ट्रीय हिन्दू सेना चौरई द्वारा गौ माता की निरंतर हो रही दुर्घटना एवं गौ माता की सुरक्षा व गौ शाला निर्माण हेतु सिवनी बाईपास चौरई में किया गया आक्रोश धरना प्रदर्शन 7 चौरई नगर में प्रतिदिन गौ माता के साथ हो रहे दर्दनाक हादसा को रोकने ओर वाहन चालक के ऊपर कार्यवाही करने की मांग रखी है साथ ही गौ शाला के निर्माण एवं गाय के लिए 24 घंटे उपलब्ध पशु चिकित्सक हेतु मांग रखी गई राष्ट्रीय हिन्दू सेना द्वारा मुख्यमंत्री के नाम पर एसडीएम प्रभात मिश्रा को ज्ञापन दिया गया जिसमें पांच सूत्री मांग रखी गई जिसमें प्रशासन द्वारा 20 दिनों के भीतर सभी मांगों को पूरा करने का वादा किया गया प्रशासन द्वारा यदि उपरोक्त समय में मांगो को पूरा नहीं किया गया तो राष्ट्रीय हिन्दू सेना द्वारा उग्र आंदोलन करने हेतु विवश होगा जिसका प्रशासन स्वयं जिम्मेदार होगा इस आक्रोश प्रदर्शन में सकल हिन्दू समाज व राष्ट्रीय हिन्दू सेना के सभी पदाधिकारी एवं चौरई नगर व ग्रामीणों का सहयोग रहा।

10 हजार डंपर का चांद क्षेत्र में है रेत का अवैध भंडारण: विधायक सुजीत चौधरी

विधायक ने जनसुनवाई में दिया आवेदन

छिन्दवाड़ा। भाजपा की सरकार में रेत का अवैध कारोबार जोरों पर है। छिन्दवाड़ा व पांढुर्ना जिला रेत के अवैध उत्खनन व परिवहन में नम्बर वन बन चुका। शासन व प्रशासन के द्वारा कार्रवाई के नाम पर केवल औपचारिकता पूरी की जा रही, क्योंकि अंततः रेत पर कब्जा माफियाओं का ही होता है। चौरई विधानसभा के चांद क्षेत्र की नदियों को छलनी कर भरी बरसात में रेत का खनन किया जा रहा है। अवैध भण्डारण पर खनिज विभाग की ओर से की जा रही दिखावे की कार्रवाई, अवैध उत्खनन सहित जब्त रेत के अनाधिकृत प्रतिस्थापन व विक्रय के विरोध में व चौरई विधानसभा क्षेत्र के चौरई, चांद व बिछुआ में यूरिया खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने कांग्रेस ने जनसुनवाई में कलेक्टर के नाम ज्ञापन प्रस्तुत किया।

चौरई विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के विधायक सुजीत सिंह चौधरी के नेतृत्व में कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्तागण अपनी मांगों का ज्ञापन लेकर जनसुनवाई में पहुंचे। भाजपा सरकार की नाकामी और शासन-प्रशासन की लचर व्यवस्था पर सवाल उठाता हुआ ज्ञापन प्रस्तुत किया। उपस्थित कांग्रेस के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने कहा कि अवैध उत्खनन व परिवहन से ना केवल नदियों को बर्बाद किया जा रहा है बल्कि क्षेत्र की जनता को भी रेत माफियाओं द्वारा परेशान किया जा रहा है। चांद क्षेत्र में 24 घण्टे रेत से भरे भारी वाहनों की आवाजाही के कारण सड़कें भी बर्बाद हो रही। पुलिस और खनिज विभाग की कार्रवाई महज खानापूर्ति बनकर रह गई है। दिखावे की कार्रवाई कर शासन व प्रशासन भी खनन माफियाओं को संरक्षण दे रहा है। तो वहीं क्षेत्र में यूरिया की कमी के चलते किसानों में भारी आक्रोश है। चौरई, चांद व बिछुआ की समितियों के साथ ही नकद विक्रय केन्द्रों में भी खाद की कमी है जिसे अविलम्ब दूर किया जाए।

कांग्रेस ने सात सूत्रीय मांगों के प्रस्तुत ज्ञापन में उल्लेख किया कि चौरई, चांद व बिछुआ की सहकारी समितियों के साथ ही नकद विक्रय केन्द्रों में यूरिया खाद की भारी कमी बनी हुई है जिसे अविलम्ब दूर किया जाए, क्योंकि वर्तमान में फसलों को यूरिया की नितांत आवश्यकता है, अगर समय पर खाद नहीं डाली गई तो पैदावार प्रभावित होगी। इसीलिये तत्काल इन क्षेत्रों के लिए यूरिया खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करें। विगत दिनों खनिज राजस्व व पुलिस विभाग की संयुक्त कार्रवाई में अवैध उत्खनित रेत के भंडारण को जब्त की थी, उसे ठेकेदार के पेटी कांट्रेक्टर व अवैध खत्खननकर्ता की अभिरक्षा में सौंप दिया गया था। जिसमें से अधिकांश रेत कांट्रेक्टर एवं अवैध खननकर्ता द्वारा ठेकेदार की वैध खदानों के समीप भण्डारित कर दिया गया है और कुछ मात्रा में रेत बेची भी जा रही है। ग्राम रमपुरी में पेंच नदी के ऊपर जब्त की गई रेत ठेकेदार के पेटी कांट्रेक्टर एवं सहयोगियों द्वारा बाड़ीवाड़ा , भांडपिपरिया, कौआखेड़ा एवं नोनीबर्रा में वैध खदानों के नजदीक प्रतिदिन भण्डारित किया जा रहा है। वार्ड क्रमांक 04 चांदढ़ाना में जब्त रेत संबंधित पार्षद की अभिरक्षा में रखी गई थी जो कि पार्षद पति द्वारा ही भण्डारित की गई थी उसे भी अनाधिकृत रूप से उठा लिया गया है। साथ ही खमरा रोड में 24 हाईवा जब्त रेत पार्शद सलीम कुरेशी के सूपुर्द की गई थी वह भी गायब कर दी गई है।कांग्रेस ने प्रस्तुत ज्ञापन में उल्लेख किया कि परसगांव उप सरपंच ने स्वयं स्वीकारा की उसकी ही रेत है फिर भी उसे ही सुपुर्दगी दे दी।

संदीप ने प्रदेश अध्यक्ष को छिंदवाड़ा आने का दिया न्योता

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा-भोपाल के भाजपा नेता संदीप रघुवंशी, नगर परिषद चांद के अध्यक्ष दानसिंह रघुवंशी एवं संजय पटेल प्रदेश अध्यक्ष हेमन्त खण्डेलवाल से मिले एवं बधाई दी, संदीप रघुवंशी ने उन्हें छिंदवाड़ा आने का आमंत्रण दिया जिसे स्वीकारते हुये श्री खण्डेलवाल ने कहा कि वे शीघ्र ही छिंदवाड़ा आयेंगे।

3 रैक यूरिया आवंटित की गई, आगामी दिन में जिले को मिलेगी 6000 मीट्रिक टन यूरिया

छिन्दवाड़ा। उप संचालक कृषि जितेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि जिले में वर्तमान में कृषकों द्वारा मक्के की फसल में यूरिया उर्वरक की प्रथम टापड्रेसिंग की जा रही है। कृषकों द्वारा यूरिया की लगातार मांग की जा रही है। वर्तमान तक कृषकों द्वारा 82265 मेट्रिक टन यूरिया उर्वरक का उठाव किया जाकर फसल में छिड़काव किया जा रहा है एवं वर्तमान में छिंदवाडा एवं पांढुर्णा जिले के विभिन्न सहकारी एवं निजी क्षेत्र में 4200 मेट्रिक टन यूरिया उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा 03 रैक यूरिया ट्राजिट में है। आईपीएल, ब्रम्हपुत्र वेली एवं इफको कंपनी की यूरिया आवंटित की जाकर छिंदवाडा जिले के लिये भेजी गई है, जिससे जिले को 6000 मेट्रिक टन यूरिया उपलब्ध हो सकेगा, जिससे किसानों को पर्याप्त मात्रा में प्रदाय किया जायेगा। उन्होंने जिले के कृषकों से अपील की है कि स्वयं के पास उपलब्ध यूरिया उपयोग करें एवं अत्यधिक आवश्यकता पड़ने पर नैनो यूरिया का छिडकाव करें, जो विक्रेताओं के पास पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है एवं सीधे पत्ती पर छिडकाव करने के कारण एवं पत्ती द्वारा सीधे ही अवशोषित होने से दानेदार यूरिया से अधिक प्रभावी है।

झिरपा गौशाला में एक भी गाय नहीं है

छिंदवाड़ा। जिले के झिरपा ग्राम में शासन द्वारा गौशाला बनाई गई है किन्तु इसमें एक भी गाय नहीं है। इसकी जांच की जानी चाहिये, उक्त फोटो भेजा है एवं जांच की मांग जागरूक मतदाता ने की है।

म.प्र. ग्रामीण बैंक किसानो को विभिन्न योजना के 25 लाख के स्वीकारती पत्र प्रदान किए

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक द्वारा आयोजित किसान माह के उपलक्ष्य में बैंक के जनरल मैनेजरअनूप सक्सेना के अमरवाड़ा प्रवास के दौरान किसान संगोष्ठी आयोजित की गई जिसमे किसानो को बैंक एवं भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के विषय में अवगत कराते हुए किसानो से विस्तृत चर्चा की गई। छिंदवाड़ा क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधकअनिल कुमार चत्तर द्वारा अमरवाड़ा के किसानो को साख सूचना के विषय में बताया गया। कार्यक्रम में किसान महा संघ के अध्यक्ष श्री राजेश साहू सलीम ख़ान नीरज नेमा एवं अन्य किसानो ने अपनी समस्या रखते हुए विभिन्न सुझाव प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन बैंक पैनल के अधिवक्ता राकेश विश्वकर्मा द्वारा की गई । कार्यक्रम में किसानो को विभिन्न योजना के 25 लाख के स्वीकारती पत्र प्रदान किए गए । सुरक्षा बीमा के लाभार्थी को सांकेतिक चेक प्रदान किए गए एवं अच्छे साख वाले कृषकों को सम्मानित किया गया। अंत में शाखा प्रबंधक श्री के के साहू द्वारा आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में किसानो के अतिरिक्त बैंक सखी एवं ड्ढ उपस्थित रहे।

व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की सघन जांच

अमरवाड़ा। शहर में मंगलवार को छिंदवाड़ा से पहुंची खाद्य आपूर्ति विभाग की टीम ने अमरवाड़ा के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की सघन जांच की प्रतिष्ठानों में उपयोग की जा रहे घरेलू गैस सिलेंडर की जांच की गई एवं अनियमिताएं पाई जाने पर गैस सिलेंडर जप्त किए गए, इस दौरान प्रतिष्ठानों के संचालकों को समझाइए भी दी गई, इस टीम में डीएसओ गंगा कुमरे राघवेंद्र सिंह आलोक काछीं गीत राम गेडाम नागेश्वर श्रीवास सहित खाद्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी शामिल थे।

पूर्व कुलपति दिलीप कुमार दुरेहा को यौन शोषण मामले में हाईकोर्ट ने ठहराया दोषी, 35 लाख हर्जाना भरने के आदेश

ग्वालियर। ग्वालियर से एक बड़ी और अहम खबर सामने आई है। लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर के पूर्व कुलपति प्रो. दिलीप कुमार दुरेहा को कार्यस्थल पर यौन शोषण के एक मामले में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने दोषी मानते हुए 35 लाख रुपये का मुआवजा पीड़िता को देने का आदेश दिया है।

कोर्ट ने मामले में संस्थान की लापरवाही को भी गंभीर मानते हुए प्रशासन पर 1 लाख का जुर्माना लगाया है।

यह फैसला 15 जुलाई 2025 को सुनाया गया, जिसमें न्यायालय ने साफ कहा कि पीड़िता की शिकायतों को जानबूझकर नजरअंदाज किया गया और उसे मानसिक, शारीरिक तथा सामाजिक रूप से गंभीर आघात झेलना पड़ा।

कोर्ट ने सबसे सख्त टिप्पणी गोला का मंदिर थाना पुलिस अधिकारियों और संबंधित जांच अधिकारियों पर की, जिन्होंने पीड़िता की शिकायत को लंबे समय तक टालते रहे। इस लापरवाही पर कोर्ट ने इन अधिकारियों को 5-5 लाख रुपये बतौर हर्जाना अपनी जेब से भरने का आदेश दिया है। यह रकम भी सीधे पीड़िता को दी जाएगी।

यह मामला अगस्त 2022 से जुड़ा है जब पीड़िता ने पहली बार संस्थान और पुलिस से शिकायत की थी कि तत्कालीन कुलपति समेत चार प्रोफेसर उसे लगातार प्रताड़ित कर रहे हैं। लेकिन इन्हें गंभीरता से लेने की बजाय बार-बार नजरअंदाज किया गया और साक्ष्यों से छेड़छाड़ के भी आरोप लगे।

हाईकोर्ट ने माना कि यह मामला न सिर्फ कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न को लेकर गंभीर था, बल्कि कानूनी और संस्थागत संवेदनशीलता की भी व्यापक विफलता है। यह फैसला देशभर के शैक्षणिक संस्थानों और पुलिस प्रशासन के लिए एक सख्त चेतावनी।और नज़ीर है- कि महिलाओं की शिकायतों को नज़रअंदाज़ करना अब बहुत महंगा पड़ सकता है।

तेज बारिश और नालों पर अतिक्रमण के चलते

मुख्य सड़क पर बहता गंदा पानी, आमजन परेशान

बैरसिया। बारिश के इस दौर में नगर में जगह जल भराव जैसी स्थिति देखी जा सकती है वहीं बैरसिया के नरसिंहगढ़ रोड पर मुख्य बस स्टैंड चौराहा से लेकर उसके चारों तरफ सड़क पर ही तेज बारिश के चलते गंदा पानी बह रहा है नालों पर अतिक्रमण के चलते यह कचरे से हुए भरे हुए हैं जिसके चलते गंदा पानी सड़क पर ही बह रहा है जिससे आम जनता काफी परेशान है गंदे पानी में चलने को मजबूर है नगर का नगरीय प्रशासन अपने काम को करना ही नहीं चाहता बारिश से पहले ही नालों की सफाई सिर्फ और सिर्फ खानापूर्ति की तरह ही थी तेज बारिश जैसे नगर पालिका के कामों की पोल खोल रही है शहर के पूरे नालो पर अतिक्रमणकारियों ने कब्जा कर रखा है अतिक्रमणकारियों ने अपनी गुमटियां नालों पर जमा रखी जिसके चलते गंदा पानी शहर के मुख्य सड़क पर से बहता है शहर की हालत थोड़ी सी बारिश में ही बिगड़ जाते हैं बारिश पैदल चलने वालों के लिए किसी बड़ी आफत से कम नहीं है शहर में बारिश के कारण खासकर बस स्टैंड पर पानी का निकास नहीं होने के चलते पानी भरा रहता है जैसे यात्रियों को पानी के

बीच में से जाना पड़ता है नाला भी बंद होने के कारण पानी फंसा रहता जिससे आम जनों को काफी मुसीबत का सामना करना पड़ता है नगर पालिका के कामों को देखकर लगता है कि शहर की व्यवस्था भगवान भरोसे ही चल रही है।

पीडब्ल्यूडी में सख्ती, अफसरों-कर्मचारियों को बिना अनुमति मुख्यालय छोड़ना नहीं होगा आसान

भोपाल। मध्य प्रदेश के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने अधिकारियों और कर्मचारियों की मनमर्जी पर अंकुश लगाने के लिए कड़े निर्देश जारी किए हैं। नए आदेशों के तहत अब कोई भी अधिकारी या कर्मचारी प्रमुख सचिव या प्रमुख अभियंता की अनुमति के बिना मुख्यालय नहीं छोड़ सकेगा। यह नियम तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। पहले विभागीय अधिकारी अपनी उपस्थिति की सूचना केवल मुख्य अभियंता, अधीक्षण यंत्री या कार्यपालन यंत्री को देकर मुख्यालय छोड़ सकते थे, लेकिन लगातार मिल रही शिकायतों के चलते यह व्यवस्था बदल दी गई है।

अब हर स्तर के अधिकारी को मुख्यालय से बाहर जाने से पहले उच्च स्तर पर स्वीकृति लेना अनिवार्य होगा। विभाग को कई ऐसी शिकायतें मिली थीं जिनमें बताया गया कि अधिकारी नियमित रूप से मुख्यालय पर अनुपस्थित रहते हैं और बिना सूचना भोपाल या अन्य शहरों में देखे जाते हैं। इससे प्रशासनिक कामकाज प्रभावित हो रहा था और विभागीय अनुशासन भी बिगड़ रहा था। पहले भी इस संदर्भ में दिशा-निर्देश जारी किए गए थे, लेकिन उनका पालन सुनिश्चित नहीं हो सका।

अवकाश के बाद भी देनी होगी जानकारी

नए आदेशों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि कोई भी कर्मचारी या अधिकारी अवकाश से लौटने के बाद यदि मुख्यालय से बाहर जाना चाहता है, तो उसे पहले उच्चाधिकारियों को इसकी जानकारी देनी होगी। इसकी सूचना देना अनिवार्य होगा, ताकि विभागीय रिकॉर्ड में पारदर्शिता बनी रहे।

अनुशासनहीनता पर होगी सख्त कार्रवाई

विभाग ने चेतावनी दी है कि यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी बिना अनुमति मुख्यालय छोड़ता है तो इसे अनुशासनहीनता की श्रेणी में माना जाएगा और संबंधित पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह कदम प्रशासनिक अनुशासन को मजबूत करने और कार्यकुशलता बढ़ाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

प्रभारी सीएमओ निलंबित

भोपाल। दतिया जिले के नगर परिषद इंदरगढ़ के प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी महेन्द्र सिंह यादव को अपने कर्तृत्वों में लापरवाही बरतने पर नगरीय प्रशासन विकास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे के निर्देश पर निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय संभागीय कार्यालय ग्वालियर निर्धारित किया गया है। नगर परिषद इंदरगढ़ में तालाब का निर्माण कराया जा रहा था। निर्माण के दौरान बरसात के मौसम में तालाब में पानी का भराव हुआ। सुरक्षा उपायों में लापरवाही बरतते हुए निर्माण कार्य के दौरान रेलिंग व बेरिगेटिंग की व्यवस्था नहीं गई। व्यवस्था के अभाव में छोटी बच्चियों के डूबने की घटना हुई। इसी के साथ प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) ने अपने कार्यकाल में नियम विरूद्ध कर्मचारियों की स्थापना में प्रशासनिक कार्य किये। जांच में प्रभारी नगर पालिका अधिकारी महेन्द्र सिंह यादव दोषी पाये गये।

183 नगरीय निकायों में 218 पिंक टॉयलेट

भोपाल। प्रदेश में नगरीय क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं को सार्वजनिक शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मिशन पिंक टॉयलेट प्रारंभ किया गया है। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 183 नगरीय निकायों में 218 पिंक शौचालय संचालित हो रहे हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने इस मिशन में 100 करोड़ रूपये के निवेश की कार्ययोजना तैयार की है। मिशन के माध्यम से प्रदेश के सभी निकायों में मिशन पिंक टॉयलेट तैयार किये जायेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के ससुर ब्रह्मानंद यादव का निधन

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सहित कई नेताओं ने जताया दुख

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के ससुर ब्रह्मानंद यादव का 98 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में अंतिम सांस ली। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा सहित अनेक नेताओं ने शोक जताया और दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

वहीं, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने सोशल मीडिया पर शोक व्यक्त करते हुए लिखा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पूज्य ससुर श्री ब्रह्मानंद यादव जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने लिखा कि विद्या भारती महाकौशल प्रान्त के संगठन मंत्री रहे श्री ब्रह्मानंद यादव जी का निधन शिक्षा क्षेत्र के लिए बड़ी क्षति है। उन्होंने सरस्वती शिशु मंदिरों के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा को दिशा दी। ईश्वर से प्रार्थना है कि वे पुण्य आत्मा को शांति दें। बता दें कि मुख्यमंत्री मोहन यादव इस समय विदेश दौरे पर हैं, जो 19 जुलाई को समाप्त होगा। इसी कारण उनका आज अंतिम संस्कार में शामिल होना संभव नहीं है, हालांकि उन्हें फोन पर ही निधन की सूचना दे दी गई है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने दी श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के ससुर ब्रह्मानंद यादव के निधन पर उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने उनके रीवा स्थित निवास पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की एवं शोक संतप्त परिजनों से भेंट कर अपनी संवेदनाएँ प्रकट कीं। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि स्वर्गीय यादव ने अपना जीवन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और अनुषांगिक संगठनों के कार्य में समर्पित करते हुए राष्ट्र सेवा में योगदान दिया। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिवार को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी के स्टोरीटेलिंग स्पॉटलाइट में युवाओं की कहानीबाजी

भोपाल। मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी की स्टोरीटेलिंग स्पॉटलाइट ग्रैंड फिनाले प्रतियोगिता में युवाओं ने मंच पर स्टोरीबाजी कर दर्शकों का दिल जीत लिया। प्रतियोगिता का आयोजन मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी के रेडियो चैनल एमजीयू रेडियो उड़ान द्वारा मानसरोवर आयुर्वेद -डेंटल कॉलेज प्रांगण में किया गया। जिसमें प्रतिभागियों ने मंच पर कभी कॉमेडी के तड़के के साथ, तो कभी कॉलेज के पहले दिन की यादों को समेटे, कभी प्रेम मुहब्बत की बातों के साथ तो कभी गंभीर विषयों पर सोच के साथ विविध कहानियां प्रस्तुत की। जिसमें दर्शकों को बांधे रखने वाली कहानियां प्रस्तुत करते हुए अदनान एहमद प्रथम, पलक गजवानी द्वितीय और गिरीश दुबे ने तृतीय पुरस्कार जीता।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि और जज माय एफएम के आरजे वेद और ब्रॉडकास्टर एंड फिल्ममेकर आरजे पिंकी सहित विशिष्ट अतिथि मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी के प्रो- चांसलर डॉ. अरुण कुमार पाण्डेय, कुलगुरु डॉ. ए. एस. यादव और आयुर्वेद संचालक डॉ. बाबुल ताम्रकार द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी के चीफ़ एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर इंजी गौरव तिवारी ने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि रेडियो उड़ान के माध्यम से विद्यार्थियों में मीडिया, रेडियो और पॉडकास्टिंग की एक बेहतर समझ विकसित हुई है। इसके लिए मैं मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी के पत्रकारिता विभाग और रेडियो उड़ान की पूरी टीम को बधाई प्रेषित करता हूं। कार्यक्रम की अगली कड़ी में श्री साईं इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक रिसर्च एंड मेडिसिन के विद्यार्थी पुष्पांकर घोड़ाके ने स्व रचित पुस्तक अतिथियों को भेंट की। प्रतियोगिता में भोपाल शहर के विभिन्न संस्थानों से करीब 200 विद्यार्थियों में चयनित 12 प्रतिभागियों ने ग्रैंड फिनाले के मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मंच संचालन डॉ. ध्रुव तिवारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मानसरोवर समूह के आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. भारत चौरगड़े और डॉ. अनुराग सिंह राजपूत, डेंटल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गुरुदत्त नायक सहित मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ. पुष्पेंद्र तिवारी सहित सभी संकाय के डीन, प्राचार्य, एचओडी, शिक्षक शिक्षिकाएं और विद्यार्थीगण मौजूद रहे।

उप मुख्यमंत्री ने सतना में किया व्याख्यान माला का शुभारंभ

स्व. शंकर प्रसाद ताम्रकार का आदर्श जीवन समाज के लिए समर्पित रहा: राजेन्द्र शुक्ल

भोपाल। उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि समाजसेवी स्व. शंकर प्रसाद ताम्रकार जी का आदर्श जीवन समाज के लिए समर्पित रहा है। ऐसे व्यक्तियों का स्मरण आने वाले पीढी को आदर्श जीवन जीने की शिक्षा भी देता है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल मंगलवार को सतना में स्व. शंकर प्रसाद ताम्रकार की 10वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित व्याख्यान माला को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रवादी विचारक पुष्पेन्द्र कुल श्रेष्ठ ने व्याख्यान माला में अपने भावपूर्ण उद्गार व्यक्त किये। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, सांसद गणेश सिंह, विधायक सुरेन्द्र सिंह गहरवार, नागेन्द्र सिंह, महापौर योगेश ताम्रकार, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, कुलगुरू चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय प्रो. भरत मिश्रा, समाजसेवी श्रीकृष्ण माहेश्वरी, स्टार ग्रुप के चेयर मैन रमेश सिंह, डीआरआई के संगठन सचिव अभय महाजन सहित गणमान्य नागरिक एवं बडी संख्या में स्थानीय प्रतिनिधि उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि संस्कार विहीन शिक्षा वरदान नहीं बल्कि अभिशाप होती है। संस्कार से भरी हुई शिक्षा से किया गया व्यक्ति का निर्माण देश के लिए वरदान साबित होता है। उन्होंने स्व. शंकर प्रसाद ताम्रकार के साथ अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि स्व. श्री ताम्रकार कितने शिक्षित थे। इसक अंदाजा लगाया जा सकता है कि उस जमाने में आईआईटी खडगपुर से स्वर्ण पदक के साथ एमटेक किया और आल इंडिया रैंक में रेल्वे में चयनित हुए। यदि वह चाहते तो रेल्वे के इंजीनियर के सबसे बडे पद को प्राप्त कर सकते थे। लेकिन उन्होंने नौकरी छोडकर समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लिया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राजनीतिक क्षेत्र में उनके सानिध्य में रहकर सदैव ऊर्जा मिलती थी।

उनकी सहज मुस्कान और आत्मीय भाव एक नई ऊर्जा भरते थे। शंकर प्रसाद सही मायने में एक मार्गदर्शक और आदर्शों को आत्मसात कर समाज को नई दिशा देने वाले व्यक्तियों की भूमिका में अग्रणी थे। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने कहा कि परिवार में वरिष्ठजन हमारी सबसे बडी पूंजी होते हैं। और जिन लोगों को परिवार के वरिष्ठजनों का साथ लम्बे समय तक प्राप्त होता है। वह अत्यंत सौभाग्यशाली होता है। उन्होंने कहा कि सही राह और नियम से जीवन का निर्वाह का पूर्वजों ने जो संस्कार दिया है। उसी परंपरा को स्व. श्री शंकर प्रसाद ताम्रकार के सुपुत्र महापौर योगेश ताम्रकार समाज सेवा को प्रमुखता देकर आगे बढा रहे हैं। राज्यमंत्री ने कहा कि यही आदर्श और संस्कार भारत भूमि की मूल पूंजी रही है। राज्यमंत्री ने कहा कि आगामी पीढी को आदर्शों की प्रेरणा देने के लिए स्व. शंकर प्रसाद ताम्रकार के नाम पर किसी संस्थान का नामकरण सतना में किया जाना चाहिए। सांसद श्री गणेश सिंह ने कहा कि उन्हें स्व. शंकर प्रसाद ताम्रकार के सानिध्य में आने का अवसर सन 1990 के दशक में प्राप्त हुआ। उनसे नैतिक मूल्यों पर आधारित जीवन को सीखने और चित्रकूट में नानाजी देशमुख से मिलने का अवसर भी प्राप्त हुआ।

जिला पंचायत के अध्यक्ष के रूप में गांव कैसे स्वावलम्बी बनें और शासन की योजनायें गांव-गांव तक कैसे पहुंचे, सीखने को मिला। सांसद ने कहा कि जीवन में इतना सम्मान बहुत ही बिरले लोगों को प्राप्त होता है। पदमा शंकर ट्रस्ट स्व. शंकर प्रसाद ताम्रकार के आदर्शों, जीवन मूल्यों और समाज सेवा के कामों को आगे बढायेगी। कार्यक्रम में महापौर और पदमा शंकर ट्रस्ट के प्रधान ट्रस्टी योगेश ताम्रकार ने स्व. शंकर प्रसाद ताम्रकार के जीवन परिचय तथा ट्रस्ट के समाजसेवी कार्यों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

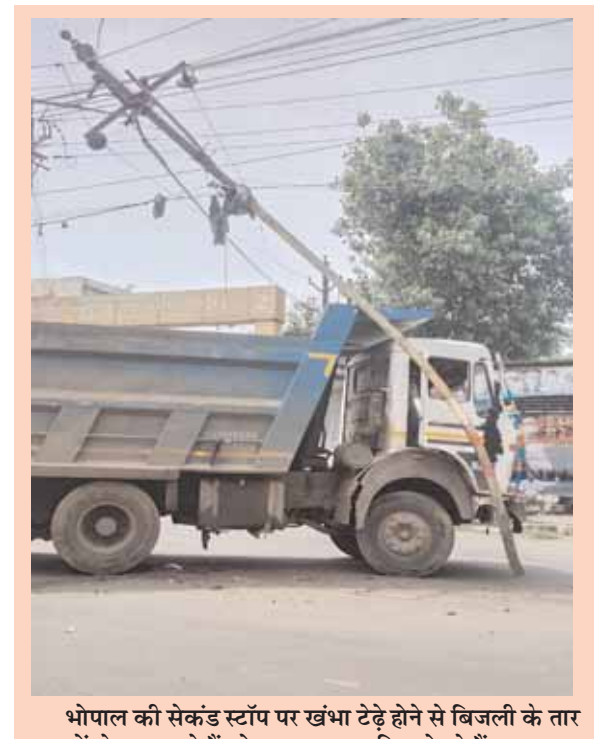

भोपाल की सेकंड स्टॉप पर खंभा टेढ़े होने से बिजली के तार वाहनों से टकरा रहे हैं जो खतरनाक साबित हो रहे हैं।

शेर को भैंस समझकर चारा खिला रही थीं अम्मा, मुंह में डाला हाथ जानवर ने मारा झपट्टा

आज की तकनीकी दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई से फोटो और वीडियो बनाना अब उन लोगों के लिए बेहद सरल हो गया है, जो इस तकनीक में माहिर हो चुके हैं। सोशल मीडिया पर रोजाना कई जनरेटेड क्लिप वायरल होती हैं, लेकिन इन दिनों एक खास एआई वाली दादी खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। उनके वीडियो में देहाती बैकग्राउंड का इस्तेमाल किया जाता है, तो आज की इस खबर में हम आपको इसी वीडियो के बारे में विस्तार से बताने जा रहे हैं। हाल ही में सामने आया उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर धूम मचा रहा है। इसमें दादी एक शेर के साथ नजर आती हैं, जिसे वो गलती से भैंस समझ लेती हैं और चारा खिलाने की कोशिश करती हैं। यह क्लिप केवल 8 सेकंड की है, लेकिन दर्शकों ने इस पर जबर्दस्त प्रतिक्रिया दी है। वीडियो को देखकर लोग एआई के फीचर और खतरे को लेकर अपनी राय रख रहे हैं।

यो भैंस खाना न खा रही, यो बीमार ही हो गई: वीडियो की शुरुआत में दादी कैमरा पकड़े नजर आती हैं और कहती हैं, नमस्ते सारे भैया ने, यो भैंस खाना न खा रही, यो बीमार ही हो गई। बोलते-बोलते वह अपना हाथ शेर के मुंह में डाल देती हैं, फिर तुरंत चौंककर हाथ बाहर निकाल लेती हैं। इसके साथ ही यह छोटा सा वीडियो खत्म हो जाता है। ध्यान देने वाली बात ये है कि ये वीडियो असली नहीं है, बल्कि एआई की मदद से बनाया गया एक क्लिप है, जिसमें दादी को खाट पर शेर के साथ बैठे हुए दिखाया गया है। हकीकत में शेर का वजन करीब 150 से 200 किलो होता है, ऐसे में उसका इस तरह से खाट पर बैठना बिल्कुल फेक लगता है। इससे पहले भी दादी के एआई वीडियो वायरल हो चुके हैं, जिससे यह साफ हो जाता है कि ये वीडियो एडिटेड और कंप्यूटर जनरेटेड होते हैं। इंस्टाग्राम पर यह वीडियो @taii_vloger नाम के अकाउंट से पोस्ट किया गया है। कैप्शन में लिखा गया है, भैंस खाना न खा रही। वीडियो को इतनी रियल दिखाया गया है कि इसे अब तक 2 करोड़ 91 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है और 6.5 लाख से अधिक लोगों ने इसे लाइक भी किया है। वहीं, इस पर 2 हजार से ज्यादा कमेंट्स भी आ चुके हैं।

नशा मुक्ति को लेकर संस्कार स्कूल में एसीपी एवं थाना प्रभारी ने किया जागरूक

संत हिरदाराम नगर। संस्कार स्कूल में विद्यार्थियों के लिए नशा मुक्ति जागरूक अभियान एवं मार्गदर्शन देने के लिए बैराग एसीपी आदित्य राज सिंह एवं थाना प्रभारी अशोक कुमार गौतम अपनी टीम के साथ के उपस्थित हुए उनके नेतृत्व में नशा मुक्ति जागरूक अभियान के तहत रैली निकाली गई एवं शपथ के साथ संकल्प लिया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी, कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव, सह सचिव नरेश वासवानी भी उपस्थित थे। थाना प्रभारी अशोक कुमार गौतम ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आपने जो अभी रैली के माध्यम से जो नारें लगाए है ''हमारा है यही संदेश, नशा मुक्त हो मध्यप्रदेश'' ''नशे से दूरी है जरूरी'' यदि इसको अपने जीवन में अपनाते है तो हम अपने जीवन को सुखमय बना सकते हैं, क्योकि नशा करने से फायदा तो कुछ नहीं होता है, लेकिन उसके नुकसान बहुत होते है, इसलिए हमें भी नशे से दूर रहना चाहिए और अन्य लोगों को भी नशे से दूर रहने के प्रेरित करना चाहिए। सुशील वासवानी ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आपकी जो उम्र है इसी उम्र से नशे की शुरूआत होती है और यही से इसको रोका जा सकता है। सचिव बसंत चेलानी ने भी नशा मुक्ति पर बच्चों को सम्बोधित किया।

प्रदेश में अब तक 18.2 इंच बारिश, 18 जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल। मध्य प्रदेश में स्ट्रांग सिस्टम मृत्यु होने की वजह से लगातार तेज बारिश का दौर चल रहा है। आज भी बारिश का दौर जारी रहेगा। मौसम विभाग ने बुधवार को 18 जिलों में अति भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मंगलवार को ग्वालियर, भोपाल, इंदौर समेत 25 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। सबसे ज्यादा ग्वालियर में 2.3 इंच पानी गिर गया। पिछले एक सप्ताह से जबरदस्त बारिश की वजह से नदी-नाले उफान पर हैं। मंगलवार को ऐसी स्थिति तो नहीं रही, लेकिन बुधवार से सिस्टम फिर स्ट्रॉन्ग हो रहा है। आज रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, शहडोल और अनूपपुर में अति भारी बारिश का अलर्ट है। 24 घंटे में यहां 8 इंच तक बारिश हो सकती है। ग्वालियर, मुरैना, भिंड, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना,

उमरिया, डिंडौरी, मंडला और बालाघाट भारी बारिश की चेतावनी है। बाकी बचे जिलों में भी हल्की बारिश और गरज-चमक का अलर्ट है। मौसम विभाग के आकड़े के अनुसार इस मानसूनी सीजन में मध्यप्रदेश में औसत 18.2 इंच बारिश हो गई है, जो कोटे से आधी है। अब तक की औसत बारिश से यह 72प्रतिशत यानी 5.6 इंच ज्यादा है। अब तक 10.6 इंच पानी गिरता है। निवाड़ी ऐसा जिला है, जहां एक महीने में ही बारिश का आंकड़ा 103प्रतिशत यानी 31.46 इंच पहुंच गया है। इस जिले की सामान्य बारिश साढ़े 30 इंच है। इंदौर और उज्जैन संभाग के जिले पिछड़े हुए हैं। 5 बड़े शहरों में भोपाल में 14.5 इंच, इंदौर में 7 इंच, ग्वालियर में 18.5 इंच, जबलपुर में 21.6 इंच और उज्जैन में 8 इंच पानी गिरा है। वहीं, टीकमगढ़ में 91प्रतिशत (33 इंच), छतरपुर में 75 प्रतिशत (28 इंच), शिवपुरी में 82 प्रतिशत (25.3 इंच) और मंडला में 75 प्रतिशत (35 इंच) बारिश हो चुकी है। औसत से 86 प्रतिशत ज्यादा बारिश दर्ज

प्रदेश के पूर्वी हिस्से के जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग में बारिश की स्थिति बेहतर है। इन संभागों के जिलों में औसत से 86 प्रतिशत पानी ज्यादा गिर चुका है। दूसरी ओर, पश्चिमी हिस्से जैसे- भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल और नर्मदापुरम में औसत से 57 प्रतिशत ज्यादा बारिश हो चुकी है। इनमें इंदौर और उज्जैन संभाग की स्थिति ठीक नहीं है। कुल 15 जिलों में से 10 ऐसे हैं, जहां बारिश का आंकड़ा 10 इंच तक भी नहीं पहुंचा है। मौसम विभाग के वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि अभी एक मानसून ट्रफ प्रदेश के ऊपरी हिस्से से गुजर रही है। इसके चलते बुधवार से अति भारी और भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। प्रदेश के नजदीक लो प्रेशर एरिया (कम दबाव का क्षेत्र) एक्टिव होने से फिर से तेज बारिश का दौर शुरू होगा। अगले 4 दिन तक तेज बारिश का अलर्ट है।

नशे से दूरी है जरूरी, अभियान का डीजीपी मकवाना ने शुभारंभ किया

भोपाल। प्रदेश में युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने और समाज को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से नशे से दूरी है जरूरी अभियान की शुरुआत मंगलवार को हो गई। इस राज्यव्यापी जन-जागरूकता अभियान का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के वीडियो संदेश के साथ हुआ। वहीं, पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने पुलिस मुख्यालय भोपाल में पोस्टर विमोचन कर इसे औपचारिक रूप से लॉन्च किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में नशे को समाज के लिए सबसे बड़ी बुराई बताया। उन्होंने कहा कि नशा न केवल स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार और सामाजिक ढांचे को भी तोड़ देता है। कई बार नशे के कारण पूरा परिवार बर्बाद हो जाता है। उन्होंने कहा कि नशा युवाओं को खोखला करता है। वे देश का भविष्य हैं और उन्हें इस दलदल से बाहर लाने की जिम्मेदारी

हम सभी की है। यह अभियान सिर्फ रोकथाम नहीं, बल्कि समाज में नई चेतना जागृत करने का प्रयास है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से पुलिस द्वारा संचालित इस विशेष अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल कानून की नहीं, समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने बताया कि यह अभियान मुख्यमंत्री की प्रेरणा से संचालित हो रहा है। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों का बढ़ता उपयोग विशेषकर युवाओं और किशोरों के लिए घातक होता जा रहा है। डीजीपी ने कहा कि समाज की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि वह बच्चों को नशे के दुष्प्रभावों से बचाए।15 से 30 जुलाई तक चलने वाले इस अभियान में रोजाना विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाएंगी। इनमें रेडियो और एफएम चैनलों पर प्रसारण, बैनर, पोस्टर, होर्डिंग्स और पंपलेट का वितरण, बस अड्डों और प्रमुख चौराहों पर डिजिटल स्क्रीन से प्रचार। सफाई वाहनों के पीए सिस्टम से घोषणाएं, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स (फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर) पर हैशटैग से संदेश प्रसारित किए जाएंगे। हर आयोजन स्थल पर सेल्फी पॉइंट भी बनाए जाएंगे, जिससे आमजन की भागीदारी और जागरूकता को प्रोत्साहन मिलेगा। इसके अलावा नशा संबंधी परामर्श और शिकायतों के लिए हेल्पलाइन नंबर 1933 व 14446 तथा वेबसाइट को भी प्रचारित किया जाएगा। अभियान में स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, सामाजिक न्याय, नगरीय विकास, ग्रामीण विकास सहित कई विभागों की भूमिका तय की गई है।

छात्रावासों में 'छात्रावास नशामुक्ति समितियां' गठित होंगी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी, गायत्री परिवार, आर्ट ऑफ लिविंग, हार्टफुलनेस जैसे संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। सामाजिक न्याय विभाग के प्रशिक्षित मास्टर वॉलंटियर्स व कला पथक दल नुक्कड़ नाटक व गीतों के माध्यम से संदेश देंगे। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं भी सहयोग करेंगी। शिक्षा विभाग के युवा संगम, ओजस क्लब, उमंग मॉड्यूल और स्वास्थ्य विभाग के एप से भी छात्रों व नागरिकों को नशा मुक्ति की जानकारी दी जाएगी।